विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि दर 16 महीने के उच्च स्तर पर - 12

राज्य सभा में हंगामे की भेंट चढ़े शून्यकाल और प्रश्नकाल- 12

संस्कृत को जानना देश को समझने के समान : भागवत - 13

भारतीय फुटबाल टीम को मिले नए मुख्य कोच खालिद जमील - 14

आज का मौसम

29.0° अधिकतम तापमान

27.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 05.34

सूर्यास्त 06.55

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

कानपुर नगर

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

श्रावण शुक्ल पक्ष अष्टमी 07:23 उपरांत नवमी विक्रम संवत 2082

शनिवार, 2 अगस्त 2025, वर्ष 3, अंक 343, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 5 रुपये

कानपुर महानगर की खबरों का पुलआउट अंदर के पन्नों पर...।

ब्रीफ न्यूज

अमरनाथ यात्रा तीन अगस्त तक स्थगित

श्रीनगर/जम्मू। अमरनाथ यात्रा को तीर्थयात्रियों की सुरक्षा के मद्देनजर तीन अगस्त तक के लिए स्थगित कर दिया गया है। भारी बारिश के बाद तीर्थयात्रा के दोनों मार्गों पर मरम्मत और रखरखाव का काम जारी होने के कारण यह कदम उठाया गया है। अधिकारियों ने बताया कि शुक्रवार सुबह पहलगाम मार्ग से तीर्थयात्रा स्थगित रही, भारी बारिश के कारण बाद में बालटाल मार्ग से भी यात्रा स्थगित कर दी गई।

पुष्पेंद्र सिंह ने संभाला थलसेना उप प्रमुख पद

नई दिल्ली। लेफ्टिनेंट जनरल पुष्पेंद्र सिंह ने शुक्रवार को थलसेना के नए उप प्रमुख के रूप में कार्यभार संभाला। थलसेना में 35 साल से अधिक का शानदार करियर रहा है। सिंह को दिसंबर 1987 में पैराशूट रेजिमेंट की चौथी बटालियन में शामिल किया गया था। उन्होंने कश्मीर घाटी और नियंत्रण रेखा पर विशेष बल इकाई की कमान संभाली थी। ऑपरेशन पवन, ऑपरेशन मेघदूत, ऑपरेशन ऑर्किड और ऑपरेशन रक्षक में भी सेवाएं दी थीं।

वाणिज्यिक एलपीजी हुई 33.50 रुपये सस्ती

नई दिल्ली। विमान ईंधन (एटीएफ) की कीमतों में शुक्रवार को तीन प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई, जबकि वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर की कीमत 33.50 रुपये कम कर दी गई। अंतर्राष्ट्रीय मानक दरों में उतार-चढ़ाव के अनुरूप यह कदम उठाया गया है। तेल कंपनियों ने 19 किलोग्राम वाले वाणिज्यिक रसोई गैस सिलेंडर की कीमत में 33.50 रुपये की कटौती की है। वाणिज्यिक रसोई गैस की कीमतों में यह लगातार पांचवीं कटौती है।

अंदर देखें ... शब्द रंग

फुटवियर और लेदर विनिर्माण का वैश्विक केंद्र बनेगा यूपी : मुख्यमंत्री

फुटवियर, लेदर एवं नॉन-लेदर क्षेत्र विकास नीति के प्रारूप पर हुई चर्चा

- डिज़ाइन टू डिलीवरी मॉडल के साथ विकसित होगा इको सिस्टम

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को यूपी को फुटवियर और लेदर विनिर्माण का वैश्विक केंद्र बनाने का ऐलान किया। कहा कि राज्य के पारंपरिक कौशल, प्रशिक्षित श्रम बल, कच्चे माल की प्रचुरता समेत आगरा, कानपुर व उन्नाव जैसे सशक्त औद्योगिक केंद्रों की मौजूदगी को देखते हुए एक समग्र, परिणामोन्मुखी नीति आवश्यक है। इससे डिज़ाइन टू डिलीवरी मॉडल के साथ एकीकृत इकोसिस्टम विकसित होगा।

योगी ने शुक्रवार को अपने आवास पर एमएसएमई विभाग की समीक्षा के दौरान उत्तर प्रदेश फुटवियर, लेदर एवं नॉन-लेदर क्षेत्र विकास नीति 2025 के प्रारूप को अंतिम रूप देने के निर्देश दिए। कहा कि क्लस्टर आधारित विकास मॉडल को प्राथमिकता दी जाए। नीति में स्पष्ट रूप से यह परिभाषित किया जाए कि प्रदेश के कौन-से क्षेत्र इस उद्योग के लिए सबसे उपयुक्त हैं। सुझाव दिया कि यदि उत्पादन, डिज़ाइन, अनुसंधान और प्रशिक्षण को एकीकृत किया जाए तो यह क्षेत्र बड़े पैमाने पर निवेश आकर्षित कर सकता है और लाखों युवाओं को रोजगार भी उपलब्ध करा सकता है।

उन्होंने फ्लैटेड फैक्ट्री कॉम्प्लेक्स जैसी अधोसंरचना सुविधाओं की स्थापना की आवश्यकता पर बल दिया ताकि औद्योगिक इकाइयों को बेहतर कार्य वातावरण मिल सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि नीति के तहत न केवल लेदर और नॉन-लेदर फुटवियर निर्माण इकाइयों को बढ़ावा दिया जाए, बल्कि इससे जुड़ी सहायक इकाइयों को भी विशेष प्रोत्साहन दिया जाना चाहिए।

अपने आवास पर एमएसएमई विभाग की समीक्षा बैठक करते मुख्यमंत्री योगी।

22 लाख को रोजगार देगी नई फुटवियर नीति

समीक्षा बैठक में प्रमुख सचिव एमएसएमई ने जानकारी दी कि प्रस्तावित नीति के तहत अगले कुछ वर्षों में लगभग 22 लाख नई नौकरियों के सृजन की संभावना है। भारत इस क्षेत्र में दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक और उपभोक्ता है, जिसमें यूपी की भागीदारी महत्वपूर्ण है। अकेले कानपुर और उन्नाव में 200 से अधिक टैनरियां हैं, जबकि आगरा को देश की फुटवियर राजधानी के रूप में जाना जाता है।

शीघ्र नई औद्योगिक आस्थान नीति

बैठक में प्रस्तावित उत्तर प्रदेश औद्योगिक आस्थान नीति पर भी विचार-विमर्श हुआ। मुख्यमंत्री ने औद्योगिक आस्थान नीति को अत्यंत व्यावहारिक बताते हुए कहा कि यदि भूखंडों के आवंटन से लेकर लीज डीड निष्पादन, निर्माण और उत्पादन तक की प्रक्रिया स्पष्ट, सरल और उत्तरदायी हो तो निवेशकों को प्रदेश में उद्योग लगाने के लिए आवश्यक आश्वस्ति प्राप्त होगी। कहा कि सीमित औद्योगिक भूमि को ध्यान में रखते हुए लीज रेंट मॉडल पर विचार किया जाए, जिससे निवेशकों का पूंजीगत व्यय कम होगा और औद्योगिक विकास को गति मिलेगी।

ट्रंप ने घोषित की दुनिया के 70 देशों के लिए टैरिफ दरें

अमेरिका की ओर से जारी सूची में शुल्क दरें 10 से 40 प्रतिशत तक

- भारत पर 25 % टैरिफ लगाने की घोषणा 7 अगस्त से प्रभावी

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका ने भारत पर 25 प्रतिशत शुल्क लगाने की घोषणा की है साथ ही शुल्कों की एक विस्तृत सूची जारी की है जो वाशिंगटन दुनिया भर के देशों से निर्यात पर लगा रहा है। पारस्परिक टैरिफ दरों में अधिक संशोधन शीर्षक वाले एक शासकीय आदेश में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दुनिया भर के लगभग 70 देशों के लिए शुल्क दरों की घोषणा की। गुरुवार को जारी सूची के अनुसार, भारत पर 25 प्रतिशत पारस्परिक शुल्क लगाया गया है।

शुल्क लागू करने की अंतिम तिथि एक अगस्त थी लेकिन नए शुल्क सात अगस्त से प्रभाव में आएंगे। ट्रंप ने शासकीय आदेश में कहा कि कुछ व्यापारिक साझेदार अमेरिका के साथ सार्थक व्यापार और सुरक्षा प्रतिबद्धताओं पर सहमत हो गए हैं या सहमत होने की कगार पर हैं, जिससे व्यापार बाधाओं को स्थायी रूप से दूर करने और आर्थिक तथा राष्ट्रीय सुरक्षा मामलों पर अमेरिका के साथ तालमेल बिठाने के उनके ईमानदार इरादे का संकेत मिलता है। उन्होंने कहा कि अन्य व्यापारिक साझेदारों ने बातचीत में शामिल होने के बावजूद ऐसी शर्तें पेश की हैं जो मेरे विचार से हमारे व्यापारिक संबंधों में असंतुलन को पर्याप्त रूप से दूर नहीं करती हैं। ट्रंप ने आदेश में कहा कि कुछ व्यापारिक साझेदार ऐसे भी हैं जो अमेरिका के साथ बातचीत करने में विफल रहे हैं या आर्थिक और राष्ट्रीय सुरक्षा के मामलों पर अमेरिका के साथ तालमेल के लिए पर्याप्त कदम उठाने में विफल रहे हैं। संशोधित शुल्क इस आदेश की तारीख के सात दिन बाद पूर्वी डेलाइट टाइम सुबह 12:01 बजे या उसके बाद उपभोग के लिए प्रवेश किए या उपभोग के लिए गोदाम से निकाले गए माल के संबंध में प्रभावी होंगे। अमेरिका की ओर से जारी सूची में शुल्क दर 10 से 40 % तक है, जिसमें जापान पर (15 %), लाओस और म्यांमा पर (40 %), पाकिस्तान पर (19 %), श्रीलंका पर (20 %) और ब्रिटेन पर (10 %) शुल्क लगाया गया है।

साझेदारी ने कई चुनौतियों का किया सामना

नई दिल्ली। भारत ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आक्षेप को खारिज करते हुए शुक्रवार को कहा कि दोनों देशों के बीच साझेदारी ने कई बदलावों और चुनौतियों का सामना किया है। विदेश मंत्रालय की यह टिप्पणी ट्रंप द्वारा भारत पर 25 प्रतिशत शुल्क लगाने और भारतीय अर्थव्यवस्था को मृत बताने के एक दिन बाद आई है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच साझा हितों, लोकतांत्रिक मूल्यों और लोगों से लोगों के बीच मजबूत संबंधों पर आधारित व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी है। कहा कि इस साझेदारी ने कई बदलावों और चुनौतियों का सामना किया है।

पूर्व जेडीएस सांसद प्रज्वल रेवन्ना दुष्कर्म मामले में दोषी करार

- बेंगलुरु की एक विशेष अदालत शनिवार को सुनाएगी सजा
- रेवन्ना के खिलाफ दर्ज हैं यौन शोषण, दुष्कर्म के चार मामले

बेंगलुरु, एजेंसी

पूर्व सांसद और (जनता दल-सेक्युलर) जद (एस) के निलंबित नेता प्रज्वल रेवन्ना को शुक्रवार को यहां एक विशेष अदालत ने उसके खिलाफ दर्ज यौन शोषण और बलात्कार के चार मामलों में से एक में दोषी ठहराया।

विशेष अदालत के न्यायाधीश संतोष गजानन भट शनिवार को सजा की अवधि पर फैसला सुनाएंगे। यह मामला 48 वर्षीय उस महिला से जुड़ा है जो हासन जिले के होलेनरसीपुरा स्थित परिवार के गन्निकाडा फार्महाउस में सहायिका के रूप में काम करती थी। 2021 में उसके साथ कथित तौर पर दो बार बलात्कार किया गया और आरोपी ने इस कृत्य को अपने मोबाइल फोन में रिकॉर्ड कर लिया। बलात्कार और यौन उत्पीड़न के आरोपों का सामना कर रहे प्रज्वल रेवन्ना के खिलाफ चार अलग-अलग मामले दर्ज किए गए हैं और मामलों की जांच के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया है।

प्रज्वल रेवन्ना पूर्व प्रधानमंत्री और जद(एस) संरक्षक एच डी देवेगौड़ा का पोता है। ये मामले तब सामने आए जब प्रज्वल रेवन्ना से कथित तौर पर जुड़े अश्लील वीडियो हासन में 26 अप्रैल 2024 को होने वाले लोकसभा चुनाव से पहले प्रसारित हुए थे।

एसआईटी ने किया था गिरफ्तार, पार्टी ने निलंबित

एसआईटी ने उसे पिछले साल 31 मई को होलेनरसीपुरा टाउन पुलिस थाने में दर्ज एक मामले के सिलसिले में जर्मनी से बेंगलुरु हवाई अड्डे पर पहुंचने पर गिरफ्तार किया था। रेवन्ना 2024 के लोकसभा चुनाव में हासन संसदीय क्षेत्र से हार गया था, बाद में जद (एस) ने उसे पार्टी से निलंबित कर दिया था।

उपराष्ट्रपति पद के लिए 9 सितंबर को होगा चुनाव

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति पद के लिए चुनाव 9 सितंबर को होगा। निर्वाचन आयोग के अनुसार चुनाव के लिए अधिसूचना 7 अगस्त को जारी होगी और नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि 21 अगस्त होगी। आयोग ने कहा कि यदि मतदान की जरूरत हुई तो यह 9 सितंबर को सुबह 10 से शाम 5 बजे तक संसद भवन के प्रथम तल पर स्थित कक्ष संख्या एफ-101, वसुधा में होगा। उसी दिन परिणाम घोषित किए जाएंगे। राज्यसभा महासचिव को निर्वाचन अधिकारी और राज्यसभा सचिवालय के दो अधिकारियों को सहायक निर्वाचन अधिकारी नियुक्त किया है।

मैनपुरी में हादसा, कन्नौज के 5 लोगों की मौत

संवाददाता, छिबरामऊ (कन्नौज)

अमृत विचार : दिल्ली- कानपुर नेशनल हाईवे पर मैनपुरी जनपद के बेवर थाना क्षेत्र में नगला ताल के पास हुए सड़क हादसे में छिबरामऊ के एक आढ़ती के परिवार के पांच लोगों की मौत हो गई।

परिवार के लोग आगरा में बच्ची का जन्मदिन मनाकर शुक्रवार को घर लौट रहे थे। दोपहर लगभग दो बजे कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर तोड़ते हुए ट्राला से टकरा गई, जिससे पांच लोगों की जान चली गई, जबकि घायल बेटी को मैनपुरी के जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मूलरूप से मैनपुरी जिले के किशनी थाना क्षेत्र के हरीपुर गांव के रहने वाले आढ़ती दीपक सिंह चौहान पुत्र इंद्रपाल सिंह चौहान का छिबरामऊ कस्बे के त्रिपाठी नगर मोहल्ला में मकान है, जहां वह परिवार के साथ रहते थे। दीपक अपने छोटे भाई राकेश सिंह चौहान की बेटी काव्या चौहान का आगरा में जन्मदिन मनाने के बाद शुक्रवार को परिवार के साथ घर लौट रहे थे, तभी हाईवे पर नगला ताल के पास बारिश का पानी भरा होने से कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराई और पलटते हुए दूसरी लेन में जाकर दिल्ली की ओर जा रहे ट्राला से टकरा गई। इस हादसे में दीपक चौहान (36), उनकी पत्नी पूजा (34), बेटी आशी (9), भांजी आर्या (4) और दीपक की बहन सुजाता (30) की मौत हो गई।

दीपक की 11 वर्षीय बेटी आराध्या गंभीर रूप से घायल हो गई। घायल बेटी को मैनपुरी जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे की जानकारी मिलते ही यहां परिवार में कोहराम मच गया। परिवार के लोग घटनास्थल की ओर रवाना हो गए।

हादसे में क्षतिग्रस्त कार से लोगों को बाहर निकालते ग्रामीण।

- आगरा में बच्ची का बर्थडे मना कर लौट रहा था परिवार
- हादसे का शिकार हुआ परिवार छिबरामऊ का रहने वाला

पीजीटी, टीजीटी व टीईटी परीक्षा की तिथियां घोषित

संवाददाता,प्रयागराज

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग, प्रयागराज ने आज हुई बैठक में लंबित परीक्षाओं की आगामी तिथियों के संबंध में निर्णय लेते हुए उनकी तिथियां घोषित कर दिया। प्रदेश के 4512 सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों में प्रवक्ता (पीजीटी) की भर्ती परीक्षा 15 व 16 अक्टूबर, टीजीटी की 18,19 दिसंबर तथा शिक्षक पात्रता परीक्षा (यूपी-टीईटी) 29 व 30 जनवरी को कराई जाएगी। उप्र. शिक्षा सेवा चयन आयोग के उपसचिव डॉ. शिवजी मालवीय ने शुक्रवार को बताया कि प्रदेश में 23 जनवरी 2022 को आखिरी बार टीईटी 2021 कराई गई थी। अब चार साल बाद टीईटी कराने का फैसला हुआ है।

- 15-16 अक्टूबर को पीजीटी, 18,19 दिसंबर को टीजीटी तथा 29-30 जनवरी को होगी टीईटी परीक्षा

बिहार के लिए मतदाता सूची प्रकाशित

पटना, एजेंसी

निर्वाचन आयोग ने बिहार में आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर महीने भर चली विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया पूरी करने के बाद राज्य के लिए मतदाता सूचियों का मसौदा शुक्रवार को प्रकाशित किया।

कोई संकलित सूची उपलब्ध नहीं कराई गई है लेकिन मतदाता अपना नाम निर्वाचन आयोग की वेबसाइट पर देख सकते हैं। निर्वाचन आयोग के अनुसार, जून में एसआईआर प्रक्रिया शुरू होने से पहले राज्य में 7.93 करोड़ मतदाता पंजीकृत थे। अभी यह पता नहीं चला है कि आज प्रकाशित मसौदा सूचियों में कितने मतदाता शामिल हैं। मसौदा सूचियों के प्रकाशन के साथ ही दावों और आपत्तियों की प्रक्रिया भी शुरू हो गई है, जो एक सितंबर तक जारी रहेगी और इस अवधि के दौरान मतदाता गलत तरीके से नाम हटाए जाने की शिकायत लेकर संबंधित प्राधिकारियों से संपर्क कर सकते हैं।

बिहार में साल के अंत में विधानसभा चुनाव प्रस्तावित हैं। निर्वाचन आयोग के अनुसार 7.23 करोड़ मतदाताओं ने अपने गणना प्रपत्र जमा कर दिए जबकि 35 लाख मतदाता स्थायी रूप से पलायन कर गए या उनका कोई पता नहीं चला। 22 लाख मतदाताओं की मृत्यु हो चुकी है, जबकि सात लाख लोग एक से ज्यादा मतदाता सूची में पंजीकृत थे। 1.2 लाख मतदाताओं ने गणना प्रपत्र जमा नहीं किए।

- गहन पुनरीक्षण के बाद निर्वाचन आयोग ने तैयार की सूची
- एक सितंबर तक दावों और आपत्तियों की चलेगी प्रक्रिया

आज काशी में प्रधानमंत्री करेंगे सौगातों की बारिश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी में श्रावण माह में रक्षाबंधन पर्व से ठीक पहले पूर्वांचल के लिए बड़ी सौगात लेकर आ रहे हैं।

लगभग 2183.45 करोड़ की 52 योजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे। इसके अलावा देश के किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 20वीं किस्त जारी की जाएगी, जिसमें 9.70 करोड़ से अधिक पात्र किसानों के खाते में 20,500 करोड़ रुपये की धनराशि हस्तांतरित होगी। प्रधानमंत्री की शनिवार को बड़ी जनसभा को लेकर के सेवापुरी विधानसभा क्षेत्र के बनौली (कालिका धाम) गांव में तैयारी पूरी हो चुकी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लखनऊ से शुक्रवार की शाम को वाराणसी रवाना हो गए हैं, वे हर एक तैयारी पर पूरी नजर रख रहे हैं। इस बीच भाजपा ने दावा किया है कि जनसभा में 50 हज़ार से अधिक लोग प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री को सुनने के लिए पहुंचेंगे।

- योगी पहुंचे काशी, मोदी करेंगे 52 योजनाओं का लोकार्पण
- देश के 9.70 करोड़ किसानों के खाते में भेजेंगे किसान निधि

आईआईटी रुड़की का शोध

गंगा नदी के ग्रीष्मकालीन प्रवाह को लेकर शोधकर्ताओं ने पेश किया नया दृष्टिकोण

गंगा का भविष्य ग्लेशियरों के पिघलने पर नहीं, जल प्रबंधन पर निर्भर

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार : आईआईटी रुड़की के शोधकर्ताओं ने गंगा नदी के ग्रीष्मकालीन प्रवाह को लेकर एक नया दृष्टिकोण पेश किया है। शोधकर्ताओं ने गंगा और उसकी सहायक नदियों का विस्तार से विश्लेषण किया है। यह बताया है कि गंगा का ग्रीष्मकालीन जल प्रवाह मुख्य रूप से भूजल से आता है, न कि ग्लेशियरों के पिघलने से, जैसा कि पहले माना जाता था।

इस अध्ययन ने गंगा के जल स्रोतों को समझने में एक महत्वपूर्ण बदलाव दिखाया है। शोध के अनुसार, गंगा नदी का पानी मुख्य रूप से भूजल से आता है, जो नदी के मध्य भाग में उसके जल स्तर को 120 प्रतिशत तक बढ़ा देता है। खासकर ग्रीष्मकाल में, नदी का 58 प्रतिशत पानी वाष्पीकरण में नष्ट हो जाता है, जो जल बजट का एक अनदेखा और चिंताजनक पहलू है। इस अध्ययन ने यह भी स्पष्ट किया कि गंगा के ग्रीष्मकालीन प्रवाह में हिमालयी ग्लेशियरों का कोई खास योगदान नहीं है।

पटना तक गंगा का प्रवाह मुख्य रूप से भूजल से प्राप्त होता है और हिमनदों से प्राप्त पानी इस प्रवाह को प्रभावित नहीं करता। गंगा के मुख्य प्रवाह में गर्मियों में अन्य सहायक नदियां, जैसे घाघरा और गंडक योगदान देती हैं। इस शोध ने जल प्रबंधन और नदी पुनरुद्धार के लिए महत्वपूर्ण संकेत देते हुए नमामि गंगे, अटल भूजल योजना और जल शक्ति अभियान जैसी सरकारी योजनाओं की महत्ता को भी सिद्ध किया है, जिनका उद्देश्य नदियों की सफाई और भूजल पुनर्भरण है।

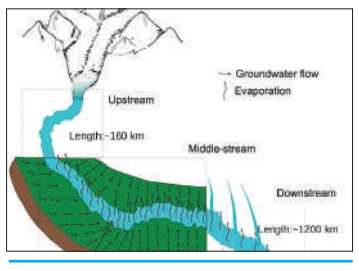

- गंगा के मुख्य प्रवाह में गर्मियों में हिमनदों का कोई प्रभाव नहीं पड़ता

सहायक नदियों की उपेक्षा से घट रहा पानी

आईआईटी रुड़की के भू-विज्ञान विभाग के प्रमुख और इस अध्ययन के लेखक प्रो. अभयानंद सिंह मौर्य ने कहा कि, हमारा शोध यह बताता है कि गंगा का जल स्तर भूजल के गिरने से नहीं, बल्कि अत्यधिक जल उपयोग, जलमार्ग में बदलाव और सहायक नदियों की उपेक्षा से घट रहा है। आईआईटी रुड़की के निदेशक प्रो. केके पंत के अनुसार, यह अध्ययन गंगा के ग्रीष्मकालीन प्रवाह को समझने में एक नया दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है। यह न केवल गंगा, बल्कि सभी प्रमुख भारतीय नदियों के लिए एक स्थिर नदी पुनरुद्धार की रणनीति हो सकती है।

गंगा को स्थायी बनाने को जलभृतों की सुरक्षा, पुनर्भरण पर ध्यान जरूरी

शोध यह संदेश भी देता है कि अगर भारत को गंगा को स्थायी बनाना है तो उसे अपने जलभृतों (भूजल के स्रोत) की सुरक्षा और पुनर्भरण पर ध्यान देना होगा। मुख्य नदी चैनल में पर्याप्त जल छोड़ना होगा और सहायक नदियों को पुनर्जीवित करना होगा। गंगा का भविष्य केवल ग्लेशियरों पर नहीं, बल्कि जल प्रबंधन पर निर्भर करता है।

अमृत विचार

कानपुर, शनिवार, 2 अगस्त 2025

न्यूज ब्रीफ

आईपीएस आनंद स्वरूप कार्यमुक्त, एचआरसी के महानिदेशक नियुक्त

अमृत विचार, लखनऊ : भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के वरिष्ठ अधिकारी और उत्तर प्रदेश कैडर के 1992 बैच के अफसर आनंद स्वरूप की केन्द्रीय प्रतिनियुक्ति के मद्देनजर राज्य सरकार ने कार्यमुक्त कर दिया है। केंद्र सरकार ने उन्हें राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एचआरसी) का नया महानिदेशक (जांच) नियुक्त किया है। इस महत्वपूर्ण संवैधानिक संस्था में उनकी नियुक्ति को कानून व्यवस्था, मानवाधिकार रक्षा और पुलिस सुधारों के दृष्टिकोण से एक बड़ा कदम माना जा रहा है। इस नियुक्ति को आनंद स्वरूप के समृद्ध अनुभव और बेदाग सेवा का सम्मान माना जा रहा है। केन्द्रीय प्रतिनियुक्ति पर वह वर्ष 2029 तक अपने रिटायरमेंट तक अथवा अग्रिम आदेशों तक रहेंगे।

आरोग्य मंदिरों में सीएचओ खिलाएंगे फाइलेरिया रोधी दवा

अमृत विचार, लखनऊ : आयुष्मान आरोग्य मंदिर (आम) के सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी (सीएचओ) अब अपने क्षेत्र के एक-एक योग्य व्यक्ति को फाइलेरिया रोधी दवा खिलाने का लक्ष्य रखेंगे और इंकार करने वाले हर व्यक्ति को स्थानीय प्रभावशाली व्यक्ति की मदद से समझा-बुझाकर दवा खिलाएंगे। यह निर्णय प्रदेश को वर्ष 2027 तक फाइलेरिया मुक्त बनाने के लिए शुक्रवार को सर्वजन दवा सेवन (एमडीए) अभियान में शामिल सभी 27 जिलों के 195 ब्लाक के सभी सीएचओ की वर्चुअल कार्यशाला में लिया गया और उनकी जिम्मेदारियां तय की गईं। बैठक की जानकारी देते हुए राज्य फाइलेरिया अधिकारी डॉ. ए.के. चौधरी ने बताया कि निर्देश दिए गए हैं कि 10 अगस्त से शुरू हो रहे अभियान से पहले अपने क्षेत्र में हुए पिछले एमडीए राउंड की स्थिति की समीक्षा कर लें।

रूस में 800 रुपये किलो बिक रहा यूपी का आम

अमृत विचार, लखनऊ : राज्य सरकार ने हाल ही में संपन्न आम महोत्सव में ऐसी ब्रांडिंग की कि उत्तर प्रदेश का आम रूस जैसे देशों में 800 रुपये प्रति किलो तक बिक रहा है। उद्यान एवं कृषि निर्यात राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह ने यह जानकारी साझा की। दिनेश प्रताप सिंह राज्य औद्यानिकी निर्यात प्रोत्साहन बोर्ड की पहली बैठक एवं निर्यात प्रोत्साहन कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। प्रदेश में औद्यानिक फसलों के निर्यात को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से शुक्रवार को लखनऊ स्थित उद्यान निदेशालय के ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम में इस मौके पर मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने कहा कि किसानों को उनकी उपज का बेहतर मूल्य और वैश्विक पहचान दिलाने के लिए राज्य सरकार ने उत्तर प्रदेश राज्य औद्यानिकी निर्यात प्रोत्साहन बोर्ड का गठन किया है।

खरीफ फसल बीमा की अवधि 14 तक बढ़ी

अमृत विचार, लखनऊ : किसानों के हित में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत खरीफ फसलों का बीमा कराने की अंतिम तारीख बढ़ा दी है। अब गैर-ऋणी किसान 14 अगस्त तक और ऋणी किसान (किसान क्रेडिट कार्ड/क्रॉप लोन) 30 अगस्त तक अपनी अधिसूचित फसलों (धान, ज्वार, बाजरा, मक्का, उर्द, मूंग, अरहर, मूंगफली, सोयाबीन और तिल) का बीमा करा सकते हैं। शासन ने कृषकों से अपील की है कि वे निर्धारित तिथि से पहले अपनी फसलों का बीमा कराकर इस योजना का लाभ उठाएं। साथ ही, उन्हें यह भी सलाह दी गई है कि नुकसान होने पर 72 घंटे के भीतर नजदीकी फसल बीमा केंद्र या हेल्प लाइन नंबर पर सूचित करें, ताकि बीमा का लाभ समय पर मिल सके।

बच्चों को ए फॉर अखिलेश, डी फॉर डिंपल पढ़ा रही पीडीए पाठशाला

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष ने की कड़ी निंदा, कहा- यह शिक्षा नहीं, समाजवादी ब्रेनवॉश की कोशिश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने सहारनपुर में समाजवादी पार्टी द्वारा शुरू की गई 'पीडीए पाठशाला' में बच्चों को 'ए फॉर अखिलेश यादव' और 'डी फॉर डिंपल यादव' जैसे पाठ पढ़ाए जाने की कड़ी निंदा की है। उन्होंने इसे बच्चों की कोमल मन में राजनीतिक विष घोलने की साजिश करार देते हुए कहा कि यह शिक्षा नहीं, समाजवादी ब्रेनवॉश है।

चौधरी ने शुक्रवार को स्पष्ट किया कि बच्चों की शिक्षा को राजनीति की प्रयोगशाला नहीं बनने दिया जाएगा और इस विकृत मानसिकता के खिलाफ हर मंच पर लड़ाई लड़ी जाएगी। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी जब सत्ता में थी, तब भी उसने बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया और आज भी कर रही है। पाठशाला में भी उनकी सोच परिवार से आगे नहीं बढ़ पाई। उन्हें सच में बच्चों के भविष्य की चिंता होती तो वो बच्चों को महापुरुषों के बारे में पढ़ाते।

अखिलेश यादव, राष्ट्रीय अध्यक्ष, सपा

भूपेंद्र सिंह चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष, भाजपा

चौधरी ने कहा कि सपा का मूल चरित्र ही झूठ बोलना और स्वांग रचकर लोगों को भ्रमित करने का है। उन्होंने कहा कि बच्चों की शिक्षा पवित्र है। इसे सपा जैसे दलों की ओछी राजनीति का शिकार नहीं बनने देंगे। हम उत्तर प्रदेश के हर बच्चे को गुणवत्तापूर्ण और निष्पक्ष शिक्षा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

एन फॉर न्यूज पढ़ाऊंगा : अखिलेश यादव

अमृत विचार : पीडीए की पाठशाला में बच्चों को ए फॉर अखिलेश, बी फॉर बाबा साहब, सी फॉर चौधरी चरणसिंह और डी फॉर डिंपल पढ़ाने का सहारनपुर के मल्हीपुर रोड नया गांव सिद्पुरा में सपा नेता फरहाद आलम का वीडियो इंटरनेट पर वायरल होने के बाद जहां भाजपा हमलावर है, वहीं सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मुस्कुराते हुए कहा कि मैं एन फॉर न्यूज पढ़ाऊंगा। इसके साथ ही भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि पाठशाला बंद क्यों हुई, भाजपा सरकार शिक्षा को क्यों छीन रही है। अखिलेश यादव ने कहा कि पीडीए पाठशाला आंदोलन की महाजीत है। भाजपा सरकार ने आठ साल में प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था को बर्बाद कर दिया है। साजिश के तहत पीडीए और गरीबों को शिक्षा से दूर करना चाहती है। पूरे प्रदेश में समाजवादियों द्वारा छात्रों को शिक्षा देने के लिए शुरू की गई पीडीए पाठशाला को मिल रहे भारी जनसमर्थन से भाजपा सरकार घबरा गई है। इसी के चलते लोगों पर फर्जी एफआईआर करा रही है। समाजवादी पार्टी इसे किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेगी।

विधानसभा में बांके बिहारी मंदिर समेत रखे जाएंगे कई अध्यादेश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: राज्य विधानसभा के मानसून सत्र को संपन्न कराने की तैयारी लगभग पूरी है। शीघ्र ही कार्य मंत्रणा समिति की बैठक कर कार्यसूची भी तैयार कर ली जाएगी। सत्र से पूर्व सर्वदलीय बैठक कराने की भी तैयारी है। सूत्रों के मुताबिक, इस सत्र में श्री बांके बिहारी जी मंदिर व्यास समेत कई अध्यादेश पटल पर रखे जाएंगे।

दरअसल, 11 से 16 अगस्त तक सत्र प्रस्तावित किया गया है। इसमें चार दिन संसदीय कार्य होंगे और दो दिन शुक्रवार व शनिवार को अवकाश रहेगा। विधानसभा के प्रमुख सचिव प्रदीप दुबे ने कार्यक्रम जारी कर दिया है। विधानमंडल मानसून सत्र के दौरान राज्य सरकार विधायी कार्य निपटाने के साथ अध्यादेश, अधिसूचनाएं, नियमावली आदि पटल पर रखेगी। विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने मानसून सत्र के कार्यक्रम को मंजूरी दे दी है। सत्र के दौरान उप्र. निरसन अध्यादेश, उप्र. राज्य लोक सेवा आयोग (प्रक्रिया का विनियमन) (संशोधन) अध्यादेश, उप्र. निजी विविद्यालय संशोधन अध्यादेश, उप्र. माल और सेवा कर संशोधन अध्यादेश और उप्र. निजी विश्विद्यालय द्वितीय संशोधन अध्यादेश को मंजूरी के लिए रखा जाएगा। 15 व 16 अगस्त को अवकाश रहेगा।

ड्यूटी से नदारद रहने वाले चार डॉक्टर बर्खास्त

उप मुख्यमंत्री के निर्देश पर प्रमुख सचिव ने जारी किया आदेश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: बिना सूचना लगातार ड्यूटी से गैरहाजिर चल रहे चार डॉक्टरों को उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक के निर्देश से बर्खास्त कर दिया गया है। प्रमुख सचिव पार्थ सारथी सेन शर्मा द्वारा जारी आदेश में स्वास्थ्य विभाग के तीन डॉक्टरों सहित कन्नौज मेडिकल कॉलेज में हड्डी रोग विभाग के सहायक आचार्य की सेवाएं समाप्त की गई हैं।

उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक बताया कि गैर हाजिर रहने वाले तीनों डॉक्टरों की छुट्टी हो गयी। वहीं, तीन अन्य डॉक्टरों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि बर्खास्त होने वाले डॉक्टरों में पीलीभीत जिला चिकित्सालय में तैनात बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. राजकुमार, शाहजहांपुर के जलालाबाद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में तैनात डॉ. विनय कुमार सैनी, अम्बेडकर नगर (स्थानान्तरणधीन उन्नाव) डॉ. शशि भूषण डोभाल लंबे समय से लगातार गैरहाजिर चल रहे थे। इसके अलावा कन्नौज राजकीय मेडिकल कॉलेज के सहायक आचार्य, आर्थोपेडिक्स विभाग के डॉ. अवनीश कुमार सिंह को भी ड्यूटी न करने के कारण सेवा मुक्त कर दिया गया है।

लापरवाही बरतने वाले डॉक्टरों के संबन्ध में उप मुख्यमंत्री ने बताया कि मैनपुरी के किशनी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र (सीएचसी) में तैनात दंतशल्यक डॉ. राखी सोनी बिना सक्षम स्तर से अवकाश स्वीकृत कराये ड्यूटी से अनुपस्थित हैं। प्रयागराज के उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ.आनन्द सिंह को एवं मथुरा के छाता सीएचसी में तैनात डॉ. अशोक कुमार द्वारा गम्भीर रूप से घायल रोगी के इलाज में लापरवाही बरतने के आरोप लगे थे, तीनों डॉक्टरों की जांच कराई गई। प्राथमिक जांच में इन डॉक्टर को दोषी पाया गया है। इन्हें आरोप-पत्र देकर उनके विरुद्ध विभागीय कार्रवाई किये जाने के निर्देश प्रमुख सचिव को दिये गये हैं। इसके अलावा राजकीय मेडिकल कॉलेज के हड्डी रोग विभाग के आचार्य एवं विभागाध्यक्ष डॉ. डीसी श्रीवास्तव से ओपीडी में सेवाएं न देने संबन्धी शिकायतों का स्पष्टीकरण तलब किया गया है।

लगेगी एक्सरे मशीन

उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने बताया कि मेरठ के किठौर स्थित 50 बेड संयुक्त चिकित्सालय व आजमगढ़ स्थित लालगंज के 100 बेड हॉस्पिटल में मरीजों की सुविधाओं के लिए एक्सरे मशीन लगाने का फैसला किया गया है। साथ ही बताया कि दोनों जिलों में स्थित उक्त अस्पतालों के लिए 27-27 लाख रुपये दिए गए हैं।

मुख्यमंत्री सचिवालय में भी होगा फेरबदल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- कई अपर मुख्य सचिव और प्रमुख सचिव स्तर के अधिकारियों के दायित्वों में होगा बदलाव

अमृत विचार: एसपी गोयल के मुख्य सचिव का पदभार संभाल लेने के बाद अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री का पद रिक्त है। हालांकि गोयल के पास रहे कई विभाग जहां प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री संजय प्रसाद के जिम्मे आ गए हैं। वहीं, अब सीएम सेक्रेटेरिएट में भी कुछ वरिष्ठ अफसर तैनात हो सकते हैं। यानी शासन स्तर पर बदलाव की संभावना है।

सीएम सेक्रेटेरिएट में संजय प्रसाद अब सबसे वरिष्ठ प्रमुख सचिव और प्रभारी हैं। उनकी जिम्मेदारियों में प्रमुख सचिव राज्य संपत्ति और नागरिक उड्डयन भी जुड़ गया है। उनके पास प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री, गृह, गोपन व सूचना विभाग का प्रभार पहले से है।

मुख्यमंत्री को उम्मीद है कि बतौर मुख्य सचिव एसपी गोयल उप्र. की भावी योजनाओं को और मजबूत आधार देंगे। गोयल ने शुक्रवार को यूपीडा की मैराथन बैठक कर इसकी शुरुआत भी कर दी। इस बैठक में प्रमुख सचिव औद्योगिक विकास आलोक कुमार द्वितीय और प्रमुख सचिव नियोजन आलोक कुमार तृतीय के साथ एलडीए वीसी प्रथमेश कुमार भी शामिल हुए।

इसी के साथ मुख्यमंत्री को आगामी चुनौतियों के मद्देनजर अपने सचिवालय में अनुभवी होने के साथ-साथ विश्वासपात्र और ऊर्जावान अधिकारियों की भी तैनाती करनी है। राज्य में अगले वर्ष न केवल पंचायत चुनाव होंगे, बल्कि 2027 के मार्च-अप्रैल में विधानसभा चुनाव भी होने हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि इससे पहले विकास योजनाओं को तेजी से जमीन पर उतारना है।

राजभवन में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल से मुलाकात करते नवनियुक्त मुख्य सचिव एसपी गोयल।

राज्यपाल से मिले एसपी गोयल

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव का पदभार संभालने के बाद आईएएस अधिकारी एसपी गोयल ने शुक्रवार को राज्यपाल आनंदी बेन पटेल से मुलाकात की। इसे एक शिष्टाचार भेंट बताया जा रहा है। इससे पहले गुरुवार को मुख्य सचिव का पदभार संभालने के बाद गोयल ने देर शाम मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के भी सरकारी आवास पर जाकर उनसे शिष्टाचार भेंट की थी।

होम्योपैथिक विभाग में कार्यवाहक निदेशक बने डॉ.प्रमोद कुमार सिंह

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में होम्योपैथिक विभाग में बीते 15 दिनों से रिक्त चल रहे निदेशक पद पर डॉ.प्रमोद कुमार सिंह कार्यवाहक निदेशक बनाए गए हैं। डॉ.प्रमोद, राजकीय होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज, मुरादाबाद के प्रधानाचार्य हैं। आयुष विभाग के विशेष सचिव हरिकेश चौरसिया द्वारा शुक्रवार को जारी आदेश जारी कर दिया गया है। वहीं निवर्तमान निदेशक एवं निलंबित डॉ.अरविंद कुमार वर्मा का कहना है कि उन्हें उच्च न्यायालय द्वारा स्थगन आदेश मिल गया है।

आगरा व फिरोजाबाद का होगा पर्यटन विकास

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 28 परियोजनाएं स्वीकृत, खर्च होंगे 359.85 करोड़ रुपये

अमृत विचार : विभिन्न जिलों के लिए पर्यटन विकास संबंधी 28 परियोजनाएं स्वीकृत की गई हैं। लगभग 359 करोड़ 85 लाख रुपये लागत से निर्मित होने वाली इन परियोजनाओं के लिए संबंधित जिलों में टेक्निकल टीम भेजी जाएगी। यह टीम भूमि का चयन, डीपीआर तैयार करने, स्थलीय निरीक्षण, मिट्टी की जांच आदि करेगी।

यह जानकारी पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि आगरा ज़िले में एतोरा स्थित कैला माता मंदिर के लिए एक करोड़ रुपये, अकोला में शीतला कुंड धाम मंदिर के लिए एक करोड़ रुपये, फतेहाबाद के सती माता मंदिर हेतु एक करोड़ रुपये तथा शाहगंज में पृथ्वीनाथ महादेव मंदिर के लिए दो करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। इसके अतिरिक्त, खेरागढ़ स्थित बाबा दीनदयाल धाम, मऊ के प्राचीन नाथ संप्रदाय मंदिरों के लिए एक करोड़ रुपये, आगरा कैंट स्थित पुराने पर्यटन कार्यालय भवन के जीर्णोद्धार हेतु 1.5 करोड़ रुपये तथा आगरा उत्तर में गुरु का ताल गुरुद्वारा के विकास के लिए दो करोड़ रुपये की धनराशि दान की गई है। पर्यटन मंत्री ने आगे बताया कि फिरोजाबाद टुंडला स्थित गोगा जी काली मंदिर के लिए एक करोड़ रुपये, फिरोजाबाद नगर में 'पसीने वाले हनुमान जी मंदिर' हेतु एक करोड़ रुपये तथा शिकोहाबाद में ब्रह्मदेव, शिवजी और बजरंगबली मंदिरों के संपूर्ण विकास के लिए दो करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। इसके अलावा, शिकोहाबाद के आवगंगा मंदिर के सौंदर्यीकरण हेतु 50 लाख रुपये, टुंडला के नारखी शिव मंदिर के लिए एक करोड़ रुपये की परियोजनाएं चलाई जा रही हैं।

बहराइच में उपभोक्ता की शिकायत पर भ्रष्ट लाइनमैन बर्खास्त

अमृत विचार, लखनऊ : ऊर्जा मंत्री एके शर्मा इन दिनों आमजन की शिकायत पर निरंतर लापरवाह और भ्रष्ट विद्युत कर्मियों पर कार्रवाई कर रहे हैं। इसी क्रम में शुक्रवार को ऊर्जा मंत्री ने बहराइच में उपभोक्ता की शिकायत पर भ्रष्ट लाइनमैन को मौके पर ही बर्खास्त कर दिया। दरअसल, शुक्रवार को निरीक्षण के दौरान जब ऊर्जा मंत्री यहां नियंत्रण कक्ष में मौजूद थे, उसी समय बहराइच जिले के रणजीतपुर सब स्टेशन के अंतर्गत गंडेरियन पुरवा गांव से एक उपभोक्ता का महिला कर्मी ने टोल फ्री के अंतर्गत कॉल रिसीव किया गया। उसने बताया कि उनके यहां का बिजली कनेक्शन एक लाइनमैन ने काट दिया है और दो हजार रुपये की मांग कर रहा है। इस पर मंत्री ने तुरंत पूछताछ की और स्पष्ट निर्देश दिए कि ऐसी घटनाएं बर्दाश्त नहीं की जाएंगी। संबंधित लाइनमैन नेपाली को तत्काल प्रभाव से सेवा से बर्खास्त कर दिया गया।

आरोपी बैंक प्रबंधक ओडिशा से गिरफ्तार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : आर्थिक अपराध अनुसंधान संगठन (ईओडब्ल्यू) की टीम ने किसानों की लाभकारी योजनाओं के ढाई करोड़ हड़पने वाले बैंक मैनेजर को गिरफ्तार किया है। आरोपी को टीम ने ओडिशा के भुवनेश्वर से गिरफ्तार किया। उसने बांदा जिले में तैनाती के दौरान फर्जी खाते खोलकर सरकारी धन की हेराफेरी की थी। आरोपी संदीप को 2018 में नौकरी से बर्खास्त कर दिया गया है।

ईओडब्ल्यू के अधिकारी के मुताबिक, बांदा में इलाहाबाद बैंक के जसपुरा शाखा प्रबंधक संदीप कुमार नायक 2015-17 में तैनात था। संदीप ने अन्य शाखा के अधिकारियों और कर्मचारियों से मिली भगत कर किसानों को मिलने वाली सरकारी योजनाओं के धन में हेराफेरी की। इस मामले में आठ आरोपियों को दोषी पाया गया। डीजी ईओडब्ल्यू नीरा रावत द्वारा चलाये जा रहे आपरेशन शिकंजा के तहत गुरुवार को आरोपी संदीप कुमार ओडिशा के भुवनेश्वर से गिरफ्तार किया। इस मामले में सात आरोपी गिरफ्तार हो चुके हैं। एक फरार चल रहा है। उसकी तलाश में टीम दबिश दे रही है।

वाराणसी के काशी विश्वनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना करते मुख्यमंत्री योगी।

अयोध्या में अग्निवीर भर्ती रैली 5 से

अमृत विचार, लखनऊ : सेना भर्ती कार्यालय (एआरओ) अमेठी के अंतर्गत 13 जिलों की अग्निवीर सेना भर्ती रैली 5 से 18 अगस्त तक अयोध्या कैंट स्थित डोगरा रेजिमेंटल ग्राउंड पर कराई जाएगी। यह उप्र. में 2025 के लिए रैली की पहली शृंखला होगी। रैली में 30 जून से 10 जुलाई तक आयोजित ऑनलाइन कॉमन एंट्रेंस एग्जाम (सीईई) उत्तीर्ण करने वाले अभ्यर्थी भाग लेंगे। अमेठी अंतर्गत 13 जिलों में अमेठी, कौशाम्बी, रायबरेली, प्रतापगढ़, अयोध्या, सिद्धार्थ नगर, प्रयागराज, सुल्तानपुर, बस्ती, अंबेडकर नगर, महाराजगंज, संत कबीर नगर और कुशीनगर के अभ्यर्थी भाग लेंगे। सीईई के परिणाम के आधार पर इस रैली के लिए लगभग 11 हजार अभ्यर्थियों को चुना गया है।

फिर भेजा निदेशक वित्त का कार्यकाल बढ़ाने का प्रस्ताव

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- पिछले दिनों शासन ने कार्यकाल बढ़ाने से कर दिया था इंकार
- बिजली कर्मियों ने किया सख्त विरोध, मुख्य सचिव से अपील

अमृत विचार: पावर कॉरपोरेशन के अध्यक्ष डॉ. आशीष गोयल ने शासन को एक पत्र भेज कर निदेशक वित्त निधि नारंग का कार्यकाल छह माह और बढ़ाए जाने का प्रस्ताव रखा है। इस प्रस्ताव पर नाराजगी प्रकट करते हुए विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति, उप्र. ने मुख्य सचिव शशि प्रकाश गोयल से अपील की है कि वह कारपोरेशन अध्यक्ष द्वारा निदेशक वित्त निधि नारंग का कार्यकाल बढ़ाए जाने के प्रस्ताव को मंजूरी न दें और निजीकरण भी रोकें।

संघर्ष समिति ने निधि नारंग को सेवा विस्तार देने का पत्र भेजने के मामले में डॉ. आशीष गोयल पर गंभीर आरोप लगाया है। संघर्ष समिति ने कहा कि ऐसा लगता है कि पॉवर कारपोरेशन का अध्यक्ष रहते हुए डॉ. आशीष गोयल ऑल इंडिया डिस्कॉम एसोशिएशन के महामंत्री के रूप में काम कर रहे हैं और निजी घरानों का हित देख रहे हैं। मालूम हो कि 30 जुलाई को उत्तर प्रदेश शासन द्वारा निधि नारंग के कार्यकाल को बढ़ाए जाने के पॉवर कारपोरेशन के अध्यक्ष डॉ. आशीष गोयल के 14 जुलाई के प्रस्ताव को अस्वीकृत कर दिया गया है। ताजा प्रस्ताव में लिखा है कि पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम एवं दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम के निजीकरण की प्रक्रिया अभी अधूरी है और निधि नारंग निजीकरण के लिए बनाई गई टेंडर मूल्यांकन समिति के अध्यक्ष हैं। अतः उनका कार्यकाल 6 महीने के लिए और बढ़ा दिया जाए।

कनेक्शन की दरों में 50 प्रतिशत बढ़ोतरी तय

अमृत विचार : राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष ने दावा किया है कि नई तैयार हो रही कॉस्ट डाटा बुक में 50 प्रतिशत तक कनेक्शन की दरों में बढ़ोतरी होना तय है। इसको लेकर शुक्रवार को विद्युत नियामक आयोग में एक गुपचुप बैठक बुलाई गई थी। बैठक में पावर कारपोरेशन के अध्यक्ष सहित निदेशक वित्त भी पहुंचे। इस बैठक में मंथन किया गया कि निजीकरण के मसौदे में जो कमियां आयोग द्वारा निकाली गई हैं, उसे कैसे दूर किया जाए ताकि विद्युत नियामक आयोग उसे मान ले।

खबर का असर

केंद्रीय सूचना आयुक्त ने 30 दिन में पूरी जानकारी देने का दिया आदेश

बीबीएयू के लिए गले की फांस बना पंकज अरोड़ा का शोध

शबाहत हुसैन विजेता, लखनऊ

- 98 लाख रुपये खर्च कर हुई रिसर्च कहां गई, विश्वविद्यालय प्रशासन भी अनभिज्ञ
- शोध के नाम पर हुई वित्तीय अनियमितता को 'अमृत विचार' ने किया था उजागर

अमृत विचार: बाबा साहब भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय (बीबीएयू) के सहायक प्रोफ़ेसर डॉ. पंकज अरोड़ा को मिली शोध की जिम्मेदारी अब गले की फांस बनती जा रही है। विश्वविद्यालय छोड़कर गए डॉ. पंकज जब बरेली के रुहेलखंड विश्वविद्यालय में एसोसिएट प्रोफ़ेसर बने तो यहां के जिम्मेदारों ने सोचा था कि शोध के नाम पर हुई वित्तीय अनियमितता की आंच से साफ बच जाएंगे। लेकिन, जिम्मेदार अब कठघरे में खड़े दिख रहे हैं। केन्द्रीय सूचना आयुक्त आनंदी रामलिंगम ने बीबीएयू के इनवायरमेंटल माइक्रोबायोलाजी विभाग के केन्द्रीय सूचना अधिकारी प्रो. राजेश कुमार को आदेशित किया है कि 30 दिन के भीतर इस शोध से जुड़ी हर जानकारी उपलब्ध कराएं।

उक्त आदेश में साफ-साफ लिखा है कि मांगी गई सूचना के मामले में वह यह कहकर बच नहीं सकते कि उनके पास कोई रिकार्ड नहीं है। उल्लेखनीय है कि समलिंगी स्वामी फेलोशिप 2016-17 के तहत विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने बाबा साहब भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय में तत्कालीन सहायक प्रोफ़ेसर डॉ. पंकज अरोड़ा को डेवलपमेंट ऑफ़ सम बायोरेमिडिशन टेक्नालाजीज फॉर बायोरेमीडिशन ऑफ़ हैवी मेटल्स एंड स्टडीज ऑफ़ वैक्टीरियल डायवर्सिटी फॉर इंडस्ट्रियल एप्लीकेशन के लिए 88 लाख रुपये की वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई थी। यह धन किस्तों में मिला था और विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार के माध्यम से उपलब्ध कराया गया था। शोध के लिए जरूरी उपकरण खरीदने के लिए भी 10 लाख रुपये दिए गए थे। शोध पांच वर्ष में पूरा किया जाना था। लेकिन शोध की समय सीमा समाप्त होते ही डॉ. पंकज अरोड़ा ने दो साल का असाधारण अवकाश लिया और शोध पत्र जमा किये बगैर रुहेलखंड विश्वविद्यालय बरेली में एसोसिएट प्रोफ़ेसर के अस्थायी पद पर ज्वाइन करने के लिए चले गए। विश्वविद्यालय के जिम्मेदार प्रतीक्षा करते रहे कि दो साल बाद वह वापस लौटेंगे तब उनसे शोध के कागजात तलब करेंगे। लेकिन बरेली में उनकी नौकरी स्थायी हो गई और उन्होंने वापस लौटने से इनकार कर दिया।

अमृत विचार में प्रकाशित खबर।

30 दिन के भीतर देना होगा हर हाल में जवाब

'अमृत विचार' ने 2 जून से 5 जून तक शोध के नाम पर हुए 98 लाख रुपये के अनियमितता की खबर प्रकाशित की तो विश्वविद्यालय की प्रवक्ता ने कहा कि इस मामले से विश्वविद्यालय का कोई लेना देना नहीं। अब केन्द्रीय सूचना आयोग ने विश्वविद्यालय को स्पष्ट कर दिया है कि 30 दिन के भीतर जवाब तो देना ही होगा। केन्द्रीय सूचना आयोग ने शोध के मामले में अकेले डॉ. पंकज को जिम्मेदार ठहरा देने और इस शोध के संबंध में मांगी गई हर जानकारी के जवाब में विश्वविद्यालय की ओर से रिकार्ड में जानकारी नहीं है कहने से काम नहीं चलेगा। आदेश में कहा गया है कि उन्हें 30 दिन में हर हाल में जवाब देना होगा।

जारी रहेगा स्कूल बचाओ आंदोलन : संजय

अमृत विचार, लखनऊ : आम आदमी पार्टी (आप) सांसद संजय सिंह ने कहा कि प्रदेश में सरकारी स्कूलों को बंद करने के फैसले पर योगी सरकार को कुछ हद तक पीछे हटना पड़ा है। यदि एक भी स्कूल बंद होगा, आंदोलन जारी रहेगा। सांसद शुक्रवार को गोमतीनगर स्थित पार्टी कार्यालय में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि स्कूलों को बचाने के लिए शनिवार, 2 अगस्त को लखनऊ के इको गार्डन में आंदोलन किया जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

महिला को सांप ने डसा, भर्ती

राजपुर। सट्टी थाना क्षेत्र के दिवैर की मड़ैया गांव के रहने वाले जाहर सिंह ने बताया कि उसकी पत्नी रामवती शुक्रवार को गांव के बाहर जंगल में भैंस चराने के लिए गई थी। तभी वहां छिपे सांप ने डस लिया। शोर मचाने पर आपपास के चरवाहे दौड़कर आए। तब तक सांप झाड़ियों में छुप गया। पूर्व प्रधान विनोद सिंह अपने निजी वाहन से महिला को पुखरायां सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए। जहां डॉ. राजवीर सिंह ने रामवती का प्राथमिक उपचार करके मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया।

ट्रेन से गिरकर गोण्डा के युवक की मौत

कानपुर देहात। रूरा थाना क्षेत्र के अंबियापुर रेलवे स्टेशन के पास ट्रेन से गिरकर युवक की मौत हो गई। अप लाइन पर खंबा नंबर 1070/19 पर शुक्रवार को मरुधर एक्सप्रेस से गिरकर करीब 35 वर्षीय युवक रजनीश कुमार निवासी मछलीबाज़ार जनपद गोण्डा की मौत हो गई। मृतक दिल्ली में प्राइवेट नौकरी करता था और मरुधर ट्रेन से दिल्ली जा रहा था। जीआरपी दरोगा अर्पित तिवारी ने बताया कि मृतक की जेब में मिले आधार कार्ड से शिनाख्त हुई है। मृतक के परिजनों को सूचित कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

पीट कर आंख फोड़ने का आरोपी गिरफ्तार

कानपुर देहात। जालौन जिले के कुठौंद थाना क्षेत्र के कुरौली गांव का निवासी शिवा बीती 18 मई को अपने चचेरे भाई की बारात में रूरा थाना क्षेत्र के भटौली स्थित एक गेस्ट हाउस में आया हुआ था। यहां किसी बात को लेकर उसका झगड़ा जनातियों से हो गया था। तभी वहीं के शानू उर्फ हर्षित, प्रवाल सिंह, चंदन सिंह, छुना, टिंकल व रोहित पर मारपीट कर आंख फोड़ने का आरोप लगाकर शिवा ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। शुक्रवार को रूरा पुलिस ने मंडी तिराहा से आरोपी चंदन सिंह निवासी किशुनपुर को गिरफ्तार कर लिया। थानाध्यक्ष अमित शुक्ला ने बताया कि बाकी आरोपियों की तलाश में पुलिस टीमें लगी हुई हैं। शीघ्र ही सभी की गिरफ्तारी की जाएगी।

यमुना का जलस्तर खतरे का निशान पार, दस गांवों में बाढ़

संवाददाता, राजपुर

अमृत विचार। बेहमई में यमुना नदी का जलस्तर खतरे के निशान को पार कर गया है। जिससे क्षेत्र के करीब दस गांव बाढ़ से घिर गए और जनजीवन प्रभावित हो गया है। गुरुवार को जिन गांवों की सरहदों तक पानी भरा था। वहां 24 घंटे में नदी का जलस्तर बढ़ने से स्थिति और बिगड़ गई है और लोगों का नाव से आवागमन हो रहा है। बाढ़ का रुख भांपकर ग्रामीण ऊंचे स्थानों पर पलायन कर रहे हैं।

सिर पर सामान लेकर जाता युवक।

यमुना नदी में उफान आने से शुक्रवार को जलस्तर खतरे के निशान 115 मीटर से बढ़कर 116.24 मीटर पर पहुंच गया। जिससे यमुना पट्टी में खड़ी फसलें पूरी तरह से डूब गई हैं और किसानों को भारी नुकसान हुआ है। बाढ़ का पानी कई गांवों के किनारों तक पहुंच चुका है। जिससे ग्रामीणों में चिंता बढ़ गई है। यमुना का पानी खतरे के निशान के ऊपर पहुंचने से सिकंदरा तहसील के जैसलपुर, महदेवा, बैजामऊ बांगर, गौहानी बांगर, बछाटी, बेहमई, गौरीरतन बांगर, कछार, भुपैय्यापुर समेत नदी किनारे बसे करीब 10 गांव बाढ़ की चपेट में है। महदेवा, बैजामऊ बांगर व गौहानी बांगर में करीब 200 घर पानी से घिरे हैं। पुलिया डूबने से मुख्य रास्तों से आवागमन बंद हो गया है। लगातार पानी बढ़ने से ग्रामीण दहशत में है। नाव के जरिये आवागमन कर ग्रामीण मवेशियों के साथ घर के सामान को ऊंचे स्थानों पर पहुंचाने में जुटे हैं। इधर महदेवा गांव में 250 किसानों की करीब 500 बीघा मक्का, बाजरा, कुम्हेड़ा, कददू आदि की फसलें पूरी तरह यमुना के पानी में डूब गई हैं। पशुबाड़े, भूसा व कृषि यंत्र भी जलमग्न हो गए हैं। पानी में डूबे घरों से गृहस्थी का समान निकालने में ग्रामीण जुटे हैं। सिकंदरा एसडीएम शालिनी उत्तम ने बताया कि बाढ़ चौकियों में राजस्व टीमों द्वारा लगातार निगरानी कराई जा रही है।

तीन गांव सबसे ज्यादा प्रभावित

- यमुना का जलस्तर बढ़ने से नदी के तटवर्ती गांवों में बाढ़ के हालात हो गए हैं। सबसे ज्यादा परेशानी जैसलपुर महदेवा व बैजामऊ बांगर गांव में है। यह तीनों गांव टापू बन गए हैं। किसानों की करीब 200 बीघा से अधिक फसल जलमग्न हो गई है। गांव के कई हैंडपंप भी डूब गए। इससे पीने के पानी की समस्या भी हो गई है। किसान राजू बाबा, कुलदीप, ब्रजेंद्र सिंह, महेश सिंह, ओमकार, राजेश बाबू श्याम, बाबू, मुनीम आदि ने बताया कि फसल डूबने से मवेशियों के चारे के लिए परेशानी है। घरों तक पानी पहुंचने लगा है। वहीं रास्तों पर पानी भरने से लोगों ने बच्चों को स्कूल भेजना बंद कर दिया है।

राज्यमंत्री ने बाढ़ पीड़ितों को बांटी राहत सामग्री

गौहानी बांगर में राहत सामग्री बांटते राज्यमंत्री अजीत सिंह।

- सिकंदरा तहसील क्षेत्र के बाढ़ प्रभावित गौहानी बांगर में पहुंचे राज्यमंत्री अजीत सिंह पाल ने बाढ़ पीड़ित परिवारों को राशन किट का वितरण किया। एसडीएम शालिनी उत्तम ने राज्यमंत्री को बाढ़ राहत अभियान की प्रगति बताते हुए अवगत कराया कि बाढ़ग्रस्त घरों को लेखपाल के माध्यम से चिंहित कराकर आवश्यक खाद्य सामग्री एवं शासन स्तर पर उपलब्ध किट का वितरण भी किया जा रहा है। इस दौरान तहसीलदार राकेश चंद्रा, डिप्टी सीएमओ डॉ. डीके सिंह आदि मौजूद रहे।

आवागमन के लिए नहीं चला रहे नाव

- यमुना किनारे महदेवा गांव की पुलिया डूबने व आसपास के गांवों का आपस में संपर्क टूटने से आवाजाही में ग्रामीणों को परेशानी हो रही है। प्रशासन ने नावों का प्रबंध नहीं कराया है। गांव के लोग निजी नावों के जरिये आवागमन कर रहे हैं।

डूब रहे तीन बच्चों को बचाने में थम गईं लक्ष्मी की सांसें

शव पहुंचने पर मचा कोहराम, शिक्षकों ने नम आंख से दी श्रद्धांजलि

संवाददाता, राजपुर

अमृत विचार। थाना क्षेत्र के खरतला गांव में पड़ोस के तीन बच्चों को डूबता देख गांव की होनहार बेटी ने पानी भरे गड्ढे में छलांग लगा दी और उनकी जान बचा ली, लेकिन इसकी कीमत उसे अपनी जान देकर चुकानी पड़ी। पोस्टमार्टम के बाद शव घर पहुंचने पर कोहराम मच गया।

लक्ष्मी।

खरतला निवासी किसान मंशाराम की 11 वर्षीय बेटी लक्ष्मी गांव के उच्च प्राथमिक विद्यालय में कक्षा 6 की छात्रा थी। गुरुवार को गांव किनारे खेतों की ओर वह बकरियां चराने गई थी। पास में ही गड्ढे में भरे बारिश के पानी में नहा रही पड़ोस के अरविंद की बेटी शालिनी, हरिश्चंद्र की बेटी जांहवी व परमानंद का बेटा प्रांशू डूबने लगे। बच्चों के शोर मचाने पर लक्ष्मी ने पानी भरे गड्ढे में छलांग लगा दी और उन्हें बाहर निकाला। इस दौरान गहरे गड्ढे में पैर जाने से लक्ष्मी की मौत हो गई। लोगों ने उसे पानी से निकाला, लेकिन तब तक उसकी मौत हो गई थी। इधर शुक्रवार को पोस्टमार्टम के बाद लक्ष्मी का शव गांव पहुंचने पर परिजन बिलखते रहे। ग्रामीणों ने बताया कि गांव के समीप खरका में दो बालू घाट संचालित हैं। बालू संचालकों ने अस्थायी रूप से खरतला गांव किनारे से कच्चा रास्ता बना रखा है और ओवरलोड ट्रक निकलते हैं। जिससे बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं और उनमें पानी भरा था। इसी में बच्चे नहा रहे थे। तभी हादसा हो गया। छात्रा की मौत पर शुक्रवार को स्कूल में शोकसभा का आयोजन किया गया। इंचार्ज प्रधानाध्यापक कन्हैयालाल, शिक्षकों व बच्चों ने नम आंख से लक्ष्मी को श्रद्धांजलि दी। प्रधानाध्यापक ने बताया बेटी के बलिदान के लिए सरकार से मिलने वाले बाल वीरता पुरस्कार के लिए बीएसए को पत्र भेजा गया है।

रोडवेज की टक्कर से बाइक सवार की मौत

प्रदीप।

- **शिवली।** रसूलाबाद मार्ग पर खाद-दवा लेकर लौट रहे बाइक सवार को औरंगाबाद गांव के सामने रोडवेज बस ने टक्कर मार दी। उपचार के लिए कानपुर ले जाते समय रास्ते में उसकी मौत हो गई। वहीं बाइक में पीछे बैठे साझीदार को मामूली चोटे आई है। बाइक चालक की मौत की खबर लगते ही परिजनों के बीच चीख-पुकार मच गई। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है। शिवली कोतवाली क्षेत्र के औरंगाबाद (बगुलाही) गांव निवासी सेवानिवृत्त शिक्षक कन्हैया लाल यादव का पुत्र प्रदीप कुमार यादव (45) अपने बटाईदार जगदीश निवासी खनखरी मजरा औरंगाबाद के साथ बाइक से गहरा स्टाप से खाद एवं दवा लेने गए था। वहां से खाद-दवा लेकर वापस घर लौट रहा था। तभी शिवली-रसूलाबाद मार्ग पर शिवली की तरफ से आ रही तेज रफ्तार रोडवेज बस ने बाइक सवारों को जोरदार टक्कर मार दी। जिससे दोनों घायल हो गए। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने उन्हें सीएचसी शिवली भेजा। जहां मामूली रूप से घायल जगदीश को प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया गया। जबकि प्रदीप की हालत गंभीर होने के चलते परिजन कानपुर लेकर जा रहे थे, लेकिन उसने रास्ते में ही दम तोड़ दिया।

अमृत विचार
एक सम्पूर्ण अखबार

WE ARE HIRING

NEWSPRINT STORE ASSISTANT

Amrit Vichar, a leading media house known for its comprehensive coverage and dynamic team culture, is seeking a committed Newsprint Store Assistant to oversee stock and logistics operations.

Responsibilities

- Handling loading/unloading of newsprint reels.
- Maintaining proper stock register & usage logs.
- Coordinating with press & vendors.

APPLY NOW

Experience in newsprint store or warehouse handling preferred.

Lucknow | 9220796663 | hr@amritvichar.com

Apply within 10 days

Key Responsibilities

- Inventory management and procurement
- Logistics and distribution
- Supplier relationship management
- Stock audits and compliance

Requirements-

- Bachelor's degree in Supply Chain Management or related field
- 3-5 years of experience in newspaper industry
- Strong negotiation and communication skills
- Good written and verbal communication in English & Hindi
- Proficiency in MS Office and Inventory Management software
- Own and operate a self-driven two-wheeler with a valid driving license

What We Offer-

- Competitive salary package
- Opportunities for growth and development
- Dynamic work environment

ADVERTISEMENT

बारिश आते ही बढ़ जाता है बीमारियों का खतरा, परीक्षण है बहुत जरूरी

डॉ. उमेश पालीवाल
प्रबन्ध निदेशक
पालीवाल डायग्नोस्टिक्स प्रा.लि.

बारिश का मौसम कई तरह के संक्रमणों का खतरा बढ़ा देता है। जलभराव कीटाणुओं के लिए पैदा होने की जगह बन जाता है, जिससे गैस्ट्रोएंटेराइटिस, डेंगू-मलेरिया, हैजा और टायफॉइड व अन्य घातक बीमारियां हो सकती हैं। कुछ छोटे-छोटे ब्लड टेस्ट आपको इन बीमारियों से आगाह कर देते हैं।

बारिश आते ही हमें गर्मी से राहत तो मिलती है, लेकिन साथ ही कई तरह के इंफेक्शन का खतरा भी बढ़ जाता है। पानी जमा होने से और जगह-जगह गंदगी फैलने से कीटाणु और बैक्टीरिया को पनपने का मौका मिलता है, जिससे हम कई बीमारियों की चपेट में आ सकते हैं। बड़े हों या बच्चे, बरसात के मौसम में सर्दी, जुकाम, बुखार होना आम बात है। ऐसे में इस मौसम में बाहर खेलते समय बच्चों को इन्फेक्शन जल्दी हो जाता है। साथ ही, बड़े भी नहीं रहते सीजनल बीमारियों से अछूते।

रेस्पिरेटरी इंफेक्शन : बारिश होते ही तापमान में अचानक परिवर्तन के कारण रेस्पिरेटरी इंफेक्शन का खतरा बढ़ जाता है। इसका असर सीधा हमारी इम्युनिटी पर पड़ता है। भारी बारिश के कारण वायु प्रदूषण में इजाफा होता है, जो बच्चों व बूढ़ों के लिए काफी हानिकारक माना जाता है। इस प्रदूषित हवा में सांस लेने से उनको खांसी, गले में खराश, छींक, घरघराहट और सर्दी जैसी कई समस्याएं हो सकती है।

पेट से जुड़ी समस्याएं : बरसात के मौसम में बाहर के खाने से हमेशा बचना चाहिए। इससे पेट से जुड़ा इंफेक्शन होने का रिस्क बढ़ जाता है। खुली जगह में बनने वाले खाने-पीने की चीज कई तरह के कीटाणुओं के संपर्क में आ सकती हैं, जिससे डायरिया, उल्टी, पेट में दर्द, पेट का फूलना आदि समस्याएं हो सकती हैं। इस मौसम में फूड पॉयजनिंग होने की भी आशंका अधिक रहती है।

डेंगू और मलेरिया: डेंगू और मलेरिया जैसी खतरनाक बीमारियां भी इस मौसम में तेजी से फैलती है। केवल बच्चे ही नहीं बल्कि बड़े भी इसकी चपेट में आ जाते हैं। डेंगू या मलेरिया होने पर बच्चों में कुछ विशेष लक्षण दिखने लगते हैं जैसे बुखार, जरूरत से ज्यादा पसीना आना, ठंड लगना, थकान, आंखों में समस्या, स्किन इरिटेशन या रैशेज।

निमोनिया : निमोनिया वाले बैक्टीरिया और वायरस हवा में मौजूद होते हैं। सांस लेने के दौरान यह शरीर में प्रवेश करते हैं और हमें संक्रमित कर देते हैं। चूंकि यह फेफड़ों का संक्रमण है, इसलिए इसमें खांसी, सांस लेने में तकलीफ और बुखार जैसे लक्षण देखने को मिलते हैं।

गैस्ट्रोएन्टेराइटिस : बरसात में सबसे आम बीमारी है गैस्ट्रोएन्टेराइटिस। यह बीमारी दूषित खाने या पानी से फैलती है। इसके लक्षणों में दस्त, पेट में दर्द, जी मिचलाना और उल्टी शामिल हैं। अचानक दस्त शुरू होना, अक्सर पानी जैसा और बुखार के साथ आना, आंत के संक्रमण का साफ संकेत है। अगर समय पर इलाज न किया जाए तो यह बीमारी शरीर में पानी की कमी, इलेक्ट्रोलाइट असंतुलन और गंभीर मामलों में किडनी फेल होने का कारण बन सकती है।

हैजा : मानसून के दौरान खराब सफाई और दूषित पीने के पानी के कारण भारत के कई हिस्सों में हैजा फैलता है। हैजा के कारण अचानक पानी जैसा दस्त, उल्टी व गंभीर डिहाइड्रेशन हो जाता है। धंसी हुई आंखें, मुंह सूखना और पेशाब का कम आना हैजा के चेतावनी संकेत हैं। मुश्किलें तेजी से बढ़ सकती हैं, जिससे शॉक, इलेक्ट्रोलाइट असंतुलन और गंभीर मामलों में अगर इलाज न किया जाए तो घंटों के भीतर मौत हो सकती है।

कुछ अन्य रोग :

स्किन इन्फेक्शन: नमी और गंदगी के कारण फंगल इन्फेक्शन होना आम बात है। खासकर बगल, कमर और पैरों की उंगलियों में खुजली और जलन होना।

टाइफाइड : लंबे समय तक तेज बुखार, सिरदर्द, पेट दर्द और कमजोरी शामिल हैं।

इन्फ्लुएंजा : ठंड लगना, नाक बंद होना और सिरदर्द शामिल हैं।

लेप्टोस्पायरोसिस : ठंड लगना, उल्टी और कंजंक्टिवल सफ्यूजन (आंखें लाल होना)।

फंगल इंफेक्शन: खुजली, लालिमा, स्केलिंग और त्वचा की सिलवटों में और पैर की उंगलियों के बीच असुविधा।

लेप्टोस्पायरोसिस: गंदे पानी में चलने से यह संक्रमण होता है, खासकर जब पैरों में चोट हो। बुखार और मांसपेशियों में दर्द महसूस होता है।

बचाव के आसान उपाय –

- बाहर का खाना खाने से बचें और घर का ताजा खाना ही खाएं।
- साफ और उबला हुआ पानी पिएं।
- हर बार खाने से पहले हाथ धोएं।
- मच्छरों से बचाव के लिए क्रीम, मच्छरदानी और मच्छर भगाने वाले साधन अपनाएं।
- गंदे पानी में चलने से बचें।
- बच्चों को बाहर कीचड़ या पानी में खेलने से रोकें।
- रोज नहाएं, और गीले कपड़ों को जल्दी बदलें।
- फल और हरी सब्जियां अपनी डाइट में शामिल करें।
- सर्दी, बुखार होने पर खुद इलाज न करें, डॉक्टर से सलाह लें।

बारिश के दौरान महत्वपूर्ण टेस्ट: बीमारी को नजरअंदाज न करें, समय पर इलाज लें और सावधानी बरतें। जो मानसून के दौरान आम हैं। मानसून के दौरान लेने के लिए कुछ महत्वपूर्ण टेस्ट्स में शामिल हैं।

ब्लड टेस्ट : मलेरिया, डेंगू, टाइफाइड और हेपेटाइटिस जैसे संक्रमणों का पता लगाने के लिए।

कम्प्लीट ब्लड काउंट (CBC) टेस्ट : इन्फेक्शन्स और इन्फ्लमेशन की पहचान करने में मदद करने के लिए।

स्टूल टेस्ट: जलजनित रोगजनकों के कारण होने वाले किसी भी गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल इन्फेक्शन्स की जांच के लिए।

यूरिन टेस्ट: यूरिनरी ट्रैक्ट इन्फेक्शन (UTI) और अन्य किडनी संबंधित समस्याओं का पता लगाने के लिए।

पल्मोनरी फंक्शन टेस्ट: श्वसन समस्याओं वाले व्यक्तियों के लिए, ये टेस्ट लंग फंक्शन की निगरानी करने और अस्थमा और ब्रोंकाइटिस जैसी स्थितियों का प्रबंधन करने में मदद कर सकते हैं।

एलर्जी टेस्ट: आर्द्र (ह्यूमिड) मानसून की स्थिति से बढ़ने वाले ट्रिगर्स और एलर्जी की पहचान और प्रबंधन करना।

आपको मानसून में स्वास्थ्य जांच की आवश्यकता क्यों है?

मानसून के दौरान नियमित स्वास्थ्य जांच कई कारणों से आवश्यक है।

- सबसे पहले, वे संक्रमणों और बीमारियों का प्रारंभिक पता लगाने में मदद करते हैं, जिससे समय पर उपचार और स्वास्थ्य में सुधार होता है। अगर इन बीमारियों को अनदेखा किया जाए तो मानसून से संबंधित बीमारियां तेजी से बढ़ सकती हैं।
- दूसरा, स्वास्थ्य जांच से समग्र स्वास्थ्य और इम्यूनिटी का आकलन करने का अवसर मिलता है। इस संवेदनशील मौसम में आपके शरीर की स्थिति को समझने से आपको स्वस्थ रहने के लिए निवारक उपाय करने में मदद मिल सकती है।
- इसके अलावा, स्वास्थ्य जांच महत्वपूर्ण पोषक तत्वों की कमी की पहचान कर सकती है जो स्वस्थ इम्यून सिस्टम बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण हैं। उदाहरण के लिए, विटामिन D और C और जिंक जैसे खनिजों की कमी इम्यून सिस्टम को कमजोर कर सकती है। इनकी पूर्ति आहार में बदलाव या सप्लीमेंट्स से करने से आपके शरीर के डिफेंस सिस्टम को मजबूत किया जा सकता है।
- अंत में, मानसून में नियमित स्वास्थ्य जांच क्रोनिक बीमारियों के प्रबंधन के लिए महत्वपूर्ण है। डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर या रेस्पिरेटरी प्रॉब्लम वाले व्यक्तियों के लिए, बारिश का मौसम लक्षणों को बढ़ा सकता है। नियमित निगरानी और स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के साथ परामर्श से इन स्थितियों का अधिक प्रभावी ढंग से प्रबंधन किया जा सकता है और जटिलताओं को रोका जा सकता है।

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें
पालीवाल डायग्नोस्टिक्स प्रा. लि.
117/एच-1/02 पाण्डु नगर, जे.के. मन्दिर के सामने, कानपुर-05
0512-2335500, 2235821, 2232962

ADVERTISEMENT

अपनों से दूर अपनेपन का अहसास 'आरोहम् हैप्पीनेस होम'

आरोहम् हैप्पीनेस होम... बिठूर

कानपुर का लवकुश नगर, बिठूर स्थित 'आरोहम् हैप्पीनेस होम' एक ऐसा वृद्ध आश्रय स्थल है, जहाँ ठुकराए गये बुजुर्ग नहीं, बल्कि सुकून की चाह में अपना जीवन अपने अनुसार जीने की तमन्ना लिये लोग अपना आशियाना बनाते हैं। यहां के सदस्यों में संगीतज्ञ, शिक्षक-प्राशिक्षक, चिकित्सक भी हैं, तो पत्रकार और गायक भी। इनके खुद के अपने घर-बंगले हैं, लेकिन मां गंगा का आंचल, शांत वातावरण, चारों ओर हरियाली, स्वच्छ पर्यावरण की चाह में ये रिटायरमेंट के बाद अपना जीवन अपनी मर्जी से स्वाभिमानपूर्वक जीने के लिए यहां आए हैं... आरोहम् हैप्पीनेस होम पर महत्वपूर्ण प्रश्नों के उत्तर दे रहे हैं आरोहम् के संस्थापक-ट्रस्टी व पालीवाल डायग्नोस्टिक्स के डायरेक्टर डॉ. उमेश पालीवाल...

आरोहम्वासी इनडोर गेम्स खेलते हुए

'आरोहम्' किस प्रकार का आश्रय है, इसकी क्या विशेषताएं हैं ?

कहने को तो आरोहम् एक प्रकार से वृद्धाश्रम है, लेकिन यहां हर वो जरूरी सुविधा उपलब्ध है, जो कि एक खूबसूरत घर में उपलब्ध होती हैं। यहां आप प्रकृति की गोद में आराम से स्वाभिमान पूर्वक रह सकते हैं, शांत वातावरण में खुद को जान सकते हैं, नकारात्मकता से दूर अपने जैसे ही साथियों के साथ बचे जीवन के पल ईश्वर के लिए निकाल सकते हैं।

'आरोहम्' वासियों का सम्मान-स्वाभिमान रखने के क्या प्रबंध हैं ?

आरोहम् ऐसा वृद्धाश्रम नहीं है जैसी कि समाज में दीनहीन स्थिति वाले वृद्धाश्रमों की धारणा है। यहां अपने स्वजनों पर आश्रित न होकर तथा नौकरों के भरोसे असुरक्षित तथा दैनिक/मासिक जरूरतों/व्यवस्थाओं के संघर्ष से मुक्ति के साथ न्यूनतम शुल्क (केवल रिकरिंग/नियमित) देकर स्वाभिमानपूर्वक रह सकते हैं। यहां सभी संचालकगण व कार्यकर्ता सभी बुजुर्गों के प्रति आदर भाव रखकर उनकी चिंता करते हैं। संस्थान में निर्णय प्रक्रिया में भी यहां के निवासियों की भागीदारी रहती है। आरोहम् सभी निवासियों को उनका अधिकार व सम्मान दिलाने का पूरा प्रयास करता है। यहां सभी त्योहार मिलजुल कर तथा जन्मदिन, विवाहोत्सव आदि विधिवत भारतीय परम्पराओं से मनाये जाते हैं।

'आरोहम्' की आधारभूत संरचना तथा सुविधाओं के बारे में बताइये-

हर तरह की आधुनिक सुविधाओं से परिपूर्ण प्रदेश के सबसे बड़े और शानदार वरिष्ठ नागरिक गृह : आरोहम् को पहली नजर में देखते ही आपका स्वयं यहां रहने का मन कर जाएगा। आरोहम् के मेन गेट से प्रवेश करते ही आपको जो नजारा दिखता है, वो आपको मंत्रमुग्ध कर देगा। आँखों के सामने अंग्रेजी के 'सी' अक्षर में एक बेहद शानदार आधुनिक ड्यूप्लेक्स सोसाइटी नजर आती है। बीच में एक बेहद खूबसूरत हरा-भरा डिजानर पार्क है। बिल्डिंग में खुद को फिट रखने के लिए जिम है, पढ़ाई के शौकीनों के लिए लाइब्रेरी है, सभी सुविधाओं से पूर्ण सैलून, स्टीमबाथ, जकूजी, सेराजिम तथा ट्रेडमिल युक्त हेल्थजोन, भगवान व स्वयं से बात करने के लिए मंदिर व ध्यान केंद्र, योगा केन्द्र है, सुंदर सा डायनिंग हॉल है, पशु सेवा करने का शौक है तो गौशाला भी है, और तो और, वहीं मूवी देखने का शौक रखते हैं, तो एक थियेटर भी, जहां एक साथ सिनेमा का मजा लिया जा सकता है।

'आरोहम्' वासियों को वहाँ कैसी दिनचर्या प्राप्त है ?

आरोहम् में सुबह उठते ही स्वास्थ्यवर्धक पेय फिर फल, दूध एवं नाश्ता, दोपहर का खाना, सायं चाय के साथ नमकीन तथा रात्रि भोजन के बाद पुनः दूध। यहां के खाने का मेन्यू यहां के वृद्धजन ही तय करते हैं। उनको उनकी पसंद का ही खाना दिया जाता है। यहां मेस में खाने-पीने की भरपूर व्यवस्था रहती है। तथा कमरे में भी चाय, नाश्ता व भोजन उपलब्ध करा दिया जाता है। वृद्धजनों को उनकी जरूरत व इच्छा पर भी स्वास्थ्य अनुरूप भोजन प्रदान करने का प्रयास किया जाता है। अगर किसी को घूमने का मन हो या चिकित्सीय सलाह लेनी हो तो उसकी व्यवस्था की जाती है। यहां पर सत्संग तथा इनडोर खेलों की भी व्यवस्था है दो कॉमन स्थानों पर। टी. वी. पर धारावाहिक/ समाचार आदि देख सकते है तथा थियेटर में मूवी व अन्य प्रोग्राम का आनन्द लिया जा सकता है। सायंकाल का नजारा यहां बहुत मनमोहक लगता है, विभिन्न ग्रुपों में लोग विभिन्न स्थानों पर परिचर्चा, गीत, कविता आदि का आनन्द लेते है। यहां 125 लोगों के रहने की व्यवस्था है। क्लिनिक में प्राथमिक चिकित्सा उपलब्ध रहती हैं और माह में एक बार रूटीन चेकअप होता है। वर्ष में एक बार होलबॉडी स्वास्थ्य परीक्षण सुविधा प्रदान की जाती है।

आरोहम्वासी जन्मदिन मनाते हुए

'आरोहम्' की मूलभूत परिकल्पना के पीछे की सोच :

पालीवाल डायग्नोस्टिक्स सेंटर के संचालक डॉ. उमेश पालीवाल व उनकी पत्नी मॉलीकुलर बायोलॉजिस्ट डॉ. मृदुला पालीवाल ने ये सोच कर 'आरोहम्' की स्थापना की थी कि रिटायरमेंट के बाद भी बुजुर्गों को उनकी जिंदगी उसी तरह जीने का हक है, जैसे वे अपनी पिछली जिंदगी जीते आए हैं या उससे भी बेहतर, जोकि वे अति व्यस्तता में न जी पायें हों। डॉ. उमेश पालीवाल के अनुसार, 'मैंने अक्सर देखा कि जवानी से बुढ़ापे तक एक व्यक्ति अपने बच्चों, उनके भविष्य की चिंता, अपने परिवार को बनाने के लिए सब कुछ भूलकर दिन रात व्यस्त रहता है और जब रिटायरमेंट के बाद उसे देखरेख की जरूरत होती है, वह चाहता है कि कोई उससे बाते करे, वह किसी से अपने दुख-सुख शेयर करे, तो उसका साथ देने वाला कोई नहीं होता।

बस इसी सोच का परिणाम ही है ये आरोहम्।

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें
आरोहम हैप्पीनेस होम
निकट वाल्मीकि आश्रम व स्टेट बैंक चौराहा, लवकुश नगर, बिठूर, कानपुर-209217, उ.प्र.
मो.: +91-8081211038, +91-9415075016
www.aroham.org
arohkanpur@gmail.com

पालीवाल डायग्नोस्टिक्स की एक अनूठी सामाजिक पहल

अमृत विचार

कानपुर, शनिवार, 2 अगस्त 2025

बढ़ता ही जा रहा यमुना का जलस्तर, प्रशासन अलर्ट

गड़ाथा गांव की स्थितियां हुईं विकराल, डीएम स्टीमर में बैठकर पहुंचे गांव, युद्ध स्तर पर राहत कार्य जारी, बाढ़ से तीन हजार लोग व तीन सौ घर प्रभावित

संवाददाता घाटमपुर

अमृत विचार। घाटमपुर में यमुना नदी के बढ़ते जलस्तर को लेकर चारों तरफ हाहाकार मचा हुआ है। बाढ़ के चलते स्थितियां और भी विकराल होती जा रही हैं। इसी के चलते शुक्रवार को जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह, एसडीएम अबिचल सिंह व प्रभारी तहसीलदार स्टीमर में बैठकर गड़ाथा गांव पहुंचे और गांव में बाढ़ की विकरालता को देखा। उन्होंने गांव में फंसे लोगों को घरों से निकाल कर सुरक्षित स्थान पर भेजने के निर्देश दिए । बाढ़ से लगभग 3000 लोग व तीन सौ घर प्रभावित हुए हैं। इसके बाद डीएम ने स्टीमर से ही ग्राम गड़ाथा, अमिरतेपुर, कटरी, काटर आदि ग्रामों का भ्रमण किया ।

जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने बच्चों की शिक्षा प्रभावित न हो इसके लिये बच्चों को खाना, ब्लैक बोर्ड सहित शिक्षकों की भी व्यवस्था की है। वहीं जिन लोगों का राशन खराब हो गया है उन लोगों को राशन उपलब्ध कराए जाने के निर्देश भी दिए हैं। वहीं स्वास्थ्य कैंप लगाकर लोगों की सेहत की भी जाचं की गई। साथ ही सीएमओ को निर्देश दिए कि एक पुरुष मेडिकल ऑफिसर व एक महिला मेडिकल ऑफिसर रात दिन गांव में तैनात किया जाए। बाढ़ प्रभावित लोगों को किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। वहीं घाटमपुर एसडीओ को निर्देश देते हुए कहा कि लाइट व्यवस्था ध्वस्त होने के बाद यहां पर जनरेटर की व्यवस्था की जाए और एक कंट्रोल रूम भी बनाया जाए। जिससे कि लोगों के मोबाइल चार्ज होते रहे व लोगों को लाइट भी मिलती रहे। इसके बाद डीएम जितेंद्र प्रताप सिंह ने नात्तथू सिंह इंटर कॉलेज में बने राहत शिविर का भी निरीक्षण किया। इंटर कॉलेज में बने लगभग चालीस कमरों को खाली करा कर रुकने की व्यवस्था की गई है। वहीं तहसील प्रशासन को रात-दिन गड़ाथा गांव में रुक कर लोगों को राहत कार्य पहुंचने के निर्देश दिए हैं।

राहत पहुंचाने में जुटा तहसील प्रशासन: जिन ग्रामीणों का इस बाढ़ में गल्ला भीग गया है। उन ग्रामीणों को गल्ला उपलब्ध कराए जाने के निर्देश जिला अधिकारी द्वारा दिए गए हैं। वहीं लोगों को लन्च की भी व्यवस्था शासन प्रशासन द्वारा की गई है। फ्लड पीएसी बल मुस्तैदी के साथ रेस्क्यू करने के लिए कैम्प कर रही है। सभी ग्राम प्रधानों, लेखपाल व ग्राम के सक्रिय लोगों को व्हाट्सप ग्रुप के माध्यम से जोड़ा गया है ताकि सूचनाएं अपडेट होती रहें।

नाव में बैठकर आवागमन करते ग्रामीण। अमृत विचार

गांव पहुंचे जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह व अन्य अधिकारी। अमृत विचार

नाविकों ने नाव चलाने से किया मना

- घाटमपुर । नविकों ने नाव चलाने से मना कर दिया। उनका कहना था कि पिछली बाढ़ में नाव चलाने का भाड़ा अभी तक नहीं दिया गया । नाविकों ने बताया कि पिछली वर्ष आई बाढ़ के दौरान नविकों ने मेहनत करते हुए 7 दिन तक लोगों को बाहर निकाल कर अटूट मेहनत की थी। इसके बाद भी आज तक तहसील प्रशासन के द्वारा उनका भुगतान नहीं किया गया। जिसके चलते नविकों ने इस बार किसी भी तरह की मदद करने से इनकार कर दिया है। यह मामला जैसी ही जिलाधिकारी के संज्ञान में आया वैसे ही उन्होंने सभी नविकों का भुगतान करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही जिलाधिकारी ने दो नई नाव खरीद कर गड़था गांव में भेजी है।

ग्राम पंचायत हरदौली में पहुंचाई राहत सामग्री

- घाटमपुर । यमुना नदी में आई बाढ़ ने तहसील के आधा दर्जन से अधिक गांवों को अपनी चपेट में ले लिया है, जिससे कई लोग प्रभावित हुए हैं जिनकी सहायता के लिए जिला प्रशासन व ग्राम पंचायत के कर्मचारी लगातार राहत कार्यों में जुटे हुए हैं। शुक्रवार को विकास खण्ड घाटमपुर के ग्राम पंचायत हरदौली में आपदा प्रबन्धन के तहत राहत सामग्री पहुंचाई गई है, जिसके अंतर्गत बाढ़ प्रभावित लोगों को भोजन, पेयजल और अन्य आवश्यक वस्तुएं दी गई हैं। हरदौली ग्राम पंचायत अधिकारी दिव्यांशू पांडे ने हरदौली ग्राम प्रधान के साथ बाढ़ प्रभावित लोगों को आवश्यक सामान व लंच पैकेट वितरित किए। इस दौरान आरिफ, विकास व अनेक लोग उपस्थित रहे।

न्यूज ब्रीफ

कमल रानी की पुण्यतिथि पर भंडारा आज

घाटमपुर। घाटमपुर में मां कुष्मांडा देवी प्रांगण में शनिवार को अपराह्न 12 बजे से घाटमपुर क्षेत्र की पूर्व सांसद एवं उत्तर प्रदेश सरकार की पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वर्गीय कमल रानी वरुण की पांचवीं पुण्यतिथि पर विशाल भंडारे का आयोजन किया गया है। उक्त जानकारी जिला पंचायत अध्यक्ष स्वप्निल वरुण ने देते हुए बताया कि घाटमपुर के सभी कार्यकर्ता एवं शुभचिंतक सादर आमंत्रित हैं। बताते चलें कि जिला पंचायत अध्यक्ष स्वापिनल वरुण के द्वारा ही गांव में भंडारे का आयोजन किया जा रहा है।

सीएमओ ने सीएचसी का किया निरीक्षण

बिधनू। रमजीपुरवा निवासी किसान कमलेश कुमार की 30 वर्षीय पत्नी पूजा की बीते बुधवार सुबह आप्रेशन के 15 घंटे बाद मौत हो गई थी। इसके चलते परिजनों ने स्टाफ नर्स सीमा वर्मा पर लापरवाही व बाहर से इंजेक्शन मंगवाकर लगाने का आरोप लगाया था। इंजेक्शन लगने के दस मिनट बाद ही प्रसूता की मौत हो गई थी। उस समय स्वजन किसी कार्रवाई से इंकार करते हुए शव लेकर चले गए थे। इसके बाद भी एसीएमओ रवींद्र प्रताप मिश्रा ने स्टाफ नर्स पर विभागीय जांच के आदेश दिए थे। शुक्रवार सुबह सीएमओ हरिदत्त नेमी भी घटना की पड़ताल करने सीएचसी पहुंचे। उन्होंने आरोपित नर्स समेत सभी स्टाफ नर्सों को बुलाकर सख्त निर्देश दिए। जिसमे उन्होंने बाहर से कोई भी दवा लिखने या मंगाने को मना किया। उन्होंने कहा कि किसी प्रकार की कोई दिक्कत होने पर सीएचसी में मौजूद आकस्मिक डॉक्टर की मदद लें।

ज्वाला मंदिर में रुद्राभिषेक में गूंजे मंत्र

कानपुर। श्री ज्वाला माता मंदिर में शनिवार को रुद्राभिषक आयोजित हुआ। इस दौरान श्री ज्वाला माता सेवा समिति के सभी कार्यकर्ता व क्षेत्र वासियों ने मिलकर ज्वाला माता मंदिर में विराजमान ज्वालेश्वर बाबा का पूजन अभिषेक किया। आचार्य अरविन्द तिवारी ने वैदिक मंत्र उच्चारणो के साथ विधि विधान से रुद्राभिषेक कराया। श्री ज्वाला माता मंदिर के अध्यक्ष विजय कुमार ने बताया कि यह महा रुद्राभिषेक जन कल्याण के लिए कराया गया है। इस दौरान अध्यक्ष विजय कुमार, राजू श्रीवास्तव, परविंदर, सुजीत, रिशु, इशिका, तनीषा, मीरा, शैलू, अर्चना, संध्या, टीनू, तानिश दिवाकर सहित अन्य मौजूद रहे।

चोरी के डीजल के साथ एक युवक हुआ गिरफ्तार

चौबेपुर। क्षेत्र के मरियानी गांव के सामने हाईवे पर शुक्रवार शाम पुलिस ने चोरी के डीजल के साथ एक युवक को गिरफ्तार कर लिया। मामले में मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने कार्रवाई शुरू की है। जांच में दोषी मिलने पर कड़ी से कड़ीकार्रवाई की जाएगी।

शुक्रवार शाम मुखबिर से पुलिस को सूचना मिली कि कानपुर की ओर से आ रही एक वैगन आर कार से करीब 400 लीटर चोरी का डीजल ले जाया जा रहा है। इस पर सक्रिय हुई पुलिस ने मरियानी गांव के सामने बैरिकेडिंग कर गाड़ी को रोक लिया।

तलाशी के दौरान गाड़ी में रखी प्लास्टिक की केन में 375 लीटर डीजल बरामद हुआ। पूछताछ में युवक ने अपना नाम सजल कुशवाहा पुत्र सत्यनारायण, निवासी भिखारीपुर, पतासिया बांगरमऊ, उन्नाव बताया। पूछताछ में उसने बताया कि उक्त डीजल वह पनकी, कानपुर क्षेत्र के एक व्यक्ति से खरीद कर लाया है। प्रभारी निरीक्षक राजकुमार सिंह राठौर ने बताया कि मामले में मुकदमा पंजीकृत कर डीजल चोर गैंग के सरगना का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है।

दिव्यांग बच्चों के बनाये प्रमाण पत्र

संवाददाता घाटमपुर

- बीईओ घाटमपुर कार्यलय में हुआ शिविर का आयोजन
- एबीएसएस के अंतर्गत हुआ मेडिकल एसेसमेंट कैम्प

अमृत विचार। अखिल भारतीय शिक्षा समागम एबीएसएस 2025 के अंतर्गत मेडिकल एसेसमेंट कैम्प का आयोजन खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय घाटमपुर में एक अगस्त को किया गया। कैंप में विकासखंड के दिव्यांग बच्चों के प्रमाण पत्र बनाए गए।

दिव्यांग कैंप में डॉ जेपी गुप्ता (ऑर्थो), डॉ सुधांशु मिश्रा (साइकोलॉजिस्ट), डॉ देवेंद्र (नेत्र सर्जन) द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित होकर 26 बौद्धिक दिव्यांग के साथ शारीरिक दिव्यांग एवं श्रवण बाधित 34 बच्चों के प्रमाण पत्र बनाए गए। इस कार्यक्रम में खंड शिक्षा अधिकारी घाटमपुर राजेंद्र कुमार कुशवाहा, एआरपी प्रणव अवस्थी ,अंकुर सिंह, मीनू सिंह,ब्लॉक अध्यक्ष सुसेंड सचान, अनुराग सिंह के साथ साथ स्पेशल एजुकेटर संजय कुमार पांडे, अंजनी पांडे, गरिमा सचान, मनोज यादव, पवन आदि उपस्थित रहे।

दिव्यांग शिविर में प्रमाण पत्र बनाते डॉक्टर। अमृत विचार

अभिषेक ने जीता कांस्य पदक

अभिषेक सिंह।

कानपुर। दिल्ली में हुई क्लेपिजन डबल ट्रैप शूटिंग प्रतियोगिता में अभिषेक सिंह यादव ने ब्रोंज मेडल जीता है। जिला बचत कार्यालय कानपुर देहात में तैनात अभिषेक सिंह को बेहतर प्रदर्शन के लिए कोच पदम राज सिंह ने तैयार किया है। केशव नगर निवासी अभिषेक ने बताया कि उन्हें बचपन से ही शूटिंग का शौक था। इसके चलते वे व्यस्त समय में भी अपने शौक को पूरा करने के लिए अभ्यास करते रहते थे। उसी का परिणाम है कि वे बेहतर प्रदर्शन कर मेडल पर कब्जा कर सके।

लापता युवती बरामद आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता बिल्हौर

अमृत विचार। कस्बे से छह दिन पहले लापता हुई 19 वर्षीय युवती को पुलिस ने बरामद कर लिया है। इस मामले में पुलिस ने युवती को बहला-फुसलाकर ले जाने वाले आरोपी शादाब उर्फ बौरू को भी गिरफ्तार कर लिया है।

युवती 26 जुलाई को अपने घर से लापता हुई थी, जिसके बाद परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। युवती का जब कहीं कोई पता नहीं चला, तो परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। परिजनों ने एक मुस्लिम युवक पर बहला-फुसलाकर भगा ले जाने का आरोप लगाया था। पुलिस और परिजनों की तलाश के बाद गुरुवार की रात युवती और आरोपी को कानपुर-अलीगढ़ हाईवे बाइपास के पास से बरामद कर लिया गया। हालांकि, युवती के परिजनों का दावा है कि उन्हें बेटी के मस्जिद में होने की सूचना मिली थी और पुलिस ने दोनों को मस्जिद से ही पकड़ा है। पुलिस के मुताबिक, शुरुआती पूछताछ में युवती ने शादाब से प्रेम संबंध होने की बात कही है और अपने परिवार के साथ जाने से इनकार कर दिया है। दूसरी ओर, युवती के परिजन अभी भी युवक पर जबरदस्ती ले जाने, अनैतिक संबंध बनाने और धर्मांतरण कराने का दबाव डालने का आरोप लगा रहे हैं।

एडीसीपी कपिल देव सिंह ने बताया कि मामले युवती की मां की शिकायत के आधार पर आरोपी के खिलाफ बहला-फुसलाकर ले जाने का मामला दर्ज कर लिया गया है। आगे की कानूनी कार्रवाई युवती के बयान के आधार पर की जाएगी। आगे की कार्यवाही विवेचना के आधार पर की जाएगी ।

दुर्घटना में घायल युवकों को सीएमओ ने पहुंचाया अस्पताल

घाटमपुर । घाटमपुर में सड़क हादसे में दो युवक घायल हो गए। तभी कानपुर नगर के सीएमओ डॉ. हरिदत्त नेमी वहां से निकल रहे थे। घायल युवकों को रास्ते में पड़ा देखकर उन्होंने घायलों को अपनी गाड़ी में बैठाकर अस्पताल पहुंचाया। सीएमओ, जिलाधिकारी के साथ बाढ़ प्रभावित क्षेत्र का निरीक्षण करने गए थे। वहां से वापस लौटते समय उन्हें चंवर मोड़ के पास दो बाइक सवार गम्भीर रूप से घायल पड़े मिले। घायलों को देखकर सीएमओ डॉ. हरिदत्त नेमी ने तत्काल अपनी गाड़ी में बैठाकर घायलों को घाटमपुर सीएचसी पहुंचाया और डॉक्टरों को बेहतर इलाज के निर्देश दिए। वहां पर मौजूद डॉक्टरों द्वारा प्राथमिक उपचार के बाद हालत गम्भीर होने के कारण घायलों को कानपुर जिला अस्पताल रेफर कर दिया ।

छह लोगों पर दहेज हत्या की रिपोर्ट दर्ज

संवाददाता पुखरायां

- 23 मई 2022 को युवती सना की हुई थी शादी
- ससुरालीजन दहेज में बाइक व दो लाख रुपये की कर रहे थे मांग

अमृत विचार। शादी के बाद दहेज प्रताड़ना व युवती की हत्या के मामले में छह लोगों पर रिपोर्ट दर्ज की गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

जनपद जालौन के रामपुरा थाना क्षेत्र के उमरी गांव निवासी जान मोहम्मद ने भोगनीपुर कोतवाली पुलिस को शिकायती पत्र देते हुए बताया कि उसने अमरौधा कस्बा निवासी अरशद के साथ 23 मई 2022 को अपनी पुत्री सना की शादी की थी।

जिसमे उसने अपनी हैसियत के अनुसार दान दहेज दिया था। शादी के बाद से ही ससुराली दहेज में एक बाइक व दो लाख रुपये की मांग करने लगे। जिसके पूरी न होने के चलते पुत्री सना को प्रताड़ित किया जाने लगा। सना का देवर राशिद जो यूपी पुलिस में आरक्षी है। वह जब जब छुट्टी पर आता था तो परिजों को जान से मारने के लिए उकसाता। बीती 28 जुलाई को पुत्री सना का रात में फोन आया कि उसे प्रताड़ित किया जा रहा है और ससुराली उसे जान से मारने की बात कह रहे है। जिसके बाद वह दूसरे दिन सुबह अपने अन्य रिस्तेदारों के साथ पुत्री के ससुराल पहुंचा तो देखा कि उसकी पुत्री की मौत हो चुकी थी। पुलिस ने तहरीर पर पति अरशद, ससुर अनीस, सास खततो, देवर राशिद, ननद गुलशन के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज की है।

तैयारी | मिश्रिख सांसद अशोक रावत ने नगर विकास मंत्रालय को लिखा पत्र

ककवन को नगर पंचायत बनाने के प्रयास तेज

अभय प्रताप सिंह ,बिल्हौर

- अभी ककवन को ग्राम पंचायत का दर्जा प्राप्त है
- चौबेपुर, उत्तरीपूरा व मकनपुर को भी नगर पंचायत बनाने की चर्चा

अमृतविचार। बिल्हौर तहसील में कई कस्बों को नगर पंचायत बनाने की मुहिम चल रही है। मिश्रिख से सांसद अशोक रावत ने हाल ही में ककवन ग्राम पंचायत को नगर पंचायत बनाने की मांग करते हुए नगर विकास मंत्रालय को एक पत्र लिखा था। इस पहल से बिल्हौर तहसील में चौबेपुर, उत्तरीपूरा और मकनपुर जैसे अन्य कस्बों को भी नगर पंचायत बनाने की योजना पर चर्चा हो रही है। सांसद की इस मुहिम के बाद बिल्हौर और शिवराजपुर नगर पंचायत के सीमा विस्तार पर भी बात शुरू हो गई है।

बिल्हौर नगर पालिका में शामिल होंगे तीन गांव: कई सालों से बिल्हौर नगर पालिका के सीमा विस्तार की मांग की जा रही थी। सांसद के पत्र के बाद अब बिल्हौर तहसील ने सर्वे का काम शुरू कर दिया है। इस सर्वे में सुभानपुर, रहमतपुर और बिल्हौर देहात ग्राम पंचायतों को बिल्हौर नगर पालिका में शामिल करने का प्रस्ताव है। सरकार ने इन तीनों ग्राम पंचायतों को जोड़ने के लिए सर्वे की अनुमति दे दी है और जल्द ही प्रशासन से इसका प्रस्ताव मांगा है। अभी के समय, बिल्हौर नगर पालिका और अन्य ग्राम पंचायतों के बीच रेलवे लाइन एक बॉर्डर का काम करती है।

चौबेपुर को नगर पंचायत बनाने की कोशिश

- बिल्हौर तहसील की चौबेपुर ग्राम पंचायत को नगर पंचायत बनाने के लिए भी सर्वे का काम चल रहा है। इसमें राजस्व विभाग के कर्मचारी शामिल हैं। सरकार ने बिल्हौर नगर पालिका के सीमा विस्तार और चौबेपुर को नगर पंचायत बनाने को प्राथमिकता दी है। माना जा रहा है कि इस महीने के अंत तक सर्वे की रिपोर्ट सरकार को भेज दी जाएगी। उम्मीद है कि आगामी पंचायत चुनाव से पहले इस प्रक्रिया पर अंतिम मुहर लग जाएगी।

क्या बोले स्थानीय लोग

- नगर पालिका के विस्तार को लेकर स्थानीय निवासी व बिल्हौर बार के वरिष्ठ अधिवक्ता अमित श्रीवास्तव ,शिक्षक प्रशांत मिश्रा ,अधिवक्ता रजनीश द्विवेदी ,आदि लोगो ने बताया कि राजनितिक रूप से और आर्थिक रूप से बिल्हौर नगर पालिका का विस्तार होना अति आवश्यक है जिससे तमाम विकास होगें और नगर पालिका से जुड़ने वाली नई ग्राम पंचायतों का भी पूर्ण रूप से विकास हो सकेगा।

जिला जज मोटर दुर्घटना के स्थानांतरण पर दी गई विदाई

कानपुर देहात। माती न्यायालय से ज़िला जज मोटर दुर्घटना प्राधिकरण मोहन लाल विश्वकर्मा का स्थानातंरण जिला जज संत कबीरनगर होने पर शुक्रवार को एकीकृत बार एसोसिएशन पदाधिकारियों द्वारा विदाई समारोह आयोजित किया गया।

अध्यक्ष राजपाल यादव व महामंत्री देवेंद्र मिश्रा भोला ने द्वारा प्रतीक चिंह देकर उन्हें सम्मानित किया। इस दौरान अधिवक्ता प्रसून सचान, गौरव यादव, विजय मिश्रा, प्रदीप विश्वकर्मा, आदीप गौतम, अंशु बाजपेयी, विजय लक्ष्मी, योगेंद्र सिसोदिया, प्रभात मिश्र, उदय दत्त शुक्ला, कमल सिंह, राम नरेश मिश्रा आदि लोग उपस्थित रहे।

BAREILLY INTERNATIONAL UNIVERSITY

Accreditations, Affiliations & Approvals

ADMISSION OPEN FOR FOLLOWING COURSES SESSION 2025-26

CUET (UG)-2025 Registered/Score Accepted

ROHILKHAND MEDICAL COLLEGE & HOSPITAL

Course	Eligibility	Duration
M.Sc.Medical (Anatomy/ Biochemistry/Microbiology/ Pharmacology/Physiology)	MBBS/BDS/B.Sc Nursing/ /B.Sc (PCB)	3 Year
Diploma Medical Lab Technician (DMLT)	10+2 (PCB/PCM)	2 Year
Diploma X-Ray Technician	10+2 (PCB/PCM)	2 Year
Diploma Radiotherapy Technology	10+2 (PCB/PCM)	2 Year

INSTITUTE OF DENTAL SCIENCES

Course	Eligibility	Duration
Dental Hygienist (DH)	10+2 (PCB with English)	2 Year
Dental Mechanics (DM)	10+2 (PCB with English)	2 Year

BIU COLLEGE OF PHARMACY/ROHILKHAND COLLEGE OF PHARMACY/ KESHLATA COLLEGE OF PHARMACY

Course	Eligibility	Duration
Bachelor of Pharmacy (B.Pharm)	10+2 (PCB/PCM)	4 Year
Master of Pharmacy (Pharmaceutics/Pharmacology/ Pharmaceutical Chemistry/Pharmacognosy)	B.Pharm	2 Year
Diploma in Pharmacy	10+2 (PCB/PCM)	2 Year

FACULTY OF PARAMEDICAL SCIENCES

Course	Eligibility	Duration
Bachelor of Physiotherapy (BPT)	10+2 (PCB)	4.5 Year
B.Sc. Medical Laboratory Technician (BMLT)	10+2 (PCB)	3.5 Year
B.Sc. Optometry	10+2 (PCB)	4 Year
B.Sc. in Radiological imaging Techniques (BRIT)	10+2 (PCB)	3.5 Year
Bachelor in Operation Theatre Technician	10+2 (PCB)	3.5 Year
Diploma in Dialysis Technician	10+2 (PCB/PCM)	2 Year
Diploma in MRI Technician	10+2 (PCB/PCM)	2 Year
Diploma in Sanitation	10+2 (PCB/PCM)	1 Year
Diploma in Emergency & Trauma Care	10+2 (PCB/PCM)	2 Year
M.Sc. Clinical Embryology	B.Sc. (PCB)	2 Year
Master Physiotherapy	BPT	2 Year
Master in Medical Laboratory Sciences (MMLS)	BMLS	2 Year

ROHILKHAND COLLEGE OF NURSING

Course	Eligibility	Duration
M.Sc. Nursing in Child Health Nursing/Mental Health Nursing/Community Health Nursing/Surgical Nursing/ Obstetric & Gynaecological Nursing	B.Sc. (Nursing)	2 Year
B.Sc. Nursing	10+2 (PCB)	4 Year
GNM	10+2 Any Stream	3 Year
ANM	10+2 Any Stream	2 Year
Post Basic B.Sc. Nursing	GNM	2 Year
Nurse Practitioner in Critical Care (NPCC)	B.Sc. Nursing	2 Year

BIU COLLEGE OF HUMANITIES & JOURNALISM

Course	Eligibility	Duration
BA (Hons.) in Journalism/ Mass Communication	10+2 in Any Stream	4 Years
BA (Hons.) in Eng./ Pol. Sc./ Socio./Eco. / Psychology	10+2 in Any Stream	4 Years
B.Lib.(Hons.)	10+2 in Any Stream	4 Years
MA (Journalism/ Mass Comm./ Public Rel./Electronic Media/ Adv.)	UG in Any Stream	2 Years
MA (English/ Pol. Science/ Sociology/ Economics/ Hindi)	UG in Respective Stream	2 Years
MA (Translation Studies)	UG in Respective Stream	2 Years
MA (Applied & Clinical Psychology)	UG in Respective Stream	2 Years
M.Lib.	UG in Respective Stream	2 Years

BIU COLLEGE OF MANAGEMENT

Course	Eligibility	Duration
BBA (Hons.) in Finance & Taxation	10+2 in Any Stream	4 Years
BCA (Hons.) in IT & Multimedia/ AI & Machine Learning	10+2 in Any Stream	4 Years
B.Com (Hons.)	10+2 in Any Stream	4 Years
MBA (Finance & Taxation / Healthcare Management / Sales & Marketing / HR / IT / Business Analytics)	UG in Any Stream	2 Years
M.Com	UG in Respective Stream	2 Years
MCA	UG in Respective Stream	2 Years
MHA	UG in Any Stream	2 Years
MPH	UG in Any Stream	2 Years

FACULTY OF FORENSIC SCIENCES

Course	Eligibility	Duration
B.Sc. Forensic Sciences	10+2 (PCB/PCM)	3 Year
M.Sc. Forensic Sciences	Graduation in Science (ZBC)	2 Year

For More Information : 9105500202, 9105500404, Ph.: 0581-2526153, 051, 053

Admission Cell, Administrative Block, Bareilly International University, Rohilkhand Medical College Campus, Bareilly PIN Code : 243006 (U.P.)

Website : www.biu.edu.in, E-mail : admission@biu.edu.in

सुविचार

एक आदमी को शिक्षित करो, तुम एक व्यक्ति को शिक्षित करते हो, एक महिला को शिक्षित करो, तुम एक परिवार को शिक्षित करते हो।
– डॉ. भीमराव आंबेडकर

अमृत विचार

कानपुर महानगर

www.amritvichar.com

कानपुर के प्रमुख समाचार

- दिनदहाड़े शिक्षिका को अगवा कर धमकाया II
- विस चुनाव की बुनियाद पर विकास की बयार III
- सीएसजेएमयू में बनेंगी 16 कमेटियां IV

कानपुर, शनिवार, 2 अगस्त 2025

अनुराग हेल्थ केयर प्रा.लि.
•ICU •NICU DIALYSIS
• MODULAR OT
दूरबीन विधि से आपरेशन अब कम खर्च में
सीजीएचएस, मेडीक्लेम व आयुष्मान कार्ड मान्य
117/क्यू/702, शारदा नगर, कानपुर
9889538233, 7880306999

जनसाधारण एक्सप्रेस का पहिया पटरी से उतरा। अमृत विचार

प्रेशर जैक लगाकर ट्रेन की बोगी को उठाया गया। अमृत विचार

हादसे के बाद ट्रेन को पटरी पर लाने की जुगत में लगी टीम। अमृत विचार

सिटी ब्रीफ

नशेबाज चालकों की आज आएगी शामत

कानपुर। परिवहन आयुक्त के निर्देश पर शनिवार को आरटीओ की टीम ओवर लोड वाहनों के अलावा नशेबाज चालकों के खिलाफ महाभियान चलाएगा। संभागीय परिवहन अधिकारी प्रवर्तन राहुल श्रीवास्तव ने बताया कि शनिवार को ओवर लोड एवं यातायात नियमों को रौंदने वाले वाहनों के खिलाफ 24 घंटे के लिए महाभियान चलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि यातायात नियमों की धज्जियां उड़ाने वाले वाहनों को सीज किया जाएगा और नशेबाज चालकों का ड्राइविंग लाइसेंस निरस्त किया जाएगा।

अध्यक्ष ने मंडी सचिव को ज्ञापन सौंपा

कानपुर। कृषि उत्पादन मंडी समिति चकरपुर अध्यक्ष पंकज कुशवाहा ने कानपुर से व्यापारियों के पलायन, राजस्व हानि एवं क्षेत्रीय फुटकर मंडियो में अवैध थोक व्यापार की रोक थाम के लिए गल्लामंडी में उपनिदेशक संजय कुमार सिंह को ज्ञापन सौंपा। निखिल गुप्ता, जितेन्द्र शाक्य, सौरभ राठौर, यतेंद्र कुमार, सुरेश कुशवाहा, सुरेश राठौर, गोपाल राठौर, इरफान सफी, राजवीर राजपूत, शिव प्रकाश कुशवाहा, हरीशरण प्रजापति, प्रदीप सिंह, सुभाष दुबे, अनिल कुमार रहे।

मजदूरों के समक्ष न्याय का संकट

कानपुर। उत्तर प्रदेशीय सफाई मजदूर संघ द्वारा प्रदेश के लेबर कोर्टों में खाली पड़े जजों के पदों पर नियुक्ति कराने की मांग करते हुए गोल चौराहा से लेबर कमिश्नर कार्यालय तक पैदल मार्च किया और लेबर कमिश्नर श्री मार्कन्डे सिंह को ज्ञापन सौंपा। संघ के प्रान्तीय महामंत्री अश्वनी कुमार बाल्मीकि, मुख्य सलाहकार अधिवक्ता सुभाष गोस्वामी आदि रहे।

एक देश-एक चुनाव की उठाई गई मांग

कानपुर। भारतीय कृषि उत्पाद उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष ज्ञानेश मिश्र ने शनिवार को एक देश एक चुनाव सहित अन्य मांग उठाई। यह मांग उन्होंने राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड के राष्ट्रीय चेयरमैन सुनील सिंघी से की। इस दौरान उन्होंने व्यापारियों की कई समस्याओं से भी अवगत कराया। मुलाकात के दौरान भारतीय कृषि उत्पाद उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष ज्ञानेश मिश्र ने कहा कि देशभर की 6 हजार से अधिक कृषि उपज मंडियों के व्यापारीगण, भारतीय कृषि उत्पाद उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल के माध्यम से देशहित में प्रस्तुत एक देश एक चुनाव जैसे दूरदर्शी और सशक्त लोकतांत्रिक सुधार के प्रस्ताव का समर्थन करते हैं। इस मुलाकात में व्यापार मंडल युवा महामंत्री विनायक पोद्दार भी रहे।

भाऊपुर में जनसाधारण एक्सप्रेस बेपटरी

धीमी रफ्तार से चल रही ट्रेन के दो डिब्बे पटरी से उतरे, झटका लगते ही यात्रियों में मची चीख-पुकार

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। कानपुर-दिल्ली मुख्य रेल मार्ग पर भाऊपुर स्टेशन के पास मुजफ्फरपुर से अहमदाबाद जा रही गाड़ी संख्या-15269 जनसाधारण एक्सप्रेस के दो डिब्बे पटरी से उतर गए। हादसे के समय ट्रेन धीमी गति से चल रही थी। ट्रेन पटरी से उतरने पर यात्रियों को जोर का झटका लगा और चीख-पुकार मच गई। हालांकि हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ है। हादसे की जानकारी होते ही रेलवे के अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे। देर रात 10:35 बजे जनसाधारण एक्सप्रेस रवाना हुई।

शुक्रवार को साम 4:15 बजे गाड़ी संख्या-15269 मुजफ्फरपुर-साबरमती जनसाधारण एक्सप्रेस भाऊपुर स्टेशन यार्ड के लूप लाइन लाइन पर गुजर रही थी, इसी दौरान इंजन से 6वां और 7वां डिब्बा पटरी से उतर गया। ट्रेन के पटरी से उतरते ही जोर का झटका लगा, जिससे चालक ने इमरजेंसी ब्रेक लगाई। झटका लगने और फिर इमरजेंसी ब्रेक लगाए जाने से यात्रियों में हड़कंप मच गया और बोगियों में चीख-पुकार मच गई।

ट्रेन के रुकते ही यात्री बोगियों से उतरकर भागे। हादसे के चलते लखनऊ से नई दिल्ली जा रही स्वर्ण शताब्दी एक्सप्रेस समेत कई ट्रेनों को रोकना पड़ा।

कानपुर सेंट्रल स्टेशन, प्रयागराज, टूंडला रेलवे स्टेशन पर यात्रियों को जानकारी देने के लिए कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। उप मुख्य यातायात प्रबंधक आशुतोष सिंह कहना है कि घटना की जांच के बाद ही पता चलेगा कि हादसे का कारण क्या है।

हादसे के बाद ट्रेन के पास मौजूद भीड़। अमृत विचार

- कानपुर-दिल्ली मुख्य रेलमार्ग पर ट्रेनों का संचालन प्रभावित
- स्वर्ण शताब्दी एक्सप्रेस समेत कई ट्रेनों का रूट बदला गया

लोको में बजा सायरन, भेजी गई राहत ट्रेन

- भाऊपुर स्टेशन के पास हुई ट्रेन दुर्घटना की जानकारी होते ही लोको में हादसे का सायरन बज गया, जिससे रेल कर्मी जिस हालत में थे, तुरंत दुर्घटना राहत ट्रेन के साथ मौके के लिए रवाना हो गए। अप व डाउन लाइन को ठीक करने का काम युद्ध स्तर पर शुरू हो गया।

चालक व सहायक गार्ड के ब्लड का लिया गया सैंपल

- **कानपुर :** भाऊपुर में हादसे का शिकार हुई मुजफ्फरपुर-अहमदाबाद एक्सप्रेस के चालक, सहायक चालक के ब्लड का सैंपल जांच के लिए कलेक्ट किया गया है। तीन सदस्यीय कमेटी हादसे की जांच करेगी। शुक्रवार की शाम कानपुर दिल्ली मुख्य रेल मार्ग पर हादसे का शिकार हुई जनसाधारण एक्सप्रेस ट्रेन के चालक और सहायक चालक के ब्लड का सैंपल लिया गया। अधिकारियों ने चालक के बयान दर्ज किए कि आखिर घटनाक्रम क्या हुआ। उत्तर मध्य जोन के रेल मंडल प्रबंधक भी मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी ली। इसके अलावा तीन सदस्यीय अधिकारियों की टीम घटना की जांच करेगी। गार्ड के भी बयान दर्ज किये गये।

सेंट्रल स्टेशन पर कंट्रोल रूम बना

- भाऊपुर में ट्रेन हादसा के चलते सेंट्रल स्टेशन पर कंट्रोल रूम बनाया गया है, जिस पर यात्री ट्रेनों की जानकारी ले सकते हैं।
- कानपुर : 0512-2323015, 2323016, 2323018
- प्रयागराज : 0532-2408128, 2407353, 2408149
- टूंडला : 7392959712

इन गाड़ियों का रूट बदला

- वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी रेलवे -आगरा कैंट- बांदीकुई स्टेशन के रास्ते चलाया गया।
- गाड़ी सं 12505 (कामाख्या - आनन्द विहार टर्मिनल) एक्सप्रेस को पनकी धाम स्टेशन से परिवर्तित मार्ग कानपुर सेंट्रल-लखनऊ - मुरादाबाद -गाजियाबाद स्टेशन के रास्ते चलाया गया ।
- गाड़ी सं 12003 (लखनऊ - नई दिल्ली) शताब्दी एक्सप्रेस वर्तमान में उन्नाव स्टेशन पर है यह गाड़ी वापस लखनऊ स्टेशन गई और फिर परिवर्तित मार्ग लखनऊ - मुरादाबाद -गाजियाबाद स्टेशन के रास्ते नई दिल्ली रवाना की गई।
- गाड़ी सं 22435 (वाराणसी -नई दिल्ली) एक्सप्रेस को परिवर्तित मार्ग वाया कानपुर सेंट्रल -लखनऊ -मुरादाबाद -गाजियाबाद स्टेशन के रास्ते चलाया गया ।5. गाड़ी सं 22425 (अयोध्या कैंट-आनन्द विहार टर्मिनल) एक्सप्रेस को परिवर्तित मार्ग लखनऊ -मुरादाबाद -गाजियाबाद स्टेशन के रास्ते रवाना किया गया ।
- गाड़ी सं 20175 (बनारस -आगरा कैंट) वंदे भारत एक्सप्रेस को परिवर्तित मार्ग कानपुर सेंट्रल -भीमसेन -विरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी -आगरा कैंट स्टेशन के रास्ते रवाना किया गया।
- . गाड़ी सं 15707 (कटिहार -अमृतसर) एक्सप्रेस को परिवर्तित मार्ग लखनऊ - मुरादाबाद -गाजियाबाद स्टेशन के रास्ते चलाया गया।
- गाड़ी सं 14217 (प्रयागराज संगम - चंडीगढ़) एक्सप्रेस को परिवर्तित मार्ग कानपुर अनवरगंज - फर्रुखाबाद - शिकोहाबाद - टूंडला स्टेशन के रास्ते रवाना किया गया ।
- गाड़ी सं 12179(लखनऊ- आगरा फोर्ट) एक्सप्रेस को परिवर्तित मार्ग लखनऊ- शाहजहानपुर-कासगंज-मथुरा-आगरा फोर्ट स्टेशन के रास्ते रवाना किया गया।

हादसे के बाद ट्रेन से उतरे यात्रियों की ट्रैक पर जमा भीड़। अमृत विचार

राजधानी, शताब्दी सहित कई ट्रेनें रास्ते में फंसी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। कानपुर-दिल्ली मुख्य रेलमार्ग पर भाऊपुर में हादसे का शिकार हुई जनसाधारण एक्सप्रेस के चलते दिल्ली रूट की ट्रेनें प्रभावित हुईं, जिससे सेंट्रल स्टेशन पर हजारों यात्री परेशान रहे। आरक्षण केंद्र पर टिकट वापस कराने के लिए देर रात तक लंबी लाइन लगी रही।

शुक्रवार को पनकीधाम स्टेशन के आगे भाऊपुर में हादसे के बाद अप और डाउन दोनों लाइनों पर ट्रेनों का आवागमन बाधित हो गया और क्षतिग्रस्त दोनों डिब्बों को ट्रैक से हटाने का काम जारी रही और रात तक ट्रैक बहाल नहीं हो सका। घटना के चलते कई दिल्ली जाने वाली कई ट्रेनों को लखनऊ, मुरादाबाद होते हुए रवाना किया गया जबकि कई ट्रेनें फर्रुखाबाद होते हुए दिल्ली चलाई गई। घटना के चलते देर रात अपना आरक्षण रद कराने एवं साधारण टिकट वापस कराने वाले यात्रियों की भीड़ लगी रही।

नई दिल्ली से आने वाली लगभग 5 राजधानी एक्सप्रेस, नई दिल्ली से कानपुर आने वाली शताब्दी एक्सप्रेस समेत दिल्ली से आने वाली ट्रेनें रास्ते में फंसी रही या फिर उनके रुट में बदलाव कर दिया गया। सेंट्रल स्टेशन पर ट्रेनों की लेटलतीफी के चलते सैकड़ों यात्रियों की भीड़ शहीद मेजर सलमान खान अंतर्राज्यीय झकरकटी बस अड्डा पहुंची और बस से ही दिल्ली, इटावा, अलीगढ़, आगरा, फिरोजाबाद, नोएडा, गाजियाबाद, मथुरा आदि जिलों के लिए रवाना हुए।

ट्रेन लेट होने से सेंट्रल स्टेशन पर आराम करने लगे यात्री। अमृत विचार

- आरक्षण केंद्रों पर लंबी लाइनें, 4800 से अधिक टिकट वापस
- ट्रेनों की लेटलतीफी देखते हुए सैकड़ों यात्री बस अड्डा पहुंचे

रेलवे अफसर, डीएम, एसपी समेत अधिकारी मौके पर पहुंचे

जान बचाने को कूदे यात्री, 3 घायल

संवाददाता, शिवली

अमृत विचार: जनसाधारण एक्सप्रेस के दो डिब्बे पटरी से उतरने और इमरजेंसी ब्रेक लगाने से ट्रेन के यात्रियों में अफरा-तफरी के साथ भगदड़ मच गई। दहशत में यात्री जान बचाने के लिए बोगियों से कूदने लगे, जिसमें तीन यात्री घायल हो गए। सूचना पर रेलवे, डीएम, एसपी समेत अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे और छानबीन की।

मुजफ्फरपुर जंक्शन से अहमदाबाद के साबरमती जा रही जनसाधारण एक्सप्रेस भाऊपुर रेलवे स्टेशन के आउटर के समीप शुक्रवार शाम करीब 04:13 बजे पहुंची, तभी जनरल बोगी का छठवां व सातवां डिब्बा झटके के साथ बेपटरी हो गया। हादसा होते ही यात्रियों में चीख-पुकार मच गई और कूदने लगे, जिससे भगदड़ जैसी स्थिति हो गई। ट्रेन से कूदने में बिहार के सीतामढ़ी जिले के कंदौली क्षेत्र के मुंहचंदी गांव निवासी सुलफान (13), जिला सुथरी के थाना पताही के मगही शरीफ गांव निवासी मोहम्मद कादिल (23) व बिहार के ही सदाम (28) घायल हो गए। सभी घायलों को एंबुलेंस से शिवली सीएचसी लाया गया, जहां डॉक्टर अंकिता चंद्रा ने इलाज किया। तीनों घायल मुजफ्फरपुर से अहमदाबाद जा रहे थे। वहीं हादसे की जानकारी पर रेलवे अधिकारियों समेत डीएम कपिल सिंह व एसपी अरविंद मिश्र मौके पर पहुंचे और राहत-बचाव कार्य शुरू कराया। देर शाम तक अफसर डेरा जमाए रहे।

शिवली सीएचसी में भर्ती घायल। अमृत विचार

सीएचसी में घायल यात्री का इलाज करते डॉक्टर। अमृत विचार

डीएम ने घायल यात्रियों का लिया हाल-चाल

कानपुर देहात। जनसाधारण एक्सप्रेस की दो बोगियां रेल पटरी से नीचे उतरने की सूचना पर डीएम कपिल सिंह उन्होंने यात्रियों से बातचीत कर हालचाल जाना और संबंधित अधिकारियों को राहत व सहायता कार्य तुरंत शुरू करने के निर्देश दिए। डीएम ने बताया कि घटना कानपुर नगर की सीमा में हुई है। हादसे में किसी भी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है। वहीं रेलवे की तकनीकी टीम ने तुरंत राहत व मरम्मत कार्य प्रारंभ कर दिया है। जल्द ही ट्रेनों का संचालन शुरू कर दिया जाएगा।

कानपुर भेजे गए यात्री: भाऊपुर रेलवे स्टेशन के समीप जनसाधारण एक्सप्रेस के डिरेल होने की जानकारी पर अफसरों ने रिलीफ ट्रेन को मौके पर भेजा। साथ ही ट्रेन के यात्रियों को दूसरे वाहनों से कानपुर नगर भेजने का काम शुरू किया गया। रेल अधिकारियों ने ट्रक मरम्मत का काम तेजी के साथ शुरू कराया। इस दौरान कई ट्रेनों को आगे-पीछे के स्टेशनों पर रोक दिया गया।

गति धीमी होने बचा बड़ा हादसा: जनसाधारण एक्सप्रेस मुजफ्फरपुर से कानपुर सेंट्रल पर निर्धारित समय पर रुकने के बाद पनकी धाम से आगे की ओर बढ़ी थी। तभी भाऊपुर आउटर के पास हादसा हो गया। घटना के समय ट्रेन की गति काफी धीमी थी। जिससे बड़ा हादसा होने से बच गया। लोगों में चर्चा रही कि यदि ट्रेन तेज गति से होती तो बड़ा हादसा हो सकता था।

तीन दिन परेशानी | लखनऊ रेल मार्ग पर जैतीपुर स्टेशन के पास चल रहा कार्य, स्वर्ण शताब्दी, मेल एक्सप्रेस समेत कई ट्रेनें रहेंगी प्रभावित

झांसी पैसेंजर लखनऊ नहीं जाएगी, गोविंदपुरी से चलेगी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। कानपुर-लखनऊ खंड के जैतीपुर यार्ड में नॉन इंटरलॉकिंग कार्य के चलते झांसी से कानपुर होते हुए लखनऊ तक चलने वाली पैसेंजर ट्रेन 4 अगस्त तक झांसी से गोविंदपुरी स्टेशन (कानपुर) तक चलेगी। उत्तर मध्य जोन झांसी मंडल के जनसंपर्क अधिकारी मनोज कुमार ने बताया कि गाड़ी संख्या 51813 एवं 51814 वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी-लखनऊ पैसेंजर 4 अगस्त तक गोविंदपुरी तक संचालित होगी।

रेगुलेट की गई ट्रेन

- गाड़ी संख्या 11109 वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी - लखनऊ जंक्शन इंटरसिटी 3 एवं 4 अगस्त 2025 को 90 मिनट के लिए झांसी मंडल में रेगुलेट की जाएगी।
- गाड़ी संख्या 12522 एर्नाकुलम-बरौनी एक्सप्रेस शुक्रवार 1 अगस्त को 210 मिनट रेगुलेट की गई।
- गाड़ी संख्या 12594 भोपाल-लखनऊ एक्सप्रेस 3 अगस्त को 210 मिनट रेगुलेट की जाएगी।
- गाड़ी संख्या 12180 आगरा फोर्ट-लखनऊ 90 मिनट 3 व 4 अगस्त को रेगुलेट होगी।
- गाड़ी संख्या 12004 स्वर्णशताब्दी नई दिल्ली-लखनऊ 3 व 4 अगस्त को 50 मिनट रेगुलेट रहेगी।
- गाड़ी संख्या 19715 जयपुर-गोमती नगर 3 अगस्त को 240 मिनट रेगुलेट होगी।
- गाड़ी संख्या 19409 साबरमती-थावे एक्सप्रेस 300 मिनट रेगुलेट की जाएगी।

3 व 4 को जैतीपुर स्टेशन पर ठहराव नहीं

- 55345 लखनऊ -कासगंज पैसेंजर
- 64203 लखनऊ -कानपुर सेन्ट्रल मेमू
- 64211 लखनऊ -कानपुर सेन्ट्रल मेमू
- 64255 उतरेटिया-कानपुर सेन्ट्रल मेमू
- 55346 कासगंज - लखनऊ पैसेंजर
- 64204 कानपुर सेन्ट्रल -लखनऊ मेमू
- 64212 कानपुर सेन्ट्रल-लखनऊ मेमू
- 64214 कानपुर सेन्ट्रल-लखनऊ मेमू

अयोध्या वंदेभारत 3 और 4 अगस्त को 50 मिनट लेट चलेगी

गाड़ी संख्या 22426 आनंद विहार ट.-अयोध्या कैंट वन्दे भारत एक्सप्रेस दिनांक 03.08.25 एवं 04.08.25 को आनंद विहार ट. से 50 मिनट की देरी से अर्थात 06:10 के बजाय 07:00 बजे चलेगी तथा 30 मिनट मार्ग में नियंत्रित कर संचालित की जाएगी।

सिटी ब्रीफ

सांप लेकर चौराहा पर घूमा सपेरा, हड़कंप

कानपुर। शराब के नशे में सांप लेकर घूम रहा सपेरे ने शुक्रवार शाम गुरुदेव चौराहा पर हड़कंप मचा दिया। चौराहा पर मौजूद यातायात पुलिस कर्मी भी इधर से उधर भागते नजर आए। करीब एक घंटे तक सपेरे का ड्रामा चला, सूचना पर पहुंची पुलिस ने उसे समझाकर भेजा, तब जाकर लोगों ने राहत की सांस ली। हुए यह कि सपेरा हाथ में सांप लेकर घूम रहा था। कभी दुकान में घुस जाता तो कभी राहगीरों के आगे सांप कर देता। इससे लोग इधर-उधर भागने लगे। वहीं कई राहगीरों व दुकानदारों ने इसका वीडियो बना लिया और वायरल कर दिया। जिसमें यातायात के सिपाही भी भागते दिख रहे हैं। वायरल वीडियो देखकर पुलिस मौके पर पहुंची और किसी तरह सपेरे को समझाकर वहां से भेजा। इसके बाद चौराहा का माहौल शांत हुआ।

लापता छात्र की तलाश में खंगाले गए कैमरे

कल्याणपुर। कल्याणपुर के बैरीखेड़ा निवासी शिवम प्रजापति के अनुसार उनका 15 वर्षीय भाई सत्यम उर्फ जिगर 10वीं का छात्र है। सत्यम 29 जुलाई की दोपहर से घर से लापता है। वह किसी काम के सिलसिले में घर से निकला था, उसके बाद वापस नही लौटा है। परिजनों को उसके लापता होने का संदेह होने पर तलाश शुरू की। रिश्तेदारों व उसके दोस्तों के यहां पता किया, लेकिन कुछ पता नहीं चला। इस पर घटना की जाकनारी पुलिस को दी। कल्याणपुर थाना प्रभारी ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज चेक कर छात्र का पता लगाया जा रहा है।

ऑटो-लोडर समिति की हड़ताल 4 को

कानपुर। उत्तर प्रदेश ऑटो लोडर संयुक्त कल्याण समिति के प्रदेश अध्यक्ष विक्की जायसवाल के मुताबिक 30 7 2020 मोटर अधिनियम कानून समेत कई प्रकार के उत्पीड़न के विरोध में 4 अगस्त को ऑटो एवं लोडरों की हड़ताल रहेगी।

युवक के परिजनों से मिले जिलाधिकारी

कानपुर। अल्जीरिया की एक फैक्ट्री में हाल ही में हुए भीषण विस्फोट में कानपुर नगर के भीतरगांव ब्लॉक अंतर्गत बैरी गांव निवासी युवक की दुखद मृत्यु हो गई थी। इस हृदयविदारक घटना की सूचना पर उनके गांव पहुंचे जिलाधिकारी श्री जितेंद्र प्रताप सिंह शोक संतप्त परिवार से मुलाकात की। शुक्रवार को जिलाधिकारी बैरी गांव पहुंचे और मृतक के परिजनों को सांत्वना देते हुए उन्हें हर सम्भव सहायता प्रदान करने का आश्वासन दिया। उन्होंने संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि प्रभावित परिवार को शासन स्तर से मिलने वाली सभी आवश्यक सहायता तत्काल उपलब्ध कराई जाए।

हादसे में घायल युवती की अस्पताल में मौत

कानपुर। महाराजपुर के पुरवामीर गांव में गुरुवार सुबह ओवरब्रिज पर स्कूटी सवार दो युवतियों को किसी वाहन ने पीछे से टक्कर मार दी थी। जिसमें कानपुर देहात के भोगनीपुर रनिया की मड़ैया निवासी विजय कुमार की 27 वर्षीय पुत्री अंजू व गोविंदनगर कच्ची बस्ती के शिव नारायण की बेटी कुमकुम गंभीर रूप से घायल हुई थीं। हैलट में उपचार के दौरान गुरुवार देर रात अंजू की मौत हो गई। परिजनों के अनुसार अंजू फतेहपुर जनपद कुमकुम की ननिहाल घूमने गई थी। ननिहाल से लौटते समय हादसा हुआ था। महाराजपुर थाना प्रभारी संजय कुमार पांडेय ने बताया कि तहरीर के आधार पर कार्रवाई की जाएगी। अंजू की मौत से परिवार में कोहराम मचा रहा।

गुजैनी इलाके में कार से आए चार युवकों ने तमंचा अड़ाकर शिक्षिका को खींचा

दिनदहाड़े शिक्षिका को अगवा कर धमकाया

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- पिता ने दर्ज कराई एफआईआर कई घंटे बाद छोड़ा गया
- सीसीटीवी कैमरे के फुटेज खंगाल रही पुलिस टीम

अमृत विचार। गुजैनी में स्कूल से लौट रही शिक्षिका को चार युवकों ने गुरुवार को तमंचा अड़ाकर अगवा कर लिया। शिक्षिका अन्य शिक्षिकाओं के साथ स्कूल से निकलकर सड़क पर पहुंची थी, तभी बगल में आकर कार रुकी और युवकों ने खींच लिया। सूचना पर शिक्षिका के पिता ने एक युवक और उसके तीन साथियों के खिलाफ गुजैनी थाने में अपहरण की रिपोर्ट दर्ज कराई है।

गुजैनी इलाके की रहने वाली युवती क्षेत्र के एक पब्लिक स्कूल में शिक्षिका है। पिता के अनुसार गुरुवार दोपहर करीब डेढ़ बजे स्कूल की छुट्टी होने पर बेटी साथी शिक्षिकाओं के साथ स्कूल से घर आने के लिए निकली थी। स्कूल से कुछ दूरी पर पहुंचते ही एक सफेद रंग की कार उसके बगल में आकर रुकी और कार में बैठे चार युवक तेजी से उतरकर बेटी को कार में खींचने लगे। बेटी ने विरोध किया तो एक युवक जो रविदासपुरम का अभिषेक है। उसने बेटी को तमंचा अड़ा दिया और जबरन कार में धकेलकर बैठा लिया। कुछ ही देर में बेटी को अगवा कर भाग निकले।

शिक्षिकाओं की सूचना पर उन्होंने बेटी की तलाश शुरू की, लेकिन कुछ पता नहीं चला। बेटी का मोबाइल भी बंद मिला। वारदात की सूचना पाकर पुलिस भी तलाश में जुट गई।

पीड़ित पिता के अनुसार बेटी की खोजबीन हो रही थी, तभी कई घंटे बाद एक आरोपी बाइक से बेटी को घर से कुछ दूरी पर लाकर छोड़ गया। युवक ने जाने से पहले बेटी को धमकाया कि अगर किसी को इस बारे में बताया तो परिवार सहित जान से मार देंगे। गुजैनी थाना प्रभारी अमरनाथ विश्वकर्मा ने बताया कि घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज की जांच की जा रही है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम बनाई है, जो दबिश दे रही है। जल्द ही आरोपी पकड़े जाएंगे।

अपहरण का तीसरा आरोपी गिरफ्तार

कानपुर। बड़ा चौराहा से सगे भाईयों के अपहरण का तीसरा आरोपी गुरुवार को पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार हुआ। जवाबी कार्रवाई में आरोपी के पैर में गोली लगी। बड़ा चौराहा के समीप रहने वाले संगे भाई 10 वर्षीय फरीद व 20 माह का बालक दोपहर तीन बजे अचानक लापता हो गए थे। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज खंगालकर दोनों बच्चों को बरामद कर लिया था और दो महिला आरोपियों को गिरफ्तार किया था। पुलिस के अनुसार तीसरे आरोपी से गुरुवार देररात जाजमऊ में मुठभेड़ हुई। उसने फायर झोंक दिया। जवाबी कार्रवाई में किडनैपर के बाएं पैर में गोली लगी। पुलिस ने बताया पकड़ा गया तीसरा आरोपी वैभव गोरा कब्रिस्तान लालकुर्ती का रहने वाला है। दो आरोपियों रानी कुशवाहा और रेशमा बेगम को पहले ही जेल भेजा जा चुका है।

बैठक में शामिल ग्लाइडर्स इंडिया लिमिटेड के अध्यक्ष एमसी बालासुब्रमण्यम। अमृत विचार

समझौते की प्रगति पर हुआ मंथन

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार: एसआईआईसी, आईआईटी कानपुर और ग्लाइडर्स इंडिया लिमिटेड की शनिवार को बैठक हुई। बैठक में नवीन उत्पाद विकास के सहयोग पर चर्चा हुई।

यह संवाद पहले से हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन के तहत हुआ। जिसका उद्देश्य स्वदेशी तकनीकों को बढ़ावा देना और नवाचार आधारित स्टार्टअप्स को प्रोत्साहित करना है। बैठक में तीन संभावित उत्पाद विकास परियोजनाओं पर चर्चा हुई। इनमें रॉकेट लॉन्चरों के लिए पैराशूट पेलोड की सुरक्षित रिकवरी सुनिश्चित करने, पोर्टेबल मोबाइल जैमर बॉक्स व दूरस्थ क्षेत्रों के लिए विशेष प्रयोजन बैग रही। ग्लाइडर्स इंडिया लिमिटेड जल्द ही इन स्टार्टअप्स की मदद से सुविधाएँ स्थापित करने जा रहा है। इनमें पैराशूट सिमुलेशन सुविधा, उन्नत पैराशूट निरीक्षण और परीक्षण सुविधा शामिल हैं। बैठक में ग्लाइडर्स इंडिया लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक एमसी बालासुब्रमण्यम ने स्टार्टअप्स द्वारा तकनीकी आत्मनिर्भरता में निभाई जाने वाली भूमिका पर प्रकाश डाला। एसआईआईसी के मुख्य परिचालन अधिकारी पीयूष मिश्रा ने उद्योग और स्टार्टअप्स के बीच मजबूत साझेदारी की आवश्यकता पर बल दिया। बैठक में दोनों पक्षों ने उत्पाद प्रोटोटाइपिंग, परीक्षण और व्यावसायिकरण की दिशा में आगे बढ़ने के लिए उपयुक्त स्टार्टअप्स की पहचान पर सहमति व्यक्त की।

टीनशेड लगाते समय गिरकर मजदूर की मौत

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- परिजनों ने मुआवजे की मांग को लेकर फैक्ट्री में किया हंगामा
- हादसे और हंगामे की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शांत कराया

अमृत विचार। दादानगर में निर्माणाधीन फैक्ट्री में शुक्रवार दोपहर बगैर सुरक्षा उपकरण के टीनशेड लगा रहा मजदूर 45 फीट की ऊंचाई में नीचे गिर गया। यह देखकर फैक्ट्री कर्मी पहुंचे और मजदूर को समीप के अस्पताल ले गए, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। सूचना पर पहुंचे परिजनों ने मुआवजे के लिए हंगामा किया। इस पर पुलिस ने किसी तरह शांत कराया।

कानपुर देहात के रनिया गंगा प्रसाद का पुरवा निवासी 40 वर्षीय लल्लू प्रसाद मजदूरी करते थे। परिवार में उनकी पत्नी राजकुमारी और पांच बच्चे हैं। बड़े भाई कुंवर पाल सिंह ने बताया कि लल्लू प्रसाद रनिया के बिरोरा निवासी ठेकेदार महिपाल के अंडर में काम करते थे। महिपाल इन दिनों रतनलालनगर में सतीश शुक्ला की दादानगर स्थित फैक्ट्री का निर्माण करा रहे हैं। फैक्ट्री में टीनशेड लगाने का काम चल रहा है। शुक्रवार को लल्लू प्रसाद ऊंचाई पर काम कर रहा था। तभी नीचे गिर गया। इस पर उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

सूचना पर पहुंचे परिजनों ने मुआवजे की मांग कर फैक्ट्री के बाहर जमकर हंगामा किया। जिसकी सूचना पर पहुंची पुलिस ने किसी तरह समझाकर भीड़ को शांत कराया। पुलिस के समझाने-बुझाने पर आक्रोशित परिजन शांत हुए और शव का पंचनामा भरने दिया। गोविंदनगर थाना प्रभारी प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि परिजनों को समझाकर शव पोस्टमार्टम भेजा गया है। अभी तक तहरीर नहीं मिली है। यदि परिजन तहरीर देंगे तो उसी के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

स्क्रैप बिक्री के नाम पर 7.67 लाख रुपये की धोखाधड़ी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- रुपये वापस मांगने पर आरोपी ने दी जान से मारने की धमकी
- पीड़ित कारोबारी ने नजीराबाद थाने में दर्ज कराई एफआईआर

अमृत विचार। नजीराबाद क्षेत्र में स्क्रैप कारोबारी के साथ 7.67 लाख रुपये की धोखाधड़ी हुई। स्क्रैप कारोबारी के अनुसार एक कंपनी के मालिक ने स्क्रैप देने के नाम पर रुपये हड़प लिए। पैसों का तगादा करने पर जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित ने कोर्ट के आदेश पर रिपोर्ट दर्ज कराई है।

तात्याटोपे नगर एलआईजी फेस-टू निवासी देवेंद्र कुमार स्क्रैप कारोबारी है। देवेंद्र के अनुसार पनकी औद्योगिक एरिया साइट-पांच स्थित आरसीएस प्रोडक्ट एलएलपी फैक्ट्री में साबुन बनाने का काम होता था। फैक्ट्री बंद होने के बाद उसके मालिक समीर शिवहरे ने कबाड़ हो चुकी मशीनों सहित अन्य स्क्रैप बेचने के लिए उन्हें बुलाया। फैक्ट्री मालिक से 6.50 लाख रुपये में कबाड़ और जीएसटी मिलाकर 7.67 लाख रुपये में सौदा तय किया। रुपये देने के बाद समीर ने स्क्रैप ले जाने की बात कही। इस पर उन्होंने जुलाई 2024 को आरटीजीएस के जरिए समीर के खाते में रुपये ट्रांसफर किए।

आरोप है कि जब वह स्क्रैप लेने गए तो फैक्ट्री मालक ने देने से मना कर दिया। कुछ दिनों बाद उन्हें पता चला कि समीर ने स्क्रैप किसी और को दे दिया है। इस पर उन्होंने रुपये मांगे तो कुछ दिन टरकाने के बाद पैसे भूल जाने और जान से मारने की धमकी दी। थाने में सुनवाई न होने पर उन्होंने कोर्ट की शरण ली। थाना प्रभारी नजीराबाद राज केसर ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

पुलिस ने चोरी होने से बचाए 80 हजार रुपये

कानपुर। रेलबाजार पुलिस का सराहनीय काम सामने आया है, जिसकी प्रशांसा हो रही है। बीती 29 जुलाई की सुबह दस बजे थाने के मुख्य आरक्षी चालक जगजीवन राम माथुर ड्यूटी पर आ रहे थे, तभी रास्ते में एक युवक को सड़क के किनारे नशे की हालत में पड़ा देखा। युवक की जेब में पैसे थे, जिसे अराजक निकालने का प्रयास कर रहे थे। यह देख जगजीवन राम युवक के पास पहुंचे। इस पर अराजक भाग निकले। जगजीवन ने युवक की तलाशी ली तो उसके जेब में 80 हजार रुपये मिले। इस पर वह उसे किसी तरह थाने ले गए। युवक का नशा उतरने पर उससे पूछताछ की। युवक ने अपना नाम रेलबाजार निवासी मोहसिन बताया। कहा कि वह लोडर चालक है। तगादे के रुपये उसके पास थे। इस पर जगजीवन ने युवक को रकम लौटाई और दोबारा नशा न करने की हिदायत दी। युवक रुपये पाकर धन्यवाद दिया और चला गया।

स्क्रैप गोदाम से ढाई लाख का माल ले गए शातिर चोर

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- स्क्रैप बैट्री, तांबा और पीतल लोडर में लादकर भागे
- सीसीटीवी में हुए कैद, संदिग्धों को तलाश रही पुलिस

अमृत विचार। चकेरी के भवानीनगर में चोरों ने स्क्रैप कारोबारी के गोदाम का शटर तोड़कर स्क्रैप बैट्री, तांबा और पीतल के सामान समेत करीब ढाई लाख का माल पार कर ले गए। घटना की सूचना पर पीड़ित कारोबारी ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने जांच-पड़ताल की और सीसीटीवी फुटेज में दो चोर भी कैद हुए हैं।

कोयलानगर निवासी सुशील मिश्रा स्क्रैप का कारोबार करते हैं। सुशील ने बताया कि उनका गोदाम भवानीनगर में शिवनाथ सिंह के मकान में नीचे खंड में हैं। बीते गुरुवार की रात को वह गोदाम बंद कर घर गए थे। इसके बाद देर रात करीब दो बजे दो चोर दुकान पर आए और शटर तोड़कर गोदाम में रखे तांबे-पीतल के सामान व स्क्रैप की बैट्रियां समेत करीब ढाई लाख का माल ले गए हैं। शुक्रवार सुबह जब मकान मालिक ने दुकान का शटर टूटा देखा तो चोरी की आशंका पर सुशील को जानकारी दी। खबर पाकर मौके पर पहुंचे सुशील ने तत्काल चकेरी पुलिस से शिकायत की। पुलिस ने जांच-पड़ताल की और गोदाम के बाहर लगे सीसीटवी कैमरे खंगाले तो उसमें दोनों चोर कैद दिखे। एक युवक टोपी लगाए है और दूसरा आरोपी भी उसके समीप खड़ा है। सुशील ने बताया कि आरोपी चोरी करने के बाद लोडर में माल लादकर भागे हैं। थाना प्रभारी संतोष कुमार शुक्ला ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

कैटरिंग दफ्तर से 7 लाख रुपये चोरी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- एक दीक्षांत समारोह में कैटरिंग का हुआ था भुगतान
- कार्यालय के बक्से में रखे थे रुपये फोरेंसिक टीम पहुंची

अमृत विचार। कल्याणपुर में चोर शुक्रवार भोर पहर कैटरिंग कार्यालय का ताला तोड़कर बक्से में रखे 7 लाख रुपये ले गए। कैटरिंग संचालक सुबह जब कार्यालय पहुंचे तो दरवाजों के ताले टूटे देखकर सन्न रह गए। पैसे गायब देखकर तत्काल पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पुलिस व फॉरेंसिक टीम ने जांच-पड़ताल की।

इंदिरानगर निवासी सचिन मालवीय पेशे से कैटर्स हैं। गोवा गार्डन स्थित एक मकान में उनका कैटरिंग कार्यालय है। जहां से वह कैटरिंग का संचालन करते हैं। सचिन के अनुसार कुछ दिन पहले उन्हें एक दीक्षांत समारोह में कैटरिंग का आर्डर मिला था। जिसका भुगतान उन्हें हाल ही में मिला। उसी काम के मिले पैसे कार्यालय में बक्से में रखे थे। उन्होंने बताया कि शुक्रवार रात करीब 11 बजे वह और कर्मचारी खाना खाकर अपने-अपने घर चले गए थे। शनिवार सुबह करीब 10 बजे जब वह कार्यालय पहुंचे तो ताला टूटा मिला। कमरों के दरवाजे भी खुले थे।

कैटर्स सचिन मालवीय के अनुसार चोर पड़ोसी की निर्माणाधीन बिल्डिंग से होकर छत से होकर कार्यालय में दाखिल हुए हैं। चोरी की संभावना में उन्होंने सबसे पहले बक्से में रखा बैग देखा तो उससे पैसे गायब मिले। पीड़ित ने तत्काल घटना की जानकारी कल्याणपुर पुलिस को दी। मौक पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल पर जांच-पड़ताल की। पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने जांच कर साक्ष्य जुटाए।

कैटरिंग संचालक के कार्यालय में चोरी की सूचना पाकर कल्यानपुर विधानसभा क्षेत्र की विधायक नीलिमा कटियार मौके पर पहुंचीं और उन्होंने कैटरिंग संचालक सचिन मालवीय से घटना के बारे में पूरी जानकारी ली। विधायक ने चोरी को गंभीर बताया और मौके पर मौजूद पुलिस अधिकारियों से जल्द खुलासा करने की बात कही। पुलिस जांच कर रही है।

डीवीआर भी ले गए चोर

घटना को अंजाम देने वाले चोर शातिर हैं। बक्से से रुपये पार करने के बाद कार्यालय में लगे सीसीटीवी कैमरों का डीवीआर भी अपने साथ ले गए हैं। कल्याणपुर पुलिस के अनुसार आसपास के मकानों व इलाके में लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। कई फुटेज में संदिग्ध दिखे हैं। फिलहाल अज्ञात चोरों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच की जा रही है। जल्द चोरों को पकड़ा जाएगा।

वकील पैनल के लिए करें आवेदन

कानपुर। न्यायालय मध्यस्थता नियमावली के तहत पैनल के लिए अधिवक्ताओं से आवेदन आमंत्रित किया गया है। ऐसे इच्छुक अधिवक्ता शर्तों के अनुसार मध्यस्थ के रूप में चयनित किए जा सकते हैं जिन्हें कम से कम 10 वर्ष का विधिक व्यवसाय करने का अनुभव हो। आवेदन की अन्तिम तिथि 5 अगस्त की शाम 4 बजे तक है।

सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण/अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश कमलेश कुमार मौर्य ने बताया है कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, कानपुर नगर में उत्तर प्रदेश सिविल प्रक्रिया जिला न्यायालय मध्यस्थता नियमावली, 2021) के अन्तर्गत मध्यस्थों का पैनल तैयार किया जाना है। जिसमें मुख्यालय स्तर पर मध्यस्थ अधिवक्ता का चयन किया जाना है, जिनका कार्यकाल तीन वर्ष के लिए होगा।

हादसे में बाइक सवार युवक की मौत

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

सिराजुद्दीन

हादसे के बारे में जानकारी देते परिजन। अमृत विचार

- बर्रा सात में हाईवे पर हुआ हादसा वाहन लेकर भाग निकला चालक

अमृत विचार। बर्रा सात स्थित हाईवे पर शुक्रवार सुबह तेज रफ्तार वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत हो गई। हाईवे पर युवक को पड़ा देख राहगीरों ने हादसे की सूचना पुलिस को दी। युवक के पास मिले कागजात के आधार पर पुलिस ने परिजनों को खबर दी।

नौबस्ता के मछरिया निवासी 40 वर्षीय सिराजुद्दीन रनिया स्थित एक ऑनलाइन शापिंग कंपनी के कार्यालय में नौकरी करते थे। परिजनों ने बताया कि गुरुवार रात नाइट ड्यूटी होने के कारण वह शुक्रवार सुबह आठ बजे रनिया से घर लौट रहा था। वह बर्रा सात स्थित हाईवे पर पहुंचा था, तभी रनिया की ओर से आ रहे तेज रफ्तार वाहन ने उसकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी।

जिससे सिराजुद्दीन उछलकर दूर जा गिरा। उसे गंभीर चोटें आई। हादसा देखकर राहगीरों ने शोर मचाकर वाहन को पकड़ने की कोशिश की, लेकिन रफ्तार बढ़ाकर वह भागने में सफल रहा। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को हैलट भेजा, जहां डॉक्टरों ने उसे ब्रॉडडेड घोषित कर दिया। हादसे की खबर पाकर सिराजुद्दीन की पत्नी आसमां, बेटी निखत, अहान, फरहान में चीख-पुकार मच गई। पुलिस वाहन और चालक के बारे में पता कर रही है।

सर्वे का सहारा

टैरिफ लगाए जाने के बाद उत्पाद महंगा होने से पशोपेश में फंसे शहर के निर्यातक

अमेरिकन बाजार में टिके रहने की तलाश रहे जुगत

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। अमेरिका की ओर से टैरिफ लगाए जाने के बाद अब शहर के निर्यातक पशोपेश में है। वे यह नहीं समझ पा रहे हैं कि टैरिफ के बाद उत्पादों के बढ़े हुए रेट से वे अमेरिकन बाजार में कैसे टिक सकेंगे। निर्यातकों का मानना है कि बढ़े टैरिफ से अब उनके सामने अमेरिका के बाजार में टिकने की जुगत भिड़ानी होगी। नए ट्रेंड में अमेरिका के बाजार में गलाकाट प्रतियोगिता बढ़ेगी।

टैरिफ के बाद सबसे ज्यादा परेशानी ऐसे निर्यातकों को हो रही है जिन्होंने हाल ही में निर्यात बाजार में कदम रखा है। ऐसे निर्यातकों का कहना है कि मौजूदा बाजार के हाल उनके लिए विपरीत हैं। इस स्थिति में वे यह नहीं समझ पा रहे है कि अब आगे क्या करना है। इसी तरह पुराने कारोबारी भी उत्पादों के बढ़े हुए रेट को बाजार के अनुकूल कैसे लाए इस जुगत में लगे हुए है। ट्रंप के टैरिफ का अमेरिका के बाजारों में मुकाबला करने के लिए पुरानी कोटेशन पर पुराने निर्यातकों ने सर्वे करना शुरू कर दिया है।

टैरिफ के बाद अब अमेरिका की बाजार में टिके रहना काफी मुश्किल हो गया है। टैरिफ की वजह से ऐसे ऑर्डर पाइप लाइन में हैं उनपर सबसे अधिक संकट गहरा गया है। बातचीत चल रही है। बाजार का भविष्य समझ में नहीं आ रहा है। महीनेभर बाद कुछ स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। उत्पाद महंगा होने से बाजार में टिकना अब आसान नहीं रहा।

–वैभव सारस्वत, निर्यातक

हम लोगों जैसे नए निर्यातकों के लिए यह स्थिति काफी विपरीत है। निर्यात के लिहाज से अमेरिका एक बड़ी मार्केट है। टैरिफ लगाए जाने के बाद अब अमेरिका में हम लोग अपने उत्पादों को आसानी से नहीं बेच सकेंगे। अमेरिकी बाजार में उत्पादों को उतारने के लिए टैरिफ के बाद अब नए सिरे से सारी रिसर्च करनी होगी और रास्ता तलाशना पड़ेगा।

–संगीता सिंह, निर्यातक

शहर से लेदर के सबसे अधिक उत्पाद अमेरिका जाते हैं। वहां पर लेदर का एक बड़ा मार्केट है। इसलिए कोरोनाकाल के बाद बहुत से नए निर्यातकों ने अमेरिका की ओर रुख किया था। अब रेट बढ़ने से सबकुछ असमंजस में चला गया है। कई प्रोडक्ट ऐसे हैं जो वहां पर रेट कंप्रोमाइस नहीं कर सकेंगे। वह ट्रेंड से ही बाहर हो जाएंगे।

–मोहम्मद एहसान, निर्यातक

अमेरिका की ओर से लगाए गए टैरिफ के बाद शहर के चमड़ा उद्योग में हलचल जैसी स्थिति है। ऐसे निर्यातक जो लंबे समय से वहां से कम संख्या में प्रोडक्ट भेजकर कारोबार कर रहे हैं वे अब फंस गए हैं। बाजार से बाहर होने की आशंका है और नया बाजार मिलना मुश्किल है। ऐसे में उनके सामने अब डोमेस्टिक मार्केट के अलावा कोई विकल्प नहीं है।

–मोहम्मद हसीमुद्दीन, निर्यातक

अमेरिका के टैरिफ से टेनरियों पर मुसीबत

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के द्वारा 25 फीसदी ट्रैरिफ लगाने के ऐलान से महानगर की 400 टेनरियों के सामने संकट पैदा हो गया है और हजारों कामगारों पर बेरोजगारी की तलवार लटक गई है। सपा अमेरिकी उत्पादों का बहिष्कार करेगी।

आर्य नगर विधानसभा क्षेत्र के पीड़ीए मिशन व युवा टीम तथा व्यापारियों की बैठक महानगर अध्यक्ष हाजी फजल महमूद की अध्यक्षता में हुई। हाजी ने कहा कि अमेरिकी ट्रैरिफ से टेनारियों के हजारों कामगार बेरोजगार हो जाएंगे और टेनरियों को प्राप्त ऑर्डरों के सप्लाई पर नुकसान होगा। इससे देश की अर्थव्यवस्था में गिरावट आएगी। अमेरिकी सेब का बहिष्कार पहले कर चुकी है और अब सभी अमेरिकी उत्पादों का बहिष्कार करने के लिए पांचों विधानसभा क्षेत्रो में अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार को मंथन कर बेरोजगारी बचाने के लिए देश के उत्पादकों पर सब्सिडी देकर कामगारों को बचाना चाहिए। प्रदेश सचिव केके शुक्ला, वरिष्ठ उपाध्यक्ष शैलेंद्र यादव मिन्टू, परमवीर गंभीर, महेन्द्र सिह, शबाब अबरार, रजत मिश्रा, दीपक खोटे, शादाब आलम, अर्पित त्रिवेदी, अरमान खान, मोनू विश्वकर्मा, रवि श्रीवास्तव, सलाम इदरीसी रहे।

चट्टा संचालक के घर लाखों की चोरी

कानपुर। किदवई नगर में चोर चट्टा संचालक के घर से नकदी-जेवर ले गए। घटना के समय पूरा परिवार घर बाहर सो रहा था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच-पड़ातल की।

निरालानगर नहर पटरी निवासी बलबीर सिंह यादव का चट्टा है। बलबीर के अनुसार गुरुवार रात वह पत्नी शिवानी और बेटे के साथ घर के बाहर ही सोए थे। देर रात चोर छत से मकान में दाखिल हुए। कमरों में बेड पर तकिए के नीचे रखी चाबी से अलमारियों के लॉकर खोलकर चार लाख रुपये के जेवर व एक लाख रुपये नकद ले गए। सुबह जब उन्होंने बेटे को कोचिंग जाने के लिए जगाया तो कमरे का नजारा देखकर वह शोर मचाने लगा। किदवईनगर थाना प्रभारी धर्मेंद्र राम ने बताया कि सीसीटीवी खंगाले जा रहे हैं।

चेतावनी बिंदु की ओर बढ़ रहा गंगा का जलस्तर

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। गंगा नदी के जलस्तर फिर से बढ़ रहा है। पीछे से आ रहे पानी के बाद गंगा तटों पर निगरानी बढ़ा दी गई है। संभावित बाढ़ की रोकथाम के लिए जल आयोग एवं सिंचाई विभाग ने चौकसी बढ़ा दी है। हालांकि अभी गंगा नदी का जलस्तर सामान्य है।

कानपुर बैराज पर शुक्रवार को अपस्ट्रीम में 113 मीटर और डाउन स्ट्रीम पर 112.220 मीटर पानी रिकॉर्ड किया गया। 84,141 क्यूसेक पानी डिस्चार्ज किया गया। यहां चेतावनी बिंदु 114 मीटर और खतरे का निशान 115 मीटर पर है। अधिकारियों के अनुसार खतरे के स्तर पर अनुमानित डिस्चार्ज 5,44,373 क्यूसेक है। वहीं, शुक्लागंज गेज पर जलस्तर 110.530 मीटर है, यहां चेतावनी स्तर 113 व खतरा 114 मीटर है। हरिद्वार से 97,967 क्यूसेक और नरौरा बैराज से 97,764 क्यूसेक पानी का डिस्चार्ज किया गया है।

अधिशासी अभियंता (बाढ़ नियंत्रण) मनोज सिंह ने बताया कि फिलहाल गंगा नदी का जलस्तर चेतावनी बिंदु से दूर है, लेकिन जलस्तर में लगातार वृद्धि को देखते हुए विभागीय टीमों को अलर्ट पर रखा गया है। गंगा नदी में बाढ़ के खतरे को देखते हुए बाढ़ राहत चौकियां स्थापित करने की तैयारी की जा रही है, ताकि बाढ़ प्रभावित क्षेत्र के लोगों का बचाव किया जा सके।

लगातार बढ़ते जलस्तर से कटरी के रामपुर, बनियापुरवा और शंकरपुर सराय, चैनपुरवा के लोग दहशत में हैं। गंगा में जब भी बाढ़ आती है, इन गांवों के लोग तबाह हो जाते हैं। इससे निपटने के लिए प्रशासन ने कार्ययोजना तैयार कर ली है। 12 बाढ़ राहत चौकियां बनेंगी। अगर गंगा का जलस्तर खतरे के निशान को पार करता है तो फिर चैनपुरवा, देवनीपुरवा और घारमखेड़ा गांव में पानी भर जाएगा। ऐसे में यहां के लोगों को पलायन करना पड़ेगा।

- हरिद्वार और नरौरा बैराज से पानी छोड़ने का पड़ा असर
- केंद्रीय जल आयोग एवं सिंचाई विभाग ने निगरानी बढ़ाई

113 मीटर पर पहुंचा जलस्तर

114 मीटर पर चेतावनी बिंदु

115 मीटर पर खतरे का निशान

यहां बनेंगी बाढ़ चौकियां

- जागेश्वर मंदिर नवाबगंज, संभरपुर, परमट, डोमनपुर, पुराना कानपुर जूनियर हाईस्कूल, नागापुर और कटरी राजापुर समेत 12 स्थानों पर।

गंगा का जलस्तर बढ़ने से गोला घाट की सीढ़ियों पर पहुंचा पानी। अमृत विचार

बेतवा नदी में उफान यातायात में बदलाव

डायवर्जन

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। हमीरपुर में यमुना एवं बेतवा नदियों का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर बह रहा है जिसके कारण बाढ़ की स्थिति बनी हुई है। आवासीय, गैर आवासीय क्षेत्र जलमग्न होने के कारण घर एवं मकानों में पानी भर गया है, जन मानस, पशुओं को सड़क के किनारे आश्रय दिया गया है, ऐसे में शुक्रवार 1 अगस्त से अग्रिम आदेश तक यातायात रुट डावर्जन किया गया है। कानपुर से घाटमपुर से सुमेरपुर, कबरई महोबा की ओर जाने वाले वाहनों के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की गई है।

- शुक्रवार से अग्रिम आदेश तक यातायात में हुआ बदलाव
- सुमेरपुर, कबरई, महोबा के लिए वैकल्पिक व्यवस्था

- कानपुर से चौडगरा होते हुए कबरई।
- कानपुर से कालपी, उरई एवं बुंदेलखंड एक्सप्रेस वे होते हुए कबरई।
- कानपुर से चौडगरा और पपरेंदा होते हुए सुमेरपुर।

महोबा से कानपुर आने वाले वाहन

- महोबा की ओर से हमीरपुर, कानपुर आने वाले वाहन कबरई से बांदा, चौडगरा एवं खन्ना बुंदेलखंड एक्सप्रेस वे होते हुए आ सकेंगे।
- राठ, सरीला बिंवार क्षेत्र से कानपुर की ओर आने वाले भारी वाहन, उरई, जालौन मार्ग से होते हुए कानपुर आएंगे।

यातायात नियंत्रण के लिए बैरियर लगाया

- जनपद हमीरपुर के सभी प्रमुख स्थानों एवं बैरियरों पर स्थानीय थाना पुलिस व ट्रैफिक पुलिस की तैनाती की गई है। किसी भी यातायात समस्या होन पर मोबाइल नंबर 9473987561, 8532830132, 9454403545 एवं आपातकाल की स्थिति में यूपी 112 पर संपर्क कर सकते हैं।

सिटी ब्रीफ

शोभायात्रा में शामिल होंगे अजय राय

कानपुर। 14 अगस्त को रात 12.01 मिनट पर महानगर कांग्रेस कमेटी की ओर से चौक सराफा में स्वतंत्रता दिवस पर हर वर्ष की भांति झंडारोहण किया जाएगा जिसमें मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष अजय होंगे। शुक्रवार को महानगर अध्यक्ष पवन गुप्ता की अध्यक्षता में तिलक हाल में आयोजित बैठक में ये फैसला लिया गया। शंकर दत्त मिश्रा, चौक सराफा के अध्यक्ष शांतनु दीक्षित, अशोक दीक्षित, इमरान कुरैशी, विजय शर्मा, उमाशंकर तिवारी, अमिताभ दत्त मिश्रा, सजल तिवारी, संजय त्रिवेदी बबलू, संतोष पाठक, प्रदीप दीक्षित, हाजी इम्तियाज रईस, शिवकुमार तिवारी आदि मौजूद रहे।

हर घर तिरंगा अभियान की तैयारियां शुरू

कानपुर। 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस के हर घर तिरंगा अभियान को सफल के लिए तैयारियां शुरू कर दी हैं। क्षेत्रीय अध्यक्ष श्री प्रकाश पाल ने बताया कि हर घर तिरंगा" अभियान का विधिवत शुभारंभ 12 अगस्त को सभी जिलों में एक साथ किया जाएगा और यह अभियान 18 अगस्त तक यानि स्वतंत्रता दिवस के तीन दिन बाद तक निरंतर चलेगा। इस अभियान के माध्यम से हर नागरिक के घर पर तिरंगा फहराने का संदेश दिया जाएगा, जिससे देशभक्ति की भावना को और अधिक बल मिल सके। क्षेत्रीय मीडिया प्रभारी अनूप अवस्थी ने बताया कि "हर घर तिरंगा" के लिए 17 जिलों में जिला संयोजक एवं सह-संयोजकों की नियुक्ति कर दी गई है।

किसान निधि की आज सौगात देंगे प्रधानमंत्री

कानपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को किसानों को 20वीं सम्मान निधि की सौगात देंगे। वाराणसी में दोपहर 12 बजे संबोधित करेंगे। कानपुर बुंदेलखंड क्षेत्र के क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल ने बताया कि क्षेत्र के सभी 17 जिलों में यह कार्यक्रम भव्य रूप से आयोजित होगा। सभी जिलों के ब्लॉकों में किसानों के साथ भाजपा पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, मंडल व बूथ स्तर के कार्यकर्ता भी उपस्थित रहेंगे। प्रकाश पाल ने बताया कि सभी जिलाध्यक्षों, जिला प्रभारियों, विधानसभा संयोजकों, विस्तारकों एवं किसान मोर्चा के पदाधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है कि वे कार्यक्रम की भव्यता सुनिश्चित करें एवं अधिक से अधिक किसानों की सहभागिता हो।

विस चुनाव की बुनियाद पर विकास की बयार

गोविंद नगर और आर्य नगर विधानसभा क्षेत्र में सबसे ज्यादा होंगे विकास कार्य, तैयारियां तेज

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले शहर के विधानसभा क्षेत्रों में विकास कार्यों की नींव रख दी गई है। शासन की मंशा के अनुरूप नगरीय विकास से जुड़े विभागों ने इस बाबत प्रस्ताव बनाए थे। इसमें जनप्रतिनिधियों ने भी अहम भूमिका निभाई थी। मुख्यमंत्री की सैद्धांतिक सहमति मिलने के बाद अब इन विकास कार्यों को जमीन पर उतारने की तैयारी शुरू कर दी गई है। शहर की 10 विधानसभाओं में सबसे ज्यादा काम तीन क्षेत्रों गोविंदनगर, आर्यनगर और सीसामऊ में होना है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पिछले दिनों लखनऊ में शहर के जनप्रतिनिधियों और विभागीय अधिकारियों के साथ संवाद बैठक में शहरों की समस्याओं और जरूरतों पर चर्चा की थी। इस दौरान शहर में 5,006 करोड़ रुपये से 426 योजनाओं का कार्यान्वयन प्रस्तावित किया गया था। इनमें सड़कों और पुलों के निर्माण के साथ धार्मिक स्थलों के विकास पर मुख्यमंत्री ने सहमति दी थी।

जूही खलवा पुल पर बैरियर लगाकर रोका गया यातायात। अमृत विचार

शहरी यातायात में रफ्तार भरेंगे दो एलीवेटेड पुल

पीडब्ल्यूडी ने शासन को 13 पुलों और आरओबी के प्रस्ताव भेजे थे। शासन में विचार विमर्श के बाद मरियमपुर से बर्रा बाईपास तक एलीवेटेड पुल, पनकी पड़ाव आरओबी, पनकी धाम समानांतर आरओबी, नरोना से किदवई नगर एलीवेटेड, अफीमकोठी जूही खलवा आरओबी को सहमति दी गई है।

सपा की तीन सीटों पर खर्च होंगे 1715.44 करोड़

- शहर की 10 विधानसभा सीटों में तीन आर्यनगर, सीसामऊ और छावनी सीटें भाजपा के पास नहीं है। इसके बावजूद इन तीनों विधानसभा क्षेत्रों में 1715.44 करोड़ रुपये से विकास कार्य कराने के प्रस्ताव तैयार किए गए हैं। इसमें आर्य नगर विधानसभा क्षेत्र में 834.99 करोड़ से आठ काम होंगे। सीसामऊ में 322.83 करोड़ रुपये से 7 प्रस्तावों पर कार्य होना है। छावनी विधानसभा में 557.62 करोड़ रुपये से छह विकास कार्य प्रस्तावित हैं।

कल्याणपुर क्षेत्र में ऊंट के मुंह में जीरा

- गोविंद नगर विधानसभा क्षेत्र पर सबसे ज्यादा 1344.25 करोड़ से 19 विकास कार्यों के प्रस्ताव को सहमति मिली है। इसके मुकाबले कल्याणपुर में विकास कार्यों के प्रस्ताव को 16 हैं, लेकिन सभी काम छोटे-छोटे हैं। इन पर महज 69.71 करोड़ ही खर्च होना है।

अन्य विधानसभा क्षेत्रों में इतना खर्च

विधानसभा	बजट
बिल्हौर	720.47
बिठूर	526.31
घाटमपुर	245.47
किदवई नगर	256.54
महाराजपुर	127.43

10 विधानसभा सीटों पर 5,006 करोड़ से 426 योजनाओं का कार्यान्वयन प्रस्तावित

शिलापट पर लिखें जनप्रतिनिधि का नाम

- शासन की ओर से अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि जनप्रतिनिधियों की ओर से दी गई योजनाओं को शीघ्र स्वीकृति प्रदान कराई जाए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नगर विकास विभाग को निर्देशित किया है कि नगर विकास विभाग की ओर से कराए जा रहे विकास कार्यों से संबंधित शिलापट्ट पर स्थानीय जनप्रतिनिधि के नाम लिखा जाए।

कॉर्डियोलॉजी के सामने लगा जाम। अमृत विचार

कॉर्डियोलॉजी पहुंचने की राह आसान नहीं

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। हृदयरोगियों को जल्द से जल्द हृदय रोग संस्थान पहुंचना होता है, लेकिन जिम्मेदारों ने यहां खाने-पीने की दर्जनों दुकानें लगवा दी हैं, जिससे हार्ट के मरीजों की जान जोखिम में है।

हृदय रोग संस्थान में कानपुर के अलावा दूरदराज जिलों के मरीज आते हैं। हृदय रोग संस्थान के आसपास गोलगप्पे, चाऊमीन, चाय, पान, खाने-पीने की दुकानें लगी हैं। यहीं पर फुटपाथ बनाने के लिए भी खोदाई की गई है। स्थिति यह है कि रावतपुर रेलवे स्टेशन के सामने से कॉर्डियोलॉजी और गोल चौराहा तक वाहनों की लंबी कतारें लग रही हैं। ऑटो, टेंपो चालक बीच सड़क पर सवारी भरते रहते हैं, लेकिन ट्रैफिक टीम आंखें बंद रखती है।

हैलट के सामने भी जाम का यही हाल

- एलएलआर हॉस्पिटल के गेट पर ही दुकानें लगी हुई हैं, जिससे यहां दिन भर जाम की स्थिति बनी रहती है। यहां ट्रैफिक की टीम लगी रहती है, लेकिन सब अपने में मस्त रहते हैं। हालत यह है कि हैलट पुल बुरी तरह जाम में जकड़ रहता है और दर्जनों वाहन आपस में उलझे रहते हैं।

बुलडोजर गरजा, साफ हुआ फुटपाथ

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। महापौर प्रमिला पांडेय और नगर आयुक्त सुधीर कुमार ने शुक्रवार को 15 अगस्त तक चलने वाले अतिक्रमण अभियान की शुरुआत की। पहले दिन महापौर ने अधिकारियों के साथ ही खुद कम्पनी बाग चौराहा से कर्बला चौराहा तक और आर्य नगर चौराहा से विजय बेडसीट की दुकान तक अतिक्रमण अभियान चलवाया, जिसमें दोनों तरफ की साइड पटरियों और नाली के ऊपर स्थाई व अस्थाई अतिक्रमण को हटाया गया।

बुलडोजर को देखकर नो वेडिंग जोन में लगे ठेले वाले भाग खड़े हुए। अभियान के दौरान 30 ठेले, 26 टीनशेड, 15 गुमटी, 16 स्टील के काउन्टर, 40 फल की कैरेट, 2 जनरेटर और 1 एलईडी बोर्ड के साथ ही 26 बैनर, 9 होर्डिंग, 350 कट आउट हटाए गए। इसके साथ ही अन्य सामान को जब्त करते हुये एक लाख दस हजार रुपये का जुर्माना वसूल किया।

यातायात पुलिस की ओर से कुल 6 दो और चार पहिया वाहनों का चालान किया गया।

अभियान में सम्बन्धित क्षेत्र के एसीपी, जोनल अधिकारी जोन-4 राजेश सिंह, जोनल अभियन्ता जोन-4 नानक चन्द्र, जोनल स्वच्छता अधिकारी जोन-4 देवेन्द्र कर अधीक्षक सीमा सागर व अनूप श्रीवास्तव, राजस्व निरीक्षक कमल सिंह, कृष्ण मुरारी विश्वकर्मा, विनीत वर्मा के साथ प्रवर्तन दल की टीम उपस्थित रही।

अतिक्रमण साफ कराने के लिए सड़क पर उतरीं महापौर। अमृत विचार

- कम्पनी बाग चौराहा से आर्य नगर तक फुटपाथ से हटाया अस्थाई कब्जा
- महापौर ने नगर आयुक्त के साथ खुद खड़े होकर अभियान की शुरुआत की

मेहरबान सिंह का पुरवा से साउथ सिटी जाने वाले सड़क पर गड्ढे ही गड्ढे हैं। अमृत विचार

दिन भर फंसती, रात में पलटतीं गाड़ियां

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। केडीए की योजनाओं में गलियां छोड़िए, मुख्य मार्ग भी छलनी हो गए हैं। रामगोपाल चौराहे से साउथ सिटी जाने वाला मार्ग बुरी तरह क्षतिग्रस्त है। एक किमी मार्ग पर 1 हजार से अधिक छोटे-बड़े गड्ढे हैं। जो राहगीरों को अपनी आगोश में लेने के लिए बेताब हैं। गड्ढों में भरे पानी की वजह से दिन भर गाड़ियां फंस रही हैं, वहीं रात के समय जरा सी चूक होने पर गाड़ियां पलटते देर नहीं लगती। इससे राहगीर भी घायल हो रहे हैं।

बर्रा 8 मेहरबान सिंह का पुरवा से साउथ सिटी जाने वाली सड़क वर्षों से नहीं बनी है। यहां धीरे-धीरे गड्ढों की शक्ल बढ़ गई है। बरसात के समय में इन गड्ढों में पानी भर गया है, जिसके बीच से निकलना राहगीरों के लिए बड़ी चुनौती बना हुआ हैं। इलाकाई लोगों के अनुसार बर्रा 8, वैष्णवी विहार, मेहरबान सिंह का पुरवा, साउथ सिटी, जरौली, बनपुरवा, पिपौरी, फत्तेपुर, रमईपुर, बिधनू तक रोजना आने-जोन वाले 10 हजार से अधिक लोग इस मार्ग का रोजाना प्रयोग करते हैं। केडीए और नगर निगम की अनदेखी के चलते यहां योजना में रह रहे लोग खुद को ठगा महसूस कर रहे हैं। सड़कों पर गड्ढों के साथ ही ग्रीनबेल्ट पर भी कब्जे हो गए हैं।

सड़क के इन गड्ढों के बीच गुजरना आसान नहीं। अमृत विचार

लिखा पत्र — पीडब्ल्यूडी ने कल्याणपुर से गुरुदेव तक 3 किलोमीटर तक ड्रेनेज सिस्टम को मुख्य वजह बताया

जीटी रोड बिल्कुल खस्ताहाल, मेट्रो प्रशासन जिम्मेदार

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। कल्याणपुर थाने से गुरुदेव तक 3 किमी जीटी रोड पर चलना दूभर है। बड़े-बड़े गड्ढों और उड़ती धूल से राहगीर परेशान हैं। एनएच पीडब्ल्यूडी ने इसके लिए मेट्रो को जिम्मेदार ठहराया है। पीडब्ल्यूडी के अधिशाषी अभियंता ने मेट्रो को पत्र लिखकर कहा है कि खस्ताहाल ड्रेनेज सिस्टम की वजह से सड़कें टूट रही हैं। जब तक ड्रेनेज सिस्टम सही नहीं होगा, पैचवर्क नहीं किया जा सकता।

आईआईटी से रामादेवी चौराहे तक 18 किमी तक नेशनल हाईवे-91 पीडब्ल्यूडी के स्वामित्व में है। इस हाईवे पर आईआईटी कानपुर से गोल चौराहे तक 7 किमी में मेट्रो के स्टेशन हैं। इस हाईवे का नवीनीकरण लगभग 6 वर्ष पूर्व किया गया था, जिसके चलते इस दूरी में कई जगह पॉट होल्स हो गये थे। पीडब्ल्यूडी ने राहगीरों की समस्या को देखते हुए 20 जुलाई से 25 जुलाई तक पक्का मरम्मत कार्य करा दिया था।

इसके बाद भी कल्यानपुर थाने से गुरुदेव मेट्रो स्टेशन तक दाहिनी ओर मेट्रो के बेतरतीब ड्रेनेज सिस्टम के चलते जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो जाती है, जिससे मार्ग फिर से बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है। इसकी मरम्मत मेट्रो द्वारा ड्रेनेज सिस्टम ठीक किए बिना कराया जाना काफी चुनौतीपूर्ण है। पीडब्ल्यूडी के अधिशाषी अभियंता ने इसके संबंध में मेट्रो को पत्र भेजा है।

> जीटी रोड पर पैचवर्क के अलावा दूसरी जगह भी गड्ढे हो गए हैं। मेट्रो की ओर से ड्रेनेज की बेहतर व्यवस्था किए जाने के बाद ही जीटी रोड को गड्ढामुक्त किया जाएगा।
>
> **-अरुण कुमार जयंत, एक्सईएन पीडब्ल्यूडी (एनएच)**

जीटी रोड पर धीरे-धीरे बढ़ने लगे गड्ढे। अमृत विचार

गिट्टी उखड़ने से ब्रेक लेने पर फिसल जाते वाहन। अमृत विचार

लोगों का दर्द

> सड़क की हालत कई वर्षों से खस्ताहाल है। पहले सड़क पर छोटे गड्ढे थे, धीरे-धीरे अब बड़े हो गए हैं। हम तो दिन भर देखते हैं यहां लोगों को गड्ढों में फंसते और गिरते हुए।
>
> **- आशु**

> मेन रोड से नया राहगीर निकल नहीं सकता। लोग कहते हैं कहां फंस गए। यह सड़क दिन भर चलती है। लोग सर्विस लेन का सहारा लेते हैं।
>
> **- दिलीप यादव**

> ग्रीनबेल्ट पर लोग घरों का कूड़ा डाल देते हैं। नगर निगम ने डंपिंग प्वाइंट बनाया है, पर कोई जाता नहीं। सड़क की हालत बहुत खराब है।
>
> **- मालती**

क्या बोले पार्षद

यह पीडब्ल्यूडी की सड़क है। एक-दो दिन में कच्चा पैचवर्क करने का आश्वासन मिला है। यहां नाला नहीं बना है, इसलिए बरसात में समस्या बढ़ जाती है। सड़क किनारे नाला नहीं होने से हालत बहुत खराब है।

- रिचा अभय शुक्ला पार्षद वार्ड 82

सिटी ब्रीफ

विश्वविद्यालय में शोध पुस्तिका का विमोचन

कानपुर। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय में जुलाई संस्करण के अंतर्गत शोध पुस्तिका के दूसरे खंड का औपचारिक रूप से विमोचन किया गया। यह संस्करण मार्च से जून 2025 के बीच विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के शिक्षकों द्वारा प्रकाशित इंडेक्स शोध लेखों का दस्तावेजीकरण करता है। कैंपस रिसर्च प्रमोशन सेल द्वारा संकलित आंकड़ों के अनुसार इस चार महीने की अवधि में कुल 108 शोध लेख प्रकाशित हुए।

सीएसजेएमयू में व्याख्यान आयोजित

कानपुर। छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय के स्कूल आफ क्रिएटिव एंड परफॉर्मिंग आर्ट्स में द लाइट ऑफ़ होप विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में हार्ट सर्जन एवं फोटोग्राफर प्रो. सिद्धार्थ लखोटिया (विभागाध्यक्ष कार्डियो-थोरासिक एवं वैस्कुलर सर्जरी, चिकित्सा विज्ञान संस्थान, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी) ने विद्यार्थियों को फोटोग्राफी के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य के बारे में विजुअल प्रस्तुति के माध्यम से आवश्यक एवं महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। इस दौरान विभाग प्रभारी डॉ राज कुमार सिंह, डॉ. मिठाई लाल, डॉ. सचिव गौतम, डॉ. रणधीर सिंह, विनय सिंह सहित अन्य मौजूद रहे।

कार्यशाला में साझा किए गए अनुभव

कानपुर। छत्रपति शाहू जी महाराज इनोवेशन फाउंडेशन की ओर से 'सामाजिक उद्यमिता हेतु वित्तीय स्थिरता' विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन हुआ। कार्यशाला में देश और विदेश से प्रसिद्ध सामाजिक उद्यमिता विशेषज्ञों ने शिरकत की। जिनमें आशीष अग्रवाल (संस्थापक, ब्रिज 4 चेंज फाउंडेशन, बेंगलुरु), आनंद मिस्त्री (संस्थापक, प्रोजेक्ट चक्र, ब्रिस्टल विश्वविद्यालय, इंग्लैंड) और अभिषेक दास (सह-संस्थापक, वार्ताली, लखनऊ) प्रमुख रहे। इन वक्ताओं ने अपने अनुभव साझा करते हुये प्रतिभागियों को सामाजिक सरोकारों के साथ आर्थिक स्थिरता प्राप्त करने के व्यावहारिक उपायों की जानकारी दी।

दिल्ली सम्मेलन में जाएंगे 250 व्यापारी

कानपुर। कानपुर उद्योग व्यापार मंडल की ओर से शुक्रवार को कानपुर उद्योग व्यापार मंडल की बैठक व जनसंपर्क हुआ। इस दौरान कलेक्टर गंज, रिटेल मार्केट और ग़ल्ला मार्केट में जनसंपर्क हुआ। 3 अगस्त को दिल्ली में व्यापारी सम्मेलन के विषय पर चर्चा हुई। जिसमें महामंत्री कृपा शंकर त्रिवेदी ने बताया कि विभिन्न बाजारों से और व्यापार मंडल के 250 पदाधिकारी दिल्ली व्यापारिक सम्मेलन पहुंच रहे।

नवगीतकार अवध बिहारी श्रीवास्तव सम्मानित

कानपुर। साहित्यिक सांस्कृतिक संस्था मानसरोवर ने हल्दी के छापे, मण्डी चले कबीर एवं 'बस्ती के भीतर' काव्य कृतियों के रचनाकार नवगीतकार अवधबिहारी श्रीवास्तव को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर रचनाकार ने कहा कि गीत को जीकर लिखना चाहिए वही गीत श्रोताओं व पाठक के हृदय में स्थान बना पाता है। अध्यक्षता शिव कुमार कुंवर ने की। जयराम सिंह जय, शैलेंद्र शर्मा, बृजनाथ श्रीवास्तव, सतीश गुप्ता, हरीलाल मिलन, वाईके सिंह, डॉ मंजू श्रीवास्तव, डॉ अंजनी सरीन, डॉ अरुण तिवारी गोपाल, अक्षत व्योम, दीपक श्रीवास्तव, रंजना श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

सीएसजेएमयू में बनेंगी 16 कमेटियां

विश्वविद्यालय के पुरातन छात्रों के साथ बैठक में हुआ निर्णय

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर में शुक्रवार को पुरातन छात्रों की बैठक हुई। सीएसजेएम यूनिवर्सिटी कैंपस एलुमनी एसोसिएशन की ओर से हुई बैठक में महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। इनमें पुराने छात्र-छात्राओं को जोड़ने के लिए 16 नई कमेटियां बनाए जाने का निर्णय लिया गया।

सीएसजेएमयू के कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक की अध्यक्षता में हुई बैठक में तय किया गया कि विश्वविद्यालय में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को अवसर प्रदान करने के लिए पुराने छात्रों को आगे आना चाहिए। बैठक में कुलपति प्रोफेसर विनय कुमार पाठक ने कहा कि हमें सर्वप्रथम अपने पुरातन छात्राओं के सहयोग से वर्तमान छात्र-छात्राओं को हुनर हुनरमंद बनाना है, जिससे उनकी नियोजन क्षमता में वृद्धि हो सके। उनकी कैंपस से कॉर्पोरेट की यात्रा सफल हो सके।

बैठक को संबोधित करते कुलपति विनय कुमार पाठक। अमृत विचार

- विवि के पुराने छात्रों को जोड़ने का काम करेंगी कमेटियां

उन्होने कहा कि प्रत्येक माह पूर्व छात्र-छात्राओं की एक बैठक एवं दो व्याख्यान वर्तमान छात्रों के लिए अवश्य आयोजित किया जाए। इस दौरान प्रतिकुलपति प्रोफेसर सुधीर कुमार अवस्थी ने कहा कि किसी भी संस्थान की प्रगति में उनके पूर्व छात्रों का महत्वपूर्ण योगदान होता है। विश्वविद्यालय लगातार अपने पूर्व छात्र-छात्राओं से विभिन्न माध्यमों से संपर्क बनाए हुए हैं।

इस अवसर पर विभाग के प्रथम बैच के पूर्व छात्र नीरज श्रीवास्तव, नवदीप श्रीधर व अंकित श्रीवास्तव ने वर्तमान छात्र-छात्राओं में नवाचार एवं उद्यमिता की सोच विकसित करने के लिए एक हैकेथॉन आयोजित करने की सहमति प्रदान की।

इन कमेटियों का होगा गठन

- नवाचार एवं उद्यमिता समिति, उद्योग-अकादमिक संवाद समिति, प्रेरणा एवं परामर्श समिति, सामाजिक विकास समिति, अंतरराष्ट्रीय संबंध (एनआरआई) समिति, व्यक्तित्व विकास समिति, एलुमनी मैगज़ीन समिति, एलुमनी मीट समिति, एलुमनी चैप्टर्स समिति (राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय), ब्रांडिंग एवं प्रचार समिति, कार्यक्रम समिति, जनसंपर्क एवं औद्योगिक संबंध समिति, संस्कृति एवं विरासत समिति, परियोजना समिति, छात्रों के प्लेसमेंट समिति व योजना एवं विकास समिति।

दानिश अरीब हेड ब्वॉय चुने गए

कानपुर। कैम्ब्रिज हाई स्कूल में इन्वेस्टचर सेरेमनी' आयोजित हुई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में कर्नल स्टीफेन पीडी मौजूद रहे। जिनका स्वागत विद्यालय की प्रधानाचार्या रुचि कोहली, उपाध्यक्ष ऋचा सरीन एवं निर्देशिका नीलम मल्होत्रा ने किया। शपथ ग्रहण समारोह में हेड ब्वाय दानिश अरीब, हेड गर्ल सानिया जमाल, स्कूल प्रीफेक्ट अब्दुल्लाह जाबरी, भूमि मिश्रा, स्पोर्टस कैप्टन आर्या वीर को चुना गया। विद्यालय परिसर में कार्यक्रम के दौरान प्रधानाचार्या रुचि कोहली ने हेड ब्वॉय दानिश अरीब और हेडगर्ल सानिया जमाल तथा चारों सदन के कप्तानों को बैज तथा शपथ दिलाई।

चुने गए बच्चे

इस्कॉन मंदिर का निरीक्षण करते डीसीपी पश्चिम दिनेश त्रिपाठी।

डीसीपी ने जन्माष्टमी की तैयारियां परखीं

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को लेकर कमिश्नरेट पुलिस ने अभी से जन्माष्टमी की तैयारियां परखनी शुरू कर दी है। शुक्रवार को डीसीपी पश्चिम ने इस्कॉन मंदिर में व्यवस्थाओं का जायजा लिया और जरूरी दिशा-निर्देश दिए। जन्माष्टमी पर मंदिरों में पुलिस बल तैनाती की भी समीक्षा की।

आगामी श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर तैयारी व्यवस्था के संबंध में शुक्रवार को डीसीपी पश्चिम दिनेश त्रिपाठी ने बिठूर क्षेत्र के मंदिरों के साथ इस्कॉन मंदिर में एक जरूरी बैठक की, जिसमें पर्व के दौरान सुरक्षा, शांति और यातायात व्यवस्था को लेकर जिम्मेदारों के साथ चर्चा की। मंदिर प्रबंध समिति और पुलिस अधिकारियों को जरूरी दिशा-निर्देश देकर डीसीपी ने इस्कॉन मंदिर परिसर का भ्रमण किया।

नाट्य जुगलबंदी करेंगे दिल्ली और शहर के उम्दा कलाकार

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- प्रसिद्ध बांग्ला नाटकों का होगा प्रदर्शन सुनाई जाएंगी रचनाएं

अमृत विचार। दिल्ली और शहर के कलाकारों की नाट्य जुगलबंदी देखने को मिलेगी। उत्सारन संस्था की ओर से इसके लिए 3 अगस्त को नाट्य समारोह 'उच्छास' आयोजित किया जा रहा है। इस नाट्य महोत्सव में बांग्ला भाषा के प्रसिद्ध नाटकों का मंचन कलाकारों की ओर से किय जाएगा।

यह जानकारी शनिवार को उत्सारन संस्था के मीडिया प्रभारी पुलक भट्टाचार्या ने दी। उन्होंने बताया कि नाट्यउत्सव व बांग्ला संस्कृति मेला 'उच्छास' का आयोजन महाराष्ट्र भवन सभागार खलासी लाइन में होगा। एक दिवसीय इस बॉग्ला नाट्यउत्सव में नई दिल्ली और नगर की कई नाट्य संस्थायें भाग लेंगी। कार्यक्रम की शुरुआत 'सृजनी नई दिल्ली' द्वारा 'अविजीत बैनर्जी' लिखित और निर्देशित, तीन लघु नाटक 'बाघ', 'घोंटोकेर बिचार', 'सीतानाथपुर' से होगा। इसके बाद 'बनानी मुखर्जी' लिखित और 'पीके सरकार' निर्देशित लघु नाटिका 'आ मोरी बाँग्ला भाषा' की प्रस्तुती होगी।

इसके बाद उत्सव का तीसरा आकर्षण रहेगा 'समरेश बासु' रचित और 'सुहान बासु' निर्देशित नाटक 'पाप' की प्रस्तुति होगी। अंतिम प्रस्तुति अर्मापुर बंग संस्कृति सम्मेलन द्वारा 'गौतम राय" लिखित एवं 'गौतम चाकी, सुरोजीत दास गुप्ता' द्वारा निर्देशित नाटक 'गोबरा पालियेछे' होगी। कार्यक्रम की शुरुआत आर्किटेक्ट समीर चक्रवर्ती करेंगे। मुख्य अतिथि के रूप में प्रबीर कुमार सरकार होंगे। संचालन मृदुल घोष विश्वास का रहेगा।

हिंदी वाद-विवाद में शौर्या और अन्वी अव्वल

संवाददाता,कानपुर

अमृत विचार। केडीएमए इण्टर नेशनल में कानपुर सहोदय स्कूल्स द्वारा 'हिन्दी वाद-विवाद प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया जिसमें दक्षिण कानपुर महानगर के लगभग 31 विद्यालयों के प्रतिभागियों ने भाग लिया। डीपीएस बर्रा की छात्रा शौर्या चौहान ने पक्ष में प्रथम एवं अन्वी वर्मा ने विपक्ष में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

डा. वीरेन्द्र स्वरूप, पनकी की छात्रा अंषिका वर्मा व आर्चीज हायर सीनियर सेकेण्डरी स्कूल के छात्र अंषगिरी ने पक्ष में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। डा. वीरेन्द्र स्वरूप, पनकी की छात्रा आर्या सिन्हा ने विपक्ष में द्वितीय स्थान प्राप्त किया एवं दून इण्टरनेशनल की छात्रा आख्या सिंह ने विपक्ष में तृतीय स्थान प्राप्त किया।

केडीएमए की प्रधानाचार्या प्रियंका सहगल ने पौधे भेंटकर प्रतियोगिता निर्णायक मण्डल का अभिनंदन किया। प्रतियोगिता में कक्षा 6-8 के प्रतिभागियों ने भाग लिया। सभी प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक अपने विचारों और भावों को तर्क के माध्यम से व्यक्त किया। प्रतियोगिता में प्रतिभागियों का उत्साह देखने योग्य था। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय की एक्टीविटी इंचार्ज भारती सिंह ने प्रतियोगिता का परिणाम घोषित किया। निर्णायक मण्डल ने प्रतिभागियों को प्रतियोगिताओं में सदैव बढ़चढ़ कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया। निर्णायक मंडल में प्रो. सुमन सिंह, कामिनी त्रिपाठी, हिन्दी विभागाध्यक्ष (सेंट एलायसिस स्कूल) एवं प्रो. सुशील कुमार अग्निहोत्री (कैप्टन सुखवासी सिंह स्मारक डिग्री कालेज, घाटमपुर) उपस्थित थे। संचालन विद्यालय की छात्रा अंषिका गुप्ता तथा आराध्या अवस्थी ने किया।

वाद-विवाद प्रतियोगिता के विजेता बच्चे के साथ शिक्षिकाएं।

- कानपुर सहोदय स्कूल्स की ओर से आयोजित कराई गई प्रतियोगिता

संकट से निपटने के लिए 'जल विश्वविद्यालय' बने

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- हर स्कूल में पानी की पाठशाला होना चाहिए अनिवार्य
- युवा पीढ़ी को जल संरक्षण की शिक्षा जरूरी बताया

अमृत विचार। प्रदूषित हवा, दूषित जल और बदलती जलवायु को लेकर आईआईटी कानपुर में सेमिनार आयोजित हुआ। सेमिनार में जल संरक्षण के विषय पर गहन चर्चा हुई। इस सेमिनार के मुख्य वक्ता और पद्मश्री सम्मानित जल योद्धा उमाशंकर पांडे ने विचार व्यक्त किए। कहा कि जल संकट से निपटने के लिए देश में 'जल विश्वविद्यालय' का निर्माण अत्यंत आवश्यक है।

सेमिनार में उमाशंकर पांडे ने बताया कि बुंदेलखंड और कानपुर जिला, दिल्ली मुजफ्फरनगर शामली झांसी में वे 'जल शक्ति विद्यापीठ के माध्यम से बगैर सरकारी मदद के समुदाय आधारित पानी की पाठशालाएं चला रहे हैं। इस मॉडल से बच्चों को पारंपरिक और प्रभावी जल संरक्षण की तकनीकें सिखाई जाती हैं। उन्होंने यह भी जोर दिया कि प्रदेश के प्रत्येक विद्यालय में सप्ताह में कम-से-कम एक दिन पानी की पाठशाला आयोजित होनी चाहिए ताकि युवा पीढ़ी को अपने पूर्वजों द्वारा अपनाई गई जल संरक्षण और पानी पर खेती की प्राचीन विधियों के बारे में जानकारी मिल सके।

उन्होंने कहा, जल संकट तेजी से बढ़ रहा है। यदि हम आने वाली पीढ़ी को सुरक्षित भविष्य देना चाहते हैं, तो पेड़ और जल संरक्षण की शिक्षा समाज के हर स्तर तक पहुंचाना होगी। हमें अपने पूर्वजों के जल संचयन के ज्ञान को पुनर्जीवित करना होगा। सेमिनार का आयोजन स्वीडन के गोथनबर्ग विश्वविद्यालय के प्रोफेसर रविकांत पाठक ने किया। आईआईटी कानपुर के प्रोफेसर देवी प्रसाद मिश्रा ने संयोजन किया। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश सरकार के एकीकरण विभाग के सचिव हीरालाल भी मौजूद रहे।

श्रृंगार से सजी हरियाली तीज

मुस्कान फाउंडेशन ट्रस्ट परिवार की ओर से शुक्रवार को गीतानगर के होटल में हरियाली तीज श्रृंगार उत्सव मनाया गया। महापौर प्रमिला पांडेय ने शुरुआत की। महिलाओं ने सोलह श्रृंगार कर प्रतियोगिताओं में भाग लिया। प्रसिद्ध लोकगीत सैया मिले लरकइयां पर सरिता गुप्ता के नृत्य ने सबका मन मोह लिया। पिया मेहंदी लियादा मोतीझील गीत गाकर धूम मचाई।

स्टार्टअप के लिए उपकरण, उत्पाद मिलेंगे

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- सीएसजेएमयू का अमेरिका स्थित कंपनी के साथ एमओयू

अमृत विचार। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर का अमेरिका स्थित कंपनी अल्टेयर के साथ शुक्रवार को एमओयू हुआ। इस एमओयू के तहत कंपनी विश्वविद्यालय के स्टार्टअप को प्रोत्साहित करने के लिए जरूरी उपकरण और अन्य उत्पाद प्रदान करेगी। इस समझौते को युवाओं के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

समझौते के तहत कंपनी का प्रतिनिधित्व अकादमिक उपक्रम प्रमुख बीएस रमेशा ने किया। बताया गया कि समझौते के तहत कंपनी बैटरी, इलेक्ट्रॉनिक वाहन इंजीनियरिंग, पावर इलेक्ट्रॉनिक्स और अन्य संबंधित क्षेत्रों में शैक्षणिक गतिविधियों और स्टार्टअप प्रोत्साहन के लिए अनुसंधान एवं प्रशिक्षण के लिए मॉडलिंग और सिमुलेशन उपकरण और उत्पाद प्रदान करेगा। कहा गया कि कंपनी के सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर के माध्यम से छात्र और संकाय सदस्य स्वचालन और यांत्रिक इंजीनियरिंग में आवश्यक कौशल निर्माण के लिए इनका उपयोग कर सकेंगे। इस दौरान पर प्रो. विनय कुमार पाठक ने शिक्षा और उद्योग के बीच संतुलन और व्यापक अंतर्संबंधों की आवश्यकता पर बात की। इससे प्रारंभिक चरण में रोजगार सृजन के लिए छात्रों के कौशल विकास पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। कार्यक्रम का समन्वयन डॉ. अंशु सिंह, एसोसिएट डीन अकादमिक और समझौता ज्ञापन के लिए मुख्य संपर्क अधिकारी द्वारा किया गया। उन्होंने समझौता ज्ञापन के उद्देश्यों पर एक संक्षिप्त रूपरेखा प्रस्तुत की। संबद्ध महाविद्यालयों के प्राचार्यों ने समारोह में भाग लिया।

कार्यालय जिला पंचायत कन्नौज

संख्या-134/अ0मु0अ0/जि0पं0/2025-26 दिनांक: 14-07-2025

कोटेशन विज्ञप्ति

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मा0 अध्यक्ष, जिला पंचायत, कन्नौज को प्रयोगार्थ एक नवीन मॉडल इनोवा व्यवसायिक/ कॉमर्सियल वाहन की आवश्यकता है। इच्छुक व्यक्ति/ फर्म द्वारा अपना वाहन मय चालक सहित निम्न विवरण के अनुसार कार्यालय में मासिक किराये पर सम्बद्ध करने हेतु सीलबन्द कोटेशन दिनांक 04.08.2025 को कार्यालय जिला पंचायत में 01.00 बजे तक आमन्त्रित किये जाते हैं। जो उसी तिथि को 03:00 बजे कोटेशनदाताओं की उपस्थिति/ अनुपस्थिति में नामित समिति के सदस्यों द्वारा खोले जायेंगे।

शर्तें :-

1. वाहन मालिक को वाहन चालक सहित कार्यालय में उपलब्ध कराना होगा।
2. वाहन में प्रयुक्त होने वाला डीजल विभाग द्वारा देय होगा।
3. वाहन के कागजात रजिस्ट्रेशन/बीमा/चालक का लाइसेन्स की प्रमाणित छायाप्रति कोटेशन के साथ संलग्न करना अनिवार्य होगा।
4. वाहन मा0 अध्यक्ष महोदया द्वारा प्रयोग में लाया जायेगा।
5 वाहन व्यवसायिक/ कॉमर्सियल होना चाहिए।
6. अन्य शर्तें कार्यालय दिवस में देखी जा सकती है।

अपर मुख्य अधिकारी
जिला पंचायत, कन्नौज

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार

क्लासीफाइड

वर्गीकृत विज्ञापन हेतु अमृत विचार अखबार के कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

मैने अपना नाम JAN MOHD से बदलकर JAN MOHAMMAD रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/O-GULAM MOHAMMAD, ADD-PAREWA KHAN, DIST-BAHRAICH-271875 (U.P)

सूचना

सूचित किया जाता है कि मेरे मकान संख्या D 2/94, विवेक खंड, गोमती नगर, लखनऊ का मूल आवंटन पत्र खो गया है। किसी भी प्रकार का उपयोग अवैध होगा। **सूर्य प्रकाश हवेलिया, पुत्र ओम प्रकाश हवेलिया D 2/94, विवेक खंड, गोमती नगर, लखनऊ, पिन-226010**

सूचना

सूचित हो कि मैं **सतीश कुमार पुत्र श्री विश्वनाथ अवस्थी निवासी 554ग /293 दामोदर नगर नियर सरदार पटेल स्कूल आलमबाग लखनऊ,** मेरी पुत्री चाहत अवस्थी उर्फ पूनम कक्षा 10 की छात्रा है। मैने अपनी पुत्री चाहत अवस्थी उर्फ पूनम का नाम बदल कर केवल चाहत अवस्थी रख दिया है। अतः स्कूल के अभिलेखों में उसका नाम चाहत अवस्थी उर्फ पूनम के स्थान पर चाहत अवस्थी दर्ज किया जाये।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे भाई के आधार कार्ड संख्या 590301473002 में नाम छोटू पुत्र भगवान दास जन्मतिथि 02.07.2006 दर्ज है, जबकि जन्म प्रमाण पत्र एवं विद्यालयी अभिलेख व निवास प्रमाण पत्र में सही नाम आयांश पुत्र भगवान दास जन्मतिथि 12.04.2008 अंकित है। आधार कार्ड में मेरे भाई का नाम छोटू की जगह आयांश तथा जन्मतिथि 02.07.2006 के स्थान पर 12.04.2008 अंकित किया जाय। **-केशवराम चौरसिया पुत्र भगवान दास चौरसिया,ग्राम- चमेला, पोस्ट-हैरिंग्टनगंज, तहसील- मिल्कीपुर, अयोध्या।**

सूचना

सूचित हो कि मेरे पुत्र आदित्य दुबे का गृलत संगति में पड़कर चाल चलन असामाजिक हो गया है वह मेरे साथ आये दिन अभद्र भाषा का प्रयोग कर झगड़ा फ़साद करता रहता है इन कृत्यों से तंग आकर हम अपने बेटे आदित्य को अपनी समस्त चल-अचल संपत्ति से बेदखल करती हूं उक्त द्वारा किए गए किसी भी कृत्य से मेरी कोई जिम्मेदारी नहीं होगी वह स्वयं जिम्मेदार होंगा। **-विनिता दुबे पत्नी प्रदीप कुमार निवासी मोहल्ला रामकृष्ण नगर गुरसहायगंज थाना गुरसहायगंज जनपद कन्नौज**

सूचना

सूचित हो कि मैं **द्रोपदी पत्नी देवीसरन निवासी ग्राम जमुआ उछाहपाली तहसील मिल्कीपुर जिला अयोध्या**, मेरी LIC बीमा पॉलिसी में मेरा नाम त्रुटिवश देवमती यादव दर्ज हो गया है जो कि गलत है। जबकि आधार कार्ड तथा अन्य कागजात में मेरा सही नाम द्रोपदी अंकित है जो कि सही है। अतः LIC बीमा पॉलिसी में मेरा सही नाम द्रोपदी दर्ज किया जाय। मुझे द्रोपदी के नाम से ही जाना पहचाना जाता है।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं **लालती देवी पत्नी श्री राम अवतार निवासी मोहल्ला तीर्थ वार्ड नगर पंचायत हरगांव तहसील व जिला सीतापुर** की मूल निवासी हूं / पूर्व में मेरा नाम त्रुटिवस आधार पर लल्ली देवी पत्नी श्री राम अवतार हो गया था मैंने आधार पर अपना नाम संशोधित कराते हुए लालती देवी पत्नी श्री राम अवतार करवा लिया है मेरा आधार संख्या 858583214231 है / अब मैं इसी नाम से जानी व पहचानी जाऊंगी।

बताए गए लाभ | राष्ट्रीय स्तर पर शैक्षणिक और अनुसंधानात्मक अवसरों के खुलेंगे द्वार

मेडिकल कॉलेज में नेम्स सेल की शुरुआत

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज में नेम्स सेल की शुरुआत हुई। इस सेल के खुलने से राष्ट्रीय स्तर पर शैक्षणिक और अनुसंधानात्मक अवसरों के द्वार खोल सकेंगे। इस दौरान हुए आयोजन में इस सेल के शुरु होने के लाभ सभी को बताए गए।

नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज (नेम्स) सेल की शुरुआत डॉ. राजेन्द्र प्रसाद, निदेशक चिकित्सा शिक्षा एवं विभागाध्यक्ष पल्मोनरी मेडिसिन, एरा लखनऊ मेडिकल कॉलेज द्वारा की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता उपप्रधानाचार्य डॉ. ऋचा गिरी ने की। डॉ. ऋचा गिरी ने उन्होंने कहा कि नेम्स जैसे प्रतिष्ठित मंच से जुड़ना हमारे शिक्षकों और छात्रों के लिए राष्ट्रीय स्तर पर शैक्षणिक और अनुसंधानात्मक अवसरों के द्वार खोलेगा। इस दौरान डॉ. राजेन्द्र प्रसाद ने दो प्रमुख विषयों पर चर्चा की। जिसमें नेम्स इंडिया का परिचय और चेस्ट एक्सरे की व्याख्या शामिल थी। कॉलेज में नेम्स सेल की स्थापना की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए सेल की नोडल अधिकारी डॉ. रेनू गुप्ता ने बताया कि इस सेल का उद्देश्य फैकल्टी, रेजिडेंट्स एवं स्नातकोत्तर छात्रों को नेम्स की शैक्षणिक गतिविधियों से जोड़ना, अनुसंधान को प्रोत्साहन देना व राष्ट्रीय स्तर पर विद्वानों के साथ संवाद का मंच प्रदान करना है।

नेम्स की शुरुआत करते निदेशक डॉ.राजेंद्र प्रसाद।

कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ. संजय काला ने यह बताया कि नेम्स सेल के माध्यम से जीएसवीएम के छात्रों और शिक्षकों को फेलोशिप, कार्यशालाओं, सेमिनारों एवं पब्लिकेशन से जुड़े अवसर प्राप्त होंगे। जिससे उनका अकादमिक और प्रोफेशनल विकास तीव्र होगा। यह सेल छात्रों को मेडिकल रिसर्च की दिशा में मार्गदर्शन देने के साथ-साथ राष्ट्रीय मंचों पर अपनी पहचान स्थापित करने में सहायक सिद्ध होगा। कार्यक्रम का संचालन डॉ. शालिनी, प्रोफेसर, नेत्र विज्ञान विभाग द्वारा किया गया।

लायंस क्लब ने अस्पताल में भोजन वितरित किया।

लायंस शक्ति ने कैंसर अस्पताल में की सेवा

संवाददाता,कानपुर

अमृत विचार। नव गठित लायंस क्लब कानपुर शक्ति ने लायनिस्टिक वर्ष 2025-26 की पहली सेवा जेके कैंसर हॉस्पिटल में भर्ती मरीजों एवं उनके परिजनों के लिए निःशुल्क भोजन वितरण के साथ सहयोग एवं संवेदना प्रदान करके की।

मुख्य अतिथि विधायक नीलिमा कटियार ने क्लब सदस्यों की सेवा भावना की सराहना की। पूर्व मंडलाध्यक्ष लायन वंदना निगम ने महिला सदस्यों का उत्साहवर्धन किया। अध्यक्ष लायन रुचि अग्निहोत्री, कीर्ति टंडन, आशु गुप्ता, भूमिका सक्सेना, मालविका मिश्रा, प्रीति साहू, उषा पांडेय, राखी बाजपेयी, महिमा बाजपेयी, वीना मिश्रा व गुंजन आनंद उपस्थित रहीं।

न्यूज ब्रीफ

5 को होगा विद्युत चलित चाक के आवेदकों का साक्षात्कार

उन्नाव : जिला ग्रामोद्योग अधिकारी संजीव सिंह ने कहा कि माटीकला टूल-किट्स वितरण योजना के तहत विद्युत चालित कुम्हारी चाक व पगमिल के लिये आवेदन करने वालों का साक्षात्कार सीडीओ की अध्यक्षता में 5 अगस्त को 11:30 बजे से विकास भवन सभागार में होगा। इसमें आवेदकों को समय से पहुंचना अनिवार्य है। अनुपस्थित होने पर आवेदक के आवेदन पर विचार करना सम्भव नहीं होगा।

मेले में 13 अभ्यर्थियों को मिली नौकरी

उन्नाव : जिला विकास अधिकारी व जिला रोजगार कार्यालय के सहयोग से जीडीएक्स सिक्योरिटी ग्रुप ग्रेटर नोएडा द्वारा शुक्रवार को सुमेरपुर विकासखंड में रोजगार मेला आयोजित हुआ। जिसमें 22 अभ्यर्थियों ने भाग लिया। इसमें 13 का चयन किया गया। बताया गया कि अगला भर्ती कार्यक्रम 2 अगस्त को बीघापुर विकासखंड में सुबह 10:30 बजे होगा। वहीं 4 अगस्त को विकासखंड सिकंदरपुर करन में मेला आयोजित होगा। इच्छुक युवा अपनी 10वीं पास या अधिकतम प्रमाणपत्र की छायाप्रति व आधारकार्ड की छायाप्रति, दो पासपोर्ट साईज फोटो के साथ खुद ब्लाक सभागार पहुंचकर आफलाईन आवेदन कर सकते हैं। शिविर में दूसरे जिले के युवा भी ब्लाक सभागार पहुंचकर आफलाईन आवेदन कर सकते हैं।

समाधान दिवस में डीएम सुनेंगे शिकायतें

उन्नाव : संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन जिलाधिकारी गौरांग राठी की अध्यक्षता में पुरवा तहसील में 2 अगस्त को सुबह 10 से 2 बजे तक होगा। जिसमें सभी जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहेंगे। इसी प्रकार तहसील बीघापुर में सीडीओ, सदर में एडीएम वित्त एवं राजस्व, सफीपुर में एडीएम न्यायिक, हसनगज व बांगरमऊ में संबंधित एसडीएम की अध्यक्षता में सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजित होगा। बताया गया कि यदि किसी की समस्या या शिकायत हो तो वह संबंधित तहसील में सम्पूर्ण समाधान दिवस में उसका निराकरण करा सकता है।

दो लोडरों में घुसा अनियंत्रित डंपर

नवाबगंज, उन्नाव : चौकी नवाबगंज क्षेत्र के कस्बा नवाबगंज में लखनऊ से कानपुर जा रहा डंपर अचानक अनियंत्रित होकर नहर पुलिया के पास एक स्पेयर पार्ट की दुकान के बाहर खड़े दो लोडरों को टक्कर मारते हुये रुक गया। जिससे दोनों लोडर क्षतिग्रस्त हो गये। दुकान के कर्मचारी अंसारी ने बताया कि घटना सुबह 4 बजे की है। इसमें वहां रहे लोग बाल-बाल बच गये। चौकी इंचार्ज मुकुल दुबे ने बताया कि इसकी उन्हें कोई जानकारी नहीं है। अगर कोई शिकायत आती है तो जांचकर कार्यवाही की जाएगी।

युवती को भगाने का आरोपी गिरफ्तार

शुक्लागंज (उन्नाव) : थाना गंगाघाट पुलिस ने युवती को बहला-फुसलाकर भगाने के मामले में वांछित आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अधीक्षक उन्नाव के निर्देशन में अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। कोतवाली प्रभारी ने बताया कि परिजनों ने 20 जुलाई को थाना गंगाघाट में मुकदमा दर्ज कराया था। शुक्रवार को बालूघाट चौकी इंचार्ज गजेन्द्र सिंह ने मुखबिर की सूचना पर आरोपी मोहम्मद शोएब निवासी गंगानगर को बालूघाट तिराहे के पास से गिरफ्तार कर लिया।

कांवड़ियों को सुविधा के सारे दावे खोखले

अमृत विचार पड़ताल: शिविरों में लगे मिले ताले और तैनात किए गए कर्मचारी रहते हैं नदारद

टोल प्लाजा के पास बने शिविर में लटकता ताला। अमृत विचार

खाली पड़ा अजगैन का शिविर, नहीं मौजूद कोई कर्मचारी। अमृत विचार

शिविर का गेट खुलने का इंतजार करती मेडिकल टीम। अमृत विचार

संवाददाता, नवाबगंज उन्नाव

अमृत विचार: सावन माह में बड़ी संख्या में कांवड़िये उन्नाव के घाटों से गंगाजल लेकर जाते हैं। इसलिए उनकी सुविधा के लिए हाईवे किनारे बनाए गये शिविरों में सरकारी कर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है। लेकिन, क्षेत्र में हाईवे पर बने शिविरों से गुरुवार को जिम्मेदार नदारद रहे।

बता दें कि नवाबगंज विकासखंड के हाईवे से गुजरने वाले कांवड़ियों को कोई असुविधा न हो इसके लिए हाईवे पर छह जगह शिविर लगाए गए हैं। इनमें मेडिकल टीम व अन्य सरकारी कर्मचारियों को तैनात किया गया है। लेकिन शुक्रवार को आशाखेड़ा व अजगैन के शिविर पर तैनात जिम्मेदार नदारद रहे। वहीं बिचपरी शिविर में केवल सफाई कर्मी मौजूद थे। टोल प्लाजा के पास गौशाला स्थित शिविर के गेट में ताला लगा था। हालांकि मेडिकल टीम बाहर खड़ी थी। केवल सोहरामऊ व बजेहरा शिविरों में ही टीमें पूरी तरह मुस्तैद रहीं। जहां एलटी मनोज व अन्य कर्मचारी ड्यूटी पर थे।

कांवड़ियों को नहीं मिल पा रहा लाभ: कांवड़ियों के जाने का प्रमुख रास्ता लखनऊ-कानपुर हाईवे है। बजेहरा गांव का जो शिविर है वह हाईवे से 50 मीटर अंदर है। जिससे उस रूट से जाने वाले कांवड़ियों का इसका समुचित लाभ नहीं ले पाते हैं।

क्या बोले जिम्मेदार

वहीं सीएचसी नवाबगंज के अधीक्षक डॉ. राजेश कुमार ने बताया कि अभी तक कोई ऐसी शिकायत नहीं मिली है। जब कोई शिकायत मिलेगी तब कार्रवाई की जाएगी।

अब घर बैठे कर सकेंगे स्पीड पोस्ट, रजिस्ट्री बुकिंग

संवाददाता, उन्नाव

अमृत विचार: डाक विभाग द्वारा डाकघर की कार्यप्रणाली में परिवर्तन करते हुए डाकघरों को स्मार्ट बनाया जा रहा है। इसके तहत एपीटी 2.0 (उन्नत डाक प्रोद्यौगिकी) की शुरुआत की जा रही है। इसमें ग्राहक एप के माध्यम से डाक की सभी सेवाओं का प्रयोग कर सकेंगे। इसमें घर बैठे बुकिंग के साथ बुक की गयी डाक की पिकअप सर्विस का लाभ भी मिलेगा। वहीं, ग्राहक यूपीआई व क्यूआर के माध्यम से भुगतान भी कर सकेंगे। लेनदेन सुरक्षित बनाने के लिए क्यूआर कोड का भी उपयोग होगा।

जानाकारी के मुताबिक यह एप्लीकेशन कानपुर मंडल के उन्नाव व कानपुर देहात से सम्बंधित सभी शहरी व ग्रामीण डाकघरों में 4 अगस्त से लागू हो रही है। वहीं डाक अधीक्षक कानपुर सर्वेश कुमार ने बताया कि डिजिटल इंडिया जैसे अभियान में कदम से कदम मिलाकर चलने के लिए डाकघर को तैयार करने का काम शुरू किया गया है जो डिजिटल उत्कृष्टता व राष्ट्र निर्माण की दिशा में हमारी यात्रा में एक बड़ी छलांग है।

सुविधा

- एप के जरिए मिलेंगी डाक सेवाएं क्यूआर से कर सकेंगे भुगतान
- उन्नाव व कानपुर देहात से सम्बंधित डाकघरों में होगा लागू

संदिग्ध हालात में घर के पास पड़ा मिला युवक का शव, कोहराम

कार्यालय संवाददाता, उन्नाव

पोस्टमार्टम हाउस में बिलखते परिजन। अमृत विचार

अमृत विचार: दही थानाक्षेत्र के चांदपुर गांव निवासी युवक का शव घर के पास एक मंदिर के चबूतरे में संदिग्ध हालात में पड़ा मिला। परिजनों ने उसकी मौत को लेकर मौखिक तौर पर हत्या करने की आशंका जताई है। इस पर पुलिस को जांच में कोई जाहिरा चोट नहीं मिली। परिजनों की आशंका पर पुलिस ने पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई का आश्वाशन दिया है।

चांदपुर गांव निवासी अनूप (30) पुत्र स्व. दुलारे मजदूर था। वह शराब पीने का भी लती था। करीब तीन साल पहले उसने अपना एक मकान बेचा था इसके बाद वह पूरा दिन शराब पीता था। पत्नी के विरोध करने पर अक्सर वह घर से गायब रहता था। चर्चा है कि वह बीते कई

- परिजनों ने मौखिक तौर पर जताई हत्या किए जाने की आशंका

दिनों ने घर नहीं गया था। गुरुवार देररात वह नशे में गांव के एक घर के बाहर लेटा था। इस पर गृहस्वामी ने उसे अपने घर जाने को कहा तो वह वहां से उठकर अपने घर से कुछ दूर पहले एक मंदिर के चबूतरे में लेट गया। सुबह स्कूली बच्चों को लेने पहुंची वैन के चालक ने उसे अचेत पड़ा देख उसकी पत्नी को इसकी जानकारी दी। इस पर पत्नी सुनीता ई-रिक्शा से उसे जिला अस्पताल लाई। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। यह सुनते ही परिजनों में कोहराम मच गया। परिजनों ने उसकी मौत को लेकर संदेह जताया है। इस पर पहुंची दही पुलिस ने जांच कर शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

अवैध कट बंद करने व डिवाइडर मरम्मत का कार्य शुरू

संवाददाता, शुक्लागंज (उन्नाव)

हाईवे पर बने अवैध कट को बंद करने का होता काम। अमृत विचार

अमृत विचार: कानपुर-लखनऊ हाईवे पर अवैध कट और टूटे डिवाइडरों के चलते आए दिन हो रही दुर्घटनाओं को देखते हुए प्रशासन सक्रिय हो गया है। शुक्रवार को राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने जिलाधिकारी उन्नाव गौरांग राठी के निर्देश पर कई अवैध कटों को बंद कर डिवाइडरों की मरम्मत का कार्य शुरू कराया।

गौरतलब है कि हाल ही में क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी उन्नाव द्वारा बदरका चौराहा से लेकर जाजमऊ गंगा पुल तक का निरीक्षण किया गया था। निरीक्षण के दौरान हाईवे पर कई स्थानों पर अवैध रूप से बनाए गए कट और टूटे हुए डिवाइडर चिन्हित किए गए। आरटीओ ने इस स्थिति की विस्तृत रिपोर्ट जिलाधिकारी को प्रेषित की थी।

- कानपुर-लखनऊ हाईवे पर होने वाले हादसों के चलते सक्रियता

इस रिपोर्ट पर संज्ञान लेते हुए डीएम ने तत्काल एनएचएआई को निर्देशित किया कि चिन्हित अवैध कटों को बंद कराकर डिवाइडरों की मरम्मत कराई जाए, जिससे दुर्घटनाओं की रोकथाम हो सके और यातायात सुचारू रूप से संचालित हो। इसी क्रम में शुक्रवार को एनएचएआई की टीम ने कार्यवाही करते हुए अवैध कटों को बंद किया और डिवाइडरों की मरम्मत कर उन्हें सुरक्षित बनाया। स्थानीय लोगों ने प्रशासन की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि लंबे समय से दुर्घटनाओं का खतरा बना हुआ था, अब स्थिति में सुधार आएगा। एनएचएआई के कर्मियों ने बताया कि आगे भी ऐसे कार्य लगातार जारी रहेंगे।

जैतीपुर स्टेशन पर कार्य के चलते ट्रेनों का संचालन प्रभावित, शुक्लागंज (उन्नाव): कानपुर-लखनऊ रेल रूट की डाउन लाइन पर शुक्रवार को भी ट्रेनों का संचालन प्रभावित रहा। जैतीपुर रेलवे स्टेशन पर जारी ट्रैक व यार्ड से संबंधित कार्य के चलते इस रूट पर ब्लॉक और कॉसन लागू किया गया है, जिससे कई ट्रेनों को निर्धारित स्टॉपेज के अतिरिक्त गंगाघाट स्टेशन पर रोका गया।गंगाघाट स्टेशन पर सिगनल न मिलने के कारण वंदेभारत एक्सप्रेस को दोपहर 12:49 से 12:50, साबरमती को 1:10 से 1:13 और राप्तीसागर एक्सप्रेस को 1:21 से 1:23 तक रोका गया। ट्रैक मरम्मत और यार्ड कार्य के चलते गाड़ियों की रफ्तार कम कर दी गई है, जिससे एक्सप्रेस ट्रेनों के साथ-साथ मेमो और पैसेंजर ट्रेनों के संचालन में भी देरी हुई।

अटेवा पेंशन बचाओ मंच ने सिटी मजिस्ट्रेट को दिया ज्ञापन

उन्नाव: अटेवा पेंशन बचाओ मंच उप्र के केंद्रीय नेतृत्व के आह्वान पर जिला शाखा के तत्वावधान में शुक्रवार अपराह्न 4 बजे रामलीला मैदान से न्यू पेंशन स्कीम व यूनिफाइड पेंशन स्कीम के विरोध में जिला अध्यक्ष अर्पित मिश्रा व जिला महामंत्री राज करन के नेतृत्व में रोष मार्च निकाला। शहर के छोटा चौराहा, बड़ा चौराहा व हरदोई पुल से होते हुये प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन नगर मजिस्ट्रेट को दिया गया। रोष मार्च में मुख्य रूप कार्यक्रम संयोजक संदीप भारतीय, उमेश मौर्य, कार्यक्रम सह संयोजक सौरभ राज भारती, अम्बरीष कुमार, अशोक पाल, आनंद राज, अनुपम आनंद, ओमप्रकाश पाल, दीपक पाल, प्रदीप यादव, वीरेंद्र कुमार, राजू सरोज, सुरेंद्र कनौजिया, निवेद सोनी, अनिल भारती, संजय कनौजिया, कृष्ण शंकर मिश्रा, एसपी सिंह, मुन्नू लाल शास्त्री, बालकृष्ण, विनोद शुक्ला महेंद्र सिंह, शैलेश कुमार, सुनील शर्मा, दिनेश कुमार, रोहित कुमार, रामगोपाल, श्रवण कुमार, सुधीर कुमार शिक्षक व कर्मचारी रहे।

इंटर कॉलेज में विज्ञान सप्ताह कार्यक्रम का हुआ आयोजन

मॉडल का अवलोकन करते मुख्य अतिथि। अमृत विचार

संवाददाता, शुक्लागंज (उन्नाव)

अमृत विचार: गंगा प्रसाद महते सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज गंगानगर में शुक्रवार को विज्ञान सप्ताह कार्यक्रम का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। कक्षा छह से बारह तक के छात्र-छात्रों ने विज्ञान से जुड़े मॉडल, चित्र व औषधीय पौधों की प्रदर्शनी लगाई।

मुख्य अतिथि डॉ. विजयेंद्र त्रिपाठी एवं प्रधानाचार्य डॉ. बृजेन्द्र मिश्र ने दीप प्रज्ज्वलन, पुष्पार्चन एवं विज्ञानाचार्य प्रफुल्ल चंद्र रॉय के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। डॉ. मिश्र ने विज्ञान की जीवन में उपयोगिता बताई, जबकि मुख्य अतिथि ने वैज्ञानिक दृष्टिकोण व कौशल पर प्रकाश डालते हुए प्रदर्श का मूल्यांकन किया। कार्यक्रम के अंत में औषधीय पौधों का वृक्षारोपण किया गया। मंच संचालन आचार्य प्रदीप द्विवेदी ने किया एवं आभार आचार्य अजय विश्वकर्मा ने व्यक्त किया। इस अवसर पर विज्ञान प्रवक्ता अरविंद, प्रियंक, जगत, आशीष, शरद, अजय शर्मा, अमित, मुनींद्र, मंजुल उपस्थित रहे। चित्रांकन कार्य प्रशांत व पुनीत ने किया।

पति से झगड़ने के बाद गंगा में कूदने जा रही महिला को बचाया

शुक्लागंज (उन्नाव): पति से झगड़ा के बाद गंगा में कूदकर जान देने जा रही महिला को घाट पर मौजूद पंडों ने समझाकर बचा लिया। घटना गुरुवार रात की है जब उन्नाव सदर कोतवाली क्षेत्र की रहने वाली एक महिला का पति से किसी बात को लेकर झगड़ा हो गया।

दोनों की बीच विवाद इतना ज्यादा बढ़ गया कि गुस्से में महिला शुक्लागंज के शिवबाबा घाट पहुंची और कुछ देर टहलने के बाद गंगा में कूदने का प्रयास करने लगी। तभी वहां मौजूद कुछ पंडों ने स्थिति को भांपते हुए समय रहते उसे रोक लिया और गंगाघाट पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर महिला को समझाया और पूछताछ कर मामले की जानकारी सदर कोतवाली को दी। देर रात सदर कोतवाली पुलिस महिला के परिजनों को लेकर घाट पहुंची और महिला को सकुशल अपने साथ ले गई। पुलिस ने पति-पत्नी के मामले को पारिवारिक विवाद बताया है।

छात्रा के शव का परिजनों ने किया अंतिम संस्कार

गंगाघाट कोतवाली में खड़ी क्रेन। संवाददाता, शुक्लागंज (उन्नाव)

मृतका के घर पर मौजूद विधायक पंकज गुप्ता। अमृत विचार

अमृत विचार: गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के गरेरेपुरवा तिराहे के पास गुरुवार को अनियंत्रित क्रेन की टक्कर से हाईस्कूल की छात्रा दिव्यांशी की मौत के बाद परिजनों व ग्रामीणों ने आक्रोशित होकर बैराज मार्ग जाम किया था। शुक्रवार को दूसरे दिन परिजनों ने शव का पोस्टमार्टम कराकर लालूपुर घाट पर पुलिस की मौजूदगी में अंतिम संस्कार किया गया।

पंचमपुरवा मजरा लालूपुर निवासी शिवकुमार की 16 वर्षीय बेटी दिव्यांशी शहीद गुलाब सिंह लोधी विद्यालय में कक्षा 10 की छात्रा थी। वह गुरुवार सुबह स्कूल से लौटते समय साइकिल से घर जा रही थी, तभी गरेरेपुरवा तिराहे के पास तेज रफ्तार व अनियंत्रित क्रेन ने उसे पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में उसकी मौके पर ही मौत हो गई थी। दुर्घटना की खबर मिलते ही घर में कोहराम मच गया। मृतका की बड़ी बहन अंजलि ने सदमे में जहरीला पदार्थ खा लिया, जिसे गंभीर हालत में एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। शुक्रवार को दिव्यांशी के शव का अंतिम संस्कार लालूपुर घाट पर किया गया। जहां घाट पर कोतवाल पी के मिश्रा, चौकी इंचार्ज व पुलिस फोर्स मौजूद रहा। वहीं मां मंजू देवी, पिता शिवकुमार, बहन अनामिका और भाई अजय का रो-रोकर बुरा हाल रहा। इधर, मामले की जानकारी होने पर सदर विधायक पंकज गुप्ता पीड़ित परिवार से मिलने उनके घर पहुंचे और परिजनों को ढांढस बंधाते हुए हरसंभव मदद का आश्वासन दिया। इसके बाद वे अस्पताल पहुंचे और अंजलि का हालचाल लेकर डॉक्टरों से इलाज की जानकारी ली।

फॉलोअप

- सदर विधायक पंकज गुप्ता ने पीड़ित परिवार को बंधाया ढांढस
- क्रेन की टक्कर से छात्रा की मौत के बाद जाम लगाने का मामला

13 करोड़ से बनेगी इमारत | निदेशालय लखनऊ की प्रोजेक्ट मैनेजमेंट यूनिट की तीन सदस्यीय टीम ने लिया जायजा

पालिका के नए भवन निर्माण को लेकर किया गया स्थलीय निरीक्षण

संवाददाता, शुक्लागंज (उन्नाव)

पालिका के नए भवन निर्माण को लेकर मरहला चौराहे पर मौजूद निदेशालय की टीम।

अमृत विचार: नगर पालिका गंगाघाट के नवीन कार्यालय भवन निर्माण की योजना अब सक्रिय रूप से प्रचलन में आ चुकी है। शुक्रवार को मुख्यमंत्री वैश्विक नगर योजना के अंतर्गत प्रस्तावित इस निर्माण कार्य को लेकर नगर निकाय निदेशालय लखनऊ की प्रोजेक्ट मैनेजमेंट यूनिट की तीन सदस्यीय टीम ने शुक्लागंज पहुंचकर स्थलीय निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान टीम ने सबसे पहले जामा मस्जिद के पास स्थित वर्तमान पालिका कार्यालय का निरीक्षण कर भवन की मौजूदा स्थिति का जायजा लिया। कार्यालय में मौजूद ईओ मुकेश मिश्रा, जेई घनश्याम मौर्य व एसबीएम प्रभारी अनूप शुक्ला ने टीम को सभी कक्षों की वस्तु स्थिति से अवगत कराया। इसके बाद टीम ईओ व अन्य अधिकारियों के साथ मरहला चौराहा स्थित पालिका की खाली भूमि का निरीक्षण करने पहुंची। यह भूमि नए भवन निर्माण के लिए प्रस्तावित है। टीम ने भूमि का मुआयना करते हुए उसकी स्थिति, क्षेत्रफल व उपयोगिता की जानकारी जुटाई। निरीक्षण के दौरान प्रोजेक्ट यूनिट टीम ने भवन निर्माण से संबंधित आवश्यकताओं, डिज़ाइन संभावनाओं एवं प्रशासनिक स्वीकृतियों को लेकर अधिकारियों से विस्तृत चर्चा की। ईओ ने बताया कि निरीक्षण के बाद टीम शासन को रिपोर्ट भेजेगी। रिपोर्ट के आधार पर भवन निर्माण की अंतिम स्वीकृति प्राप्त होगी। जिसके बाद निर्माण प्रक्रिया को गति दी जाएगी। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री वैश्विक नगर योजना के तहत शहरी विकास एवं प्रशासनिक सुधार की दिशा में गंगाघाट पालिका का नया भवन एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

पक्षी विहार परिक्षेत्र के नजदीक निर्माण करा रहे लोगों पर कसी लगाम

संवाददाता नवाबगंज उन्नाव, अमृत विचार : पक्षी विहार को इको टूरिज्म में शामिल करने के बाद पूरे परिक्षेत्र के चारों ओर 100 मीटर पर कोई भी निर्माण बिना जिलाधिकारी की अनुमति के नहीं कराया जा सकता है। जिससे निर्माण करा रहे 6 लोगों को नोटिस देने के साथ हिदायत दी गई कि कोई निर्माण न कराएं। तहसीलदार हसनगंज अविनाश चौधरी ने बताया कि पक्षी विहार इको टूरिज्म में शामिल है। इसके तहत वर्ष 2019 में एक शासनादेश हुआ था कि पक्षी विहार के चारों ओर 100 मीटर की परिधि में कोई भी निर्माण नहीं कराया जा सकता है। इसके लिये एक 5 सदस्यीय समिति बनी है। जिसके अध्यक्ष जिलाधिकारी हैं। यदि किसी को निर्माण कराना है तो वह जिलाधिकारी को आवेदन कर वहां से परमिशन मिलने पर ही करा सकेगा। बताया कि वर्ल्ड लाइफ के रेंजर विवेक कुमार ने एक प्रार्थनापत्र दिया था कि कुछ लोग निर्माण कर रहे हैं और रोकने पर भी मान नहीं रहे हैं। इसके बाद निर्माण करा रहे संजय, मदन, वृन्दावन समेत छह लोगों को निर्माण कराने से रोकते हुए निर्देश दिये गये कि कोई भी निर्माण बिना अनुमति के न कराए।

भवन स्वामियों को समझाते तहसीलदार अविनाश चौधरी व प्रशासनिक अमला। अमृत विचार

हाईवे पर अनियंत्रित कार की टक्कर से दो युवक घायल

संवाददाता, शुक्लागंज (उन्नाव)

अमृत विचार: कानपुर-लखनऊ हाईवे पर गुरुवार देर रात एक अनियंत्रित कार ने बाइक सवार दो भाइयों को टक्कर मार दी, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के जाजमऊ चौकी अंतर्गत सुपर कट के पास हुआ।

कानपुर जाजमऊ थाना क्षेत्र के केडीए निवासी आबिद अपने भाई नजीर के साथ त्रिभुवन खेड़ा गांव में गमी में शामिल होने बाइक से जा रहे थे। तभी सुपर कट के पास अचानक एक तेज रफ्तार कार ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में दोनों युवक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा। हालत गंभीर होने पर दोनों को कानपुर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

हादसे में घायल युवक ने तोड़ा दम, उन्नाव: बिहार थानाक्षेत्र के बक्सर मार्ग स्थित पेट्रोल पंप के सामने बीती 21 जुलाई को हुई दो बाईकों की टक्कर में थानाक्षेत्र के मुड़ियन खेड़ा गांव निवासी सोनू (26) पुत्र पुत्तीलाल गंभीर घायल हुआ था। उसका इलाज कानपुर के हैलट अस्पताल में चल रहा था। गुरुवार रात उसकी इलाज के दौरान मौत हो गई। इसकी खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। शुक्रवार को शव का पोस्टमार्टम कराया गया। एसओ राहुल सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पिता की सेवा करना जिस प्रकार कल्याणकारी माना गया है वैसा प्रबल साधन न सत्य है, न दान है और न यज्ञ हैं।

ग्रामीण भारत-आर्थिक ताकत

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भले ही अपने मन मुताबिक ट्रेड डील परवान न चढ़ पाने से चिढ़कर भारत की अर्थव्यवस्था को 'डेड' बताने के साथ पाकिस्तान के साथ तेल भंडार विकसित करने का समझौता करके अपनी खिसियाहट मिटा रहे हों, लेकिन इस बात से दुनिया के बड़े अर्थशास्त्री भी इंकार नहीं कर रहे हैं कि भारत न सिर्फ बदल रहा है, बल्कि तेजी से बदल रहा है। इस बदलाव में ग्रामीण भारत की तरक्की बूस्टर डोज का काम कर रही है। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष पहले ही भारत की अर्थव्यवस्था अगले दो साल में 6.4 फीसदी की दर से बढ़ने का अनुमान जता चुका है, जबकि इस दौरान अमेरिका की इकॉनामी ग्रोथ दो फीसदी ही रह सकती है। दरअसल, भारत की आर्थिक ताकत उसका ग्रामीण क्षेत्र ही है। कृषि क्षेत्र भारत की जीडीपी में 18 फीसदी का योगदान देता है। अब खबर आई है कि खाने-पीने और रोजमर्रा की जरूरत की चीजों का इस्तेमाल शहरों से ज्यादा गांवों में हो रहा है। राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) ने 76 फीसदी से ज्यादा ग्रामीण परिवारों में खपत में वृद्धि होने की सूचना दी है। ग्रामीण क्षेत्र में खपत बढ़ना, आर्थिक विकास की रफ्तार तेज रहने की दिशा में सकरात्मक संकेत है। घरेलू उपभोग व्यय सर्वेक्षण के अनुसार भी ग्रामीण और शहरी भारत में खपत का अंतर पहले की तुलना में तेजी से घट रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में औसत मासिक प्रति व्यक्ति खर्च 4200 रुपये तक पहुंच गया है। ग्रामीण आर्थिक स्थिति और धारणा सर्वेक्षण के जुलाई-2025 चरण से भी यह बात सामने आई है कि ग्रामीण क्षेत्र की खपत में बढ़ती भागीदारी ने मुद्रास्फीति की चिंता कम कर दी है। यह सही है कि दो दर्जन बड़े शहर हमारी समृद्धि के केंद्र हैं, लेकिन इस तथ्य से इंकार नहीं किया जा सकता है कि देश के 6.65 लाख गांव अर्थव्यवस्था और संस्कृति को आकार देने में महत्वपूर्ण घटक हैं।

देश की लगभग दो तिहाई आबादी गांवों में रहती है, और सकल घरेलू उत्पाद में 46 फीसदी का योगदान देती है। ऐसे में ग्रामीण इलाकों में खपत की मांग में अप्रत्याशित वृद्धि दर्ज होने से साफ है कि यह बड़ा उपभोक्ता वर्ग उत्पादन और उपभोग के इंजन में धक्का लगाकर जिस तरह अर्थव्यवस्था को विकसित भारत की तरफ धकेलने में लगा है, उसमें सिर्फ मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर का ईंधन भरने की जरूरत है। वास्तव में ग्रामीण अर्थव्यवस्था का विकास कृषि आधारित अर्थव्यवस्था से मैन्युफैक्चरिंग और सर्विस सेक्टर के प्रभुत्व वाली अर्थव्यवस्था में बदलाव के जरिए ही होता है, भारत इस राह पर तेजी से कदम बढ़ा रहा है। इसके लिए जीडीपी में मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर की हिस्सेदारी को वर्तमान 17 फीसदी से बढ़ाकर चीन के मौजूदा स्तर 32 फीसदी तक ले जाने की योजनाओं पर काम चल रहा है। इन परिस्थितियों में कृषि क्षेत्र के लिए होने वाले फैसलों का अर्थव्यवस्था पर व्यापक असर देखते हुए ही मोदी सरकार अमेरिका के साथ ट्रेड डील में अगर जीएम फसलों और डेयरी उत्पादों के लिए बाजार खोलने के विरोध पर अड़ी है, तो यह किसानों की भलाई और कृषि क्षेत्र की तरक्की के लिए ही है।

प्रसंगवश

प्राकृतिक संसाधनों का दोहन भूकंप और सुनामी का कहर

तीन साल से भी अधिक समय से यूक्रेन से युद्ध लड़ रहे रूस में 8.8 तीव्रता के भीषण भूकंप ने नई त्रासदी खड़ी कर दी है। रूस के पूरब में स्थित कामचटका प्रायद्वीप में 30 जुलाई 2025 को आए भूकंप के झटकों से कामचटका और उसके आसपास कुरील द्वीप समूह के भूखंड हिल गए। इसे विश्व में आए सबसे तीव्र भूकंपो में दर्ज किया गया है। इस प्राकृतिक आपदा से भारी नुकसान और अनेक लोगों के घायल होने की सूचनाएं हैं, इसके असर से प्रायद्वीप के समुद्र तटों से 16 फीट ऊंची सुनामी जैसी लहरें टकराईं, जिससे तटीय इलाकों में भारी नुकसान हुआ है। इसकी तुलना मार्च 2011 में जापान में आए 9.0 तीव्रता के भूकंप से की जा रही है। इसे समुद्री सुनामी कहा गया था। इस सुनामी से जापान के फुकुशिमा, दाइची परमाणु ऊर्जा संयंत्र का कूलिंग सिस्टम निष्क्रिय करना पड़ा था। कामचटका में चार नवंबर 1992 को आए 9.0 तीव्रता के भूकंप के कारण भारी क्षति हुई थी। इस भूकंप से जनहानि इसलिए नहीं होने पाई, क्योंकि भूकंप क्षेत्र से रूस का बड़ा शहर पेत्रोपावलोव्स्क-कामचत्सकी लगभग 119 किमी की दूरी पर है। यहां की आबादी 18 लाख हैं।

प्रमोद भार्गव
वरिष्ठ पत्रकार

भूकंप के बाद आने वाली सुनामी के खतरे से जापान, चीन, फिलीपींस, इंडोनेशिया, अमेरिका और प्रशांत महासागर के तटवर्ती देशों को सतर्क रहने के लिए कहा गया है। जापानी और अमेरिकी भूकंप वैज्ञानिकों ने बताया कि इस भूकंप की आरंभिक तीव्रता 8.0 थी, किंतु अमेरिकी भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण ने इस तीव्रता का आकलन 8.8 किया और इसे 20.7 किमी भू-गर्भ से आना बताया है। अलास्का स्थित राष्ट्रीय सुनामी चेतावनी केन्द्र के समन्वयक डेव स्नाइडर का कहना है कि सुनामी जैसी लहरों का प्रभाव कई घंटों या एक दिन से भी अधिक समय तक रह सकता है। सुनामी केवल एक लहर नहीं होती, बल्कि यह लंबे समय तक चलने वाली शक्तिशाली लहरों की एक श्रृंखला होती है। सुनामी एक विमान की गति से सैंकड़ो मील प्रति घंटे की रफ्तार से समुद्र पार करती है। किंतु जब लहरें किनारे के निकट पहुंचती है, तब उनकी गति धीमी पड़ जाती है। किंतु किनारे पर इनके एकत्रीकरण से जल प्रलावन की आशंका बढ़ जाती है। इस कारण पानी की ये लहरें धरती पर पहुंचती हैं और आगे-पीछे होती रहती हैं। दुनिया में अब तक 8.6 तीव्रता से लेकर 9.5 तीव्रता के भूकंप चिली, अलास्का, सुमत्रा, तोहोकू, कामचटका (1952), चिली (2010), इक्वाडोर, अलास्का (1965), अरुणाचल प्रदेश भारत और सुमात्रा (2012) आए हैं। इन भूकंपो में जान और माल का भारी नुकसान हुआ है।

दरअसल दुनिया के नामचीन विशेषज्ञों व पर्यावरणविदों की मानें तो सभी भूकंप प्राकृतिक नहीं होते, बल्कि उन्हें विकराल बनाने में हमारा भी हाथ होता है। प्राकृतिक संसाधनों के अकूत दोहन से छोटे स्तर के भूकंपों की पृष्ठभूमि तैयार हो रही है। भविष्य में इन्हीं भूकंपों की व्यापकता और विकरालता बढ़ जाती है। प्राकृतिक आपदाएं अब व्यापक व विनाशकारी साबित हो रही हैं, क्योंकि धरती के बढ़ते तापमान के कारण वायुमंडल भी परिवर्तित हो रहा है। अमेरिका व ब्रिटेन समेत यूरोपीय देशों में दो शताब्दियों के भीतर बेतहाशा अमीरी बढ़ी है। औद्योगिकीकरण और शहरीकरण इसी अमीरी की उपज है। यह कथित विकासवादी अवधारणा कुछ और नहीं, प्राकृतिक संपदा का अंधाधुंध दोहन कर, पृथ्वी को खोखला करने के ऐसे उपाय हैं, जो ब्रह्मांण्ड में फैले अवयवों में असंतुलन बढ़ा रहे हैं। इस विकास के लिए पानी, गैस, खनिज, इस्पात, ईंधन और लकड़ी जरूरी हैं। नतीजतन जो कॉर्बन गैसें बेहद न्यूनतम मात्रा में बनती थीं, वे अब अधिकतम मात्रा में बनने लगी हैं। न्यूनतम मात्रा में बनी गैसों का शोषण और समायोजन भी प्राकृतिक रूप से हो जाता था, किंतु अब वनों का विनाश कर दिए जाने के कारण ऐसा नहीं हो पा रहा है, जिसकी वजह से वायुमंडल में इकतराफा दबाव बढ़ रहा है। इस कारण धरती पर पड़ने वाली सूरज की गर्मी प्रत्यावर्तित होने की बजाय, धरती में ही समाने लगी है। गोआ, धरती का तापमान बढ़ने लगा, जो जलवायु परिवर्तन का कारण तो बना ही, प्राकृतिक आपदाओं का कारण भी बन रहा है।

समोसे का सवाल नहीं उपभोक्ता अधिकारों और पारदर्शिता का मुद्दा है

डॉ. शिवम भारद्वाज
असिस्टेंट प्रोफेसर, मथुरा

संसद के मानसून सत्र में भाजपा सांसद रवि किशन ने एक ऐसा प्रश्न उठाया जिसे पहले बहुतों ने हल्के-फुल्के और व्यंग्य के ढंग में लिया, लेकिन थोड़ा गहराई से देखने पर यह सवाल उपभोक्ता अधिकार, सरकारी नियमन और लोकतंत्र में जवाबदेही जैसे गंभीर आयामों को स्पर्श करता है। उन्होंने पूछा कि देश में एक जैसे व्यंजन-जैसे समोसा, दाल या कोई भी आम खाद्य सामग्री-अलग-अलग जगहों पर अलग दामों, आकारों और गुणवत्ता में क्यों परोसी जाती है, और उपभोक्ता को यह स्पष्ट जानकारी क्यों नहीं मिलती कि वह किस मूल्य के बदले में क्या और कितना प्राप्त कर रहा है।

सवाल छोटा दिख सकता है, लेकिन इसका निहितार्थ व्यापक है। सोशल मीडिया पर जिस तरह से इस प्रश्न का उपहास उड़ाया गया, उसे संसद में समय की बर्बादी कहा गया, वह न केवल इस विषय की गंभीरता को कम आंकने जैसा है, बल्कि यह भी दिखाता है कि हम आज भी उपभोक्ता अधिकारों जैसे मूलभूत विषयों के प्रति कितने असंवेदनशील हैं। क्या पारदर्शिता, जवाबदेही और जानकारी का अधिकार किसी बड़े कॉरपोरेट या अंतरराष्ट्रीय समझौते का विषय भर हैं? आम जनता की थाली और जेब से जुड़ा सवाल क्या उतना ही अहम नहीं?

विकसित देशों में खाद्य पारदर्शिता उपभोक्ता अधिकार का हिस्सा है। अमेरिका में खाद्य और औषधि प्रशासन के 'मेनू लेबलिंग' नियमों के अनुसार, 20 या उससे अधिक आउटलेट वाली फूड चेन को प्रत्येक व्यंजन की कैलोरी जानकारी स्पष्ट रूप से मेनू में देनी होती है। यूरोपीय संघ के विनियम (ईयू नं०. 1169/2011) के तहत खाद्य सामग्री, पोषण तत्व और एलर्जन जैसी सूचनाएं अनिवार्य हैं। भारत में भी खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) इस दिशा में कार्यरत है, लेकिन इसका कार्यक्षेत्र मुख्यतः संगठित खाद्य श्रृंखलाओं और पैकेज्ड फूड तक ही सीमित है। भारत के छोटे और मध्यम रेस्तरां, ढाबे और खाद्य स्टॉल में उपभोक्ता को आज भी यह नहीं पता चलता कि दाल किस दाल से बनी है, तेल कौन सा है, कितनी मात्रा दी जा रही है और मूल्य किस आधार पर तय किया गया है। मेनू कार्ड पर केवल व्यंजन का नाम और मूल्य होता है, परंतु परोसी जाने वाली वस्तु की संरचना, मात्रा और पोषण संबंधित जानकारी अनुपस्थित होती है। उपभोक्ता से अपेक्षा की जाती है कि वह इस अस्पष्ट सेवा को बिना सवाल उठाए स्वीकार कर ले। कीमतों में क्षेत्रीय और प्रतिष्ठान के स्तर के आधार पर विषमता भी स्पष्ट है जोकि यदि गुणवत्ता, स्थान या सेवा कर के आधार पर है, तो उपभोक्ता के सामने यह जानकारी स्पष्ट रूप से रखी जानी चाहिए। कीमत में भिन्नता यदि गुणवत्ता, सेवा, स्थान या कर के आधार पर है, तो क्या यह उपभोक्ता का अधिकार नहीं बनता कि उसे यह अंतर स्पष्ट रूप से बताया जाए?

विकसित देशों में खाद्य पारदर्शिता उपभोक्ता अधिकार का हिस्सा है। अमेरिका में खाद्य और औषधि प्रशासन के 'मेनू लेबलिंग' नियमों के अनुसार, 20 या उससे अधिक आउटलेट वाली फूड चेन को प्रत्येक व्यंजन की कैलोरी जानकारी स्पष्ट रूप से मेनू में देनी होती है।

भारत में एफएसएसएआई ने संगठित खाद्य श्रृंखलाओं को मेनू पर कैलोरी जानकारी देने का निर्देश जरूर जारी किया था, परंतु यह केवल शाखा की संख्या के आधार पर कुछ ही श्रेणी के प्रतिष्ठानों पर लागू होता है। इसके बाहर बाकी खानपान उद्योग, जो असंगठित रूप में अधिक सक्रिय है, पारदर्शिता के किसी ठोस ढांचे से बाहर ही है। यह चिंताजनक है क्योंकि भारत का खाद्य और पेय वितरण क्षेत्र लगभग 4.2 लाख करोड़ से अधिक का है, जिसमें लाखों उपभोक्ता और कारोबारी प्रतिदिन सक्रिय हैं। यह भी ध्यान देने योग्य है कि संसद में जब बोतलबंद पानी के दाम, पैक्ड फूड में ट्रांस फैट या स्कूलों में बच्चों के कुपोषण पर चर्चा होती है, तब उसे पूरी गंभीरता से सुना जाता है। फिर किसी खाद्य सामग्री-चाहे वह समोसा ही क्यों न हो-की कीमत, गुणवत्ता और पारदर्शिता पर सवाल करना क्यों उपहास का विषय माना जाए? राज्यसभा में सांसद राघव चड्ढा ने जब एयरपोर्ट पर महंगे खाद्य उत्पादों पर प्रश्न उठाया, तो उसे महत्वपूर्ण उपभोक्ता विषय माना गया। उसी कसौटी पर, समोसे जैसे खाद्य पदार्थ का उदाहरण लेकर पूछे गए सवाल को भी विचारणीय और विधिसम्मत ढंग से देखा जाना चाहिए।

लोकसभा अथवा राज्यसभा केवल नीति-निर्धारण का मंच नहीं हैं, बल्कि नागरिकों की दैनिक समस्याओं को लोकतांत्रिक ढंग से प्रस्तुत कर, उन पर जनहित की संवेदनशीलता के साथ विचार करने का स्थान भी हैं। रवि किशन द्वारा उठाया गया प्रश्न यदि किसी तथाकथित विशेषज्ञ सांसद ने जटिल भाषा में प्रस्तुत किया होता, तो शायद मीडिया और समाज इसे एक गंभीर उपभोक्ता नीति से जोड़ कर देखता। लेकिन जब कोई जनप्रतिनिधि आम नागरिक की बोली और जमीनी हकीकत से जुड़ा सवाल उठाता है, तो उसकी मंशा पर सवाल उठाना या उसका उपहास बनाना, लोकतंत्र की उस बुनियादी भावना का अपमान है, जिसमें जनसंवेदना का स्थान सर्वोपरि होता है।

यह बात स्वीकार की जा सकती है कि सभी खाद्य वस्तुओं की कीमतें पूरे देश में एक समान नहीं हो सकतीं। यह अपेक्षा करना व्यावसायिक दृष्टि से अव्यावहारिक हो सकता है। लेकिन यह भी उतना ही न्यायसंगत है कि उपभोक्ता को उसके द्वारा प्राप्त उत्पाद या सेवा के बारे में पूरी जानकारी दी जाए। यह सूचना अधिकार, पारदर्शिता और सेवा प्रदाता की जवाबदेही का मामला है। अंततः सवाल समोसे का नहीं है, बल्कि उस लोकतांत्रिक अधिकार का है जो हर नागरिक को यह जानने का हक़ देता है कि उसकी थाली में क्या, कितना और किस मूल्य पर परोसा जा रहा है। अतः इसे व्यंग्य या उपेक्षा से नहीं, गंभीरता और संवेदना से देखा जाना चाहिए।

आमने सामने

संसद में एसआईआर पर बहस की विपक्ष की मांग पर केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा, "मैं स्पष्ट करना चाहता हूं कि सरकार नियमों के अनुसार किसी भी मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है। एसआईआर पर चर्चा नहीं हो सकती क्योंकि यह एक संवैधानिक संस्था द्वारा की जाने वाली प्रक्रिया है और यह पहली बार नहीं हो रहा है।"

बिहार में एसआईआर अभियान पर झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने कहा, "भाजपा ने सारी हदें पार कर दी हैं। एसआईआर के ज़रिए वे लोगों का मनोबल तोड़ना चाहते हैं और एक साजिश के तहत उनके मताधिकार को छीनना चाहते हैं। इसीलिए झारखंड में इसके खिलाफ विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। हम इसके खिलाफ बिहार भी जाएंगे।"

माले गांव निर्णय का समाज, राजनीति पर प्रभाव

शपारस नाथ राय
वरिष्ठ अधिवक्ता, वाराणसी

राष्ट्रीय जांच एजेंसी की विशेष अदालत ने मालेगांव बम विस्फोट मामले में सभी सात आरोपियों को बरी कर दिया है। कोर्ट ने बाइक साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर के मामले में कोई ठोस सबूत नहीं मिलने की बात कही है। इस मामले में लगाए गए गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम के आरोप साबित नहीं हुए हैं। मालेगांव विस्फोट कांड की जांच करने वाली एटीएस टीम का हिस्सा रहे वरिष्ठ पुलिस अधिकारी महबूब मुजावर ने एनआईए कोर्ट को बताया है कि उन्हें उस टीम में रहते हुए कुछ ऐसे काम करने को कहा गया, जिनका मालेगांव कांड से कोई वास्ता ही नहीं था। ऐसे ही कामों में से एक था-तब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के नए-नए सरसंघचालक बने मोहन भागवत को गिरफ्तार करना यह केवल साध्वी प्रज्ञा सिंह अथवा कर्नल पुरोहित की जीत नहीं, अपितु सत्य की विजय है-वह सत्य जो वर्षों से कांग्रेस द्वारा गढ़े गए 'हिंदू आतंकवाद' के झूठे नैरेटिव के विरुद्ध संघर्षरत था। वोटबैंक की राजनीति हेतु कांग्रेस ने 'हिंदू आतंकवाद' जैसे भ्रामक शब्द का सहारा लेकर देश के बहुसंख्यक शांतिप्रिय हिंदू समुदाय को मानसिक रूप से प्रताड़ित करने का षड्यंत्र रचा।

17 साल के इंतजार के बाद, राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की विशेष अदालत गुरुवार को 2008 के मालेगांव बम विस्फोट मामले में अपना फैसला सुनाया। कोर्ट ने सभी सात आरोपियों को बरी कर दिया है। यह उस सत्य की पुनर्प्रतिष्ठा है, जिसे कांग्रेस की कुटिल सत्ता ने साजिश, संदेह और सुनियोजित अपकीर्ति के अंधकार में कैद रखने का षड्यंत्र रचा था। यह कांग्रेस के उस चरित्र का पर्दाफ़ाश है, जो सत्ता की सीढ़ियां चढ़ने के लिए न्याय को कुचलने, राष्ट्र को कलंकित करने और साधु-सैनिकों की संपूर्ण साधना को अपमानित करने से भी नहीं हिचकिचाया। यह एक दुःसाहसी दुष्चक्र के ध्वंस का आरंभ है।

2008 में मालेगांव विस्फोट की दुर्भाग्यपूर्ण घटना को सत्ता की सियासत ने न्याय के विमर्श से हटा कर केवल एक राजनीतिक प्रयोगशाला बना डाला। जो भगवा युगों से त्याग, तपस्या और तेजस्विता का प्रतीक है, उसे आतंक का पर्याय ठहराने की कपटी कोशिश की गई। 'भगवा आतंकवाद' ये वो शब्द था, जिसे चुनावी लाभ के लिए कांग्रेस ने गढ़ा, मीडिया ने गाया और सियासत ने देश की आत्मा पर थोप दिया। इस जुमले में न केवल भाषा की मर्यादा टूटी, अपितु राष्ट्र की आत्मा भी आहत हुई। कांग्रेस की यह कुनीति कोई चूक नहीं थी, यह एक सुविचारित साजिश थी, भारत की मूल चेतना को कलंकित करने का षड्यंत्र था। एक सोची-समझी रणनीति थी, जिसकी जड़ें देश के सांस्कृतिक मर्म को काटने के लिए बोई गई थीं। यह निर्णय कांग्रेस के भारत विरोधी, न्याय विरोधी और सनातन विरोधी चरित्र को पुनः उजागर करता है, जिसने 'भगवा आतंकवाद' जैसा मिथ्या शब्द गढ़कर करोड़ों सनातन आस्थावानों, साधु-संतों और राष्ट्रसेवकों की छवि को कलंकित करने का अपराध किया है। कांग्रेस को अपने अक्षम्य कुकृत्य को सार्वजनिक रूप से स्वीकार करते हुए देश से माफी मांगनी चाहिए। साध्वी प्रज्ञा ठाकुर, लेफ्टिनेंट कर्नल पुरोहित, मेजर रमेश उपाध्याय, सुधाकर चतुर्वेदी, समीर कुलकर्णी समेत सभी अभियुक्त, ये वे नाम हैं, जिन्होंने वर्षों तक जेल की सलाखों के पीछे सत्ता की सनक की कीमत चुकाई।

कठोर यातनाओं के चलते साध्वी प्रज्ञा का स्वास्थ्य चिरकालिक रूप से क्षतिग्रस्त हुआ। साध्वी प्रज्ञा आज भी जब बोलती हैं, उनकी आवाज में वह पीड़ा झलकती है जो एक राजनीतिक प्रहार और कूटनीतिक कारावास की परिणति है। एक महिला संन्यासिनी को हिंदू होने की सजा दी गई, उन्हें अदालतों में घसीटा गया, परिजन तोड़े गए, मनोबल मारा गया। लेफ्टिनेंट कर्नल पुरोहित जो भारतीय सेना में आतंक-निरोधी अभियानों में सहभागी थे, देश के प्रति समर्पित फौजी थे, उन्हें बिना किसी ठोस साक्ष्य के 9 वर्षों तक सलाखों के पीछे रखा गया। इन सबकी पीड़ा, उनके मौन, उनकी कराह और समाज की चुप्पी, यह भारत के लोकतंत्र पर अनुत्तरित प्रश्नचिह्न की भांति अटक गई थी।

कठोर यातनाओं के चलते साध्वी प्रज्ञा का स्वास्थ्य चिरकालिक रूप से क्षतिग्रस्त हुआ। साध्वी प्रज्ञा आज भी जब बोलती हैं, उनकी आवाज में वह पीड़ा झलकती है जो एक राजनीतिक प्रहार और कूटनीतिक कारावास की परिणति है।

आज निर्दोष साबित होने पर क्या कांग्रेस उनके खोए हुए सम्मान, जीवन के लुटे हुए वर्ष, और अपमानित अस्तित्व का प्रायश्चित कर सकती है? इस ऐतिहासिक निर्णय में जब विशेष अदालत ने स्पष्ट कहा कि 'इन अभियुक्तों के विरुद्ध कोई विश्वसनीय प्रमाण प्रस्तुत नहीं किया जा सका' तो यह केवल एक कानूनी टिप्पणी नहीं, बल्कि कांग्रेस की वैचारिक विफलता का अभिलेख है। यह निर्णय वामपंथी मानस को झकझोरेगा और कांग्रेस जैसे दलों को यह सोचने पर विवश करेगा कि वोटबैंक की राजनीति के लिए देश की संस्कृति को बलि नहीं चढ़ाया जा सकता। अब कांग्रेस को जवाब देना होगा कि उसने राजनीति के लिए राष्ट्रीय अस्मिता को क्यों नीलाम किया? वह क्यों चुप रही जब निर्दोषों की यातनाएं चीख रहीं थीं? वह क्यों धर्म के नाम पर न्याय को विभाजित कर रही थी? यह निर्णय 2024 के बाद कांग्रेस के वैचारिक ढांचे को और भी जर्जर करेगा। यह फैसला मीडिया की उस प्रवृत्ति को भी कठघरे में खड़ा करता है जो 'इल्ज़ाम को ही इल्म समझती है।' खुद ही अदालत बन जाती है। वर्षों तक केस खिंचने के बाद यह फैसला एक बात स्पष्ट करता है कि सत्य को जितना भी दबाया जाए, वह अंततः उग आता है। यह भारतीय न्याय व्यवस्था की उस संवेदनशील दृढ़ता का प्रमाण है, जो राजनीति की छाया से परे है। यह उन सबके लिए चेतावनी है, जो सत्ता की साजिश में सत्य को दफन करना चाहते हैं, जो सनातन के प्रतीकों को अपराध की भाषा में ढालना चाहते हैं, जो राष्ट्र की संस्कृति को वोटबैंक की बलि चढ़ा देना चाहते हैं।

सामयिकी

नया संकट निटाजीन

हाल ही में वॉल स्ट्रीट जर्नल में प्रकाशित एक ख़बर के अनुसार यूरोप और अमेरिका समेत दुनिया के कई हिस्सों में एक नया और भयावह संकट दस्तक दे रहा है, जिसका नाम है निटाजीन। यह संकट पहले से जारी फेंटानिल के कहर से भी ज्यादा गंभीर है। निटाजीन ऐसे सिंथेटिक ओपिओइड हैं जो इंसानी शरीर पर बेहद घातक असर डालते हैं, और जिनकी थोड़ी सी मात्रा भी जानलेवा साबित हो सकती है। इनकी ताक़त इतनी अधिक होती है कि ये हेरोइन से 50 से 250 गुना और फेंटानिल से भी पांच गुना ज्यादा प्रभावशाली हो सकते हैं। समस्या यह नहीं कि लोग इन्हें जानबूझकर ले रहे हैं, बल्कि यह है कि लोग इन्हें अनजाने में ले रहे हैं, क्योंकि ये ज़ैनैक्स जैसी ऐंटी-एंग्ज़ायटी दवाओं में तो मिलाए ही जा रहे हैं, अन्य नशीली दवाओं में भी मिलाए जा रहे हैं, चाहे वह हेरोइन हो, कोकीन या एक्स्टसी।

मनोज अभिज्ञान
अधिवक्ता, सुप्रीम कोर्ट

ब्रिटेन और बाल्टिक देशों जैसे बड़े हेरोइन बाजारों में निटाजीन की मौजूदगी तेज़ी से फैल रही है। अकेले ब्रिटेन में 18 महीनों में करीब 400 लोगों की मौत इसके कारण हुई है। यह संकट अब वहां की सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली के लिए वैसा ही खतरा बन गया है जैसा 1980 के दशक में एड्स था। इस नए खतरे की सबसे चिंताजनक बात यह है कि बहुत सारे लोग अनजाने में इन दवाओं का सेवन कर रहे हैं। उदाहरण के लिए, लंदन के एक छात्र एलेक्स हार्पम की नींद में मौत हो गई। पुलिस को पहले लगा कि यह सामान्य कार्डियक अरेस्ट का मामला है। लेकिन उसकी मां के अनुरोध पर जब दवा के नमूनों की गहराई से जांच की गई तो पता चला कि वह ज़ैनैक्स की नकली गोलियां ले रहा था, जिनमें निटाजीन मिला हुआ था। यह सिर्फ ब्रिटेन की बात नहीं है। अमेरिका में भी निटाजीन 2019 से अब तक हजारों बार ड्रग्स में पाए जा चुके हैं, और मौत के कई मामलों से जुड़ चुके हैं। लेकिन समस्या यह है कि कई जगहों पर ओवरडोज़ की जांच रिपोर्टों में निटाजीन की जांच ही नहीं की जाती, जिससे इसका सटीक आंकड़ा मिलना मुश्किल हो जाता है। विशेषज्ञों का मानना है कि वास्तविक स्थिति सरकारी आंकड़ों से कहीं अधिक भयावह हो सकती है। इस खतरे को और गंभीर बनाता है इसका वैश्विक नेटवर्क। निटाजीन चीन में बने हुए रसायनों से तैयार किए जाते हैं, और इनकी बिक्री ऑनलाइन खुलेआम की जा रही है। पाकिस्तान स्थित एक वेबसाइट पर चीन और हांगकांग से जुड़े कई विक्रेताओं के प्रोफाइल खुले तौर पर इन दवाओं की बिक्री का विज्ञापन करते हैं। कुछ विक्रेता तो सीधे रिपोर्टरों को यह भी भरोसा देते हैं कि वे यूरोप तक किसी भी मात्रा में दवा पहुंचा सकते हैं और कस्टम से बच निकलने की गारंटी देते हैं। ये ड्रग्स आमतौर पर 'रिसर्च केमिकल्स' के नाम पर बेचे जाते हैं, लेकिन असल में नशे के लिए तैयार किए गए उत्पाद होते हैं।

निटाजीन की कहानी नई नहीं है। इनका विकास 1950 के दशक में हुआ था लेकिन ये कभी भी चिकित्सकीय उपयोग के लिए स्वीकृत नहीं हुए, क्योंकि इनके घातक साइड इफेक्ट्स सामने आ चुके थे, खासकर श्वसन क्रिया को बंद कर देने वाला प्रभाव। हालांकि पिछले कुछ वर्षों तक ये सीमित स्तर पर ही नज़र आए थे, पर 2019 के बाद से यह तेजी से ड्रग्स बाजार में फैलने लगे हैं, खासकर तब से जब अफगानिस्तान में तालिबान ने अफीम की खेती पर पाबंदी लगा दी। इससे हेरोइन की वैश्विक आपूर्ति में भारी गिरावट आई और ड्रग्स माफिया ने उसका विकल्प ढूंढना शुरू किया, जिसमें निटाजीन सबसे घातक विकल्प के रूप में उभरा। यह सब मिलाकर डरावना परिदृश्य खड़ा करता है, जिसमें नशीली दवाओं के सेवन के परिणाम अब केवल लत तक सीमित नहीं हैं, बल्कि अनजाने में जानलेवा जहर शरीर में जाने का खतरा हर बार मंडरा रहा है। समस्या की जड़ में पूंजी और लालच है, ऐसा लालच जो इंसानी जान से भी बड़ा बन चुका है। अगर इस पर जल्द ही वैश्विक स्तर पर सख्ती नहीं की गई, तो यह संकट महामारी का रूप ले सकता है।

सोशल फोरम

ट्रंप का टैरिफ वार

अमेरिका संसार में सेब के उत्पादन में तीसरा स्थान रखता है। और अमेरिका के राज्यों में सबसे पहले नंबर पर आता है वांशिंग्टन। यहां बता दूं कि वाशिंग्टन डीसी अलग है जो ईस्ट कोस्ट में है। और वांशिंग्टन स्टेट वहां से बहुत दूर वेस्ट कोस्ट के नॉर्थ में है। वहीं सेब का सबसे बड़ा उत्पादक चीन है। अब यदि भारत जैसी विशाल जनसंख्या और बड़े खुले मार्केट वाले देश में यदि सेब भेजना हो, तो कैसे मुकाबला होगा। जबकि यह भी एक तथ्य है कि भारत सेब उत्पादन में विश्व में पांचवें नंबर पर भी है। यानी उत्पादन यहां भी है। तो ऐसे में स्थानीय और चीन जहां रेट गिराने के लिए खराब से खराब क्वालिटी वाला माल उपलब्ध है। भारत जहां सस्ता पहले नंबर पर आता है। वहां अमेरिका कैसे मुकाबला करेगा? और ऊपर से भारत की इंपोर्ट ड्यूटी भारी है, और क्वालिटी का भारत में कोई मोल नहीं है।

हरिशंकर शाही
स्वतंत्र पत्रकार, लखनऊ

इसी तरह से अमेरिका की सबसे बड़ी समस्या है चीनी। अमेरिका के ईस्ट कोस्ट पर बसा राज्य फ्लोरिडा सर्वाधिक चीनी उत्पादन करता है। और अमेरिका का विश्व के चीनी उत्पादन में पांचवा स्थान है, लेकिन चूंकि ब्राजील और भारत तो बड़े चीनी उत्पादक हैं। तो कौन अमेरिका की चीनी खरीदे? ऐसे में यदि भारत में जो कच्ची चीनी आयात करके चीनी बनाई जाती है। उसमें हिस्सा कैसे मिलेगा? क्योंकि भारत की फैक्ट्री को सस्ती कच्ची चीनी तो फिजी से मिल जाती है, नहीं तो साउथ अमेरिका के देशों से मिल जाती है। ऐसे में किसानों को अरबों डॉलर की सब्सिडी देनी पड़ती है। इसीलिए अमेरिका के सामने इस समय समस्या है कि उसे 1950 से लेकर 1980 का अमेरिका यदि वापस चाहिए जहां विश्व के उत्पादन का लगभग 52 प्रतिशत अमेरिका में बनता था। तो अमेरिका को चीन से लेकर साउथ अमेरिका तक से मुकाबला करना पड़ रहा है। ऐसे में चीजें बनाने से पहले उसे बेचने का बाजार खोजना होगा। जैसे बादाम में अभी भी अमेरिका की मोनॉपली है। साथ ही सबसे बड़ी बात है कि अभी भी तक अमेरिकी कॉर्पोरेशन चीन में सामान बनवाकर बेच रहे थे और टैक्स अमेरिका में दे रहे थे।

अमेरिका की सबसे बड़ी समस्या है चीनी। अमेरिका के ईस्ट कोस्ट पर बसा राज्य फ्लोरिडा सर्वाधिक चीनी उत्पादन करता है। और अमेरिका का विश्व के चीनी उत्पादन में पांचवा स्थान है, लेकिन चूंकि ब्राजील और भारत तो बड़े चीनी उत्पादक हैं।

लेकिन अब अरब जैसे देश टैक्स हैवन बनते जा रहे हैं। वहीं 1984 तक मझधार में फंसा यूरोप भी तेजी से ऊपर आया है। तो नया मार्केट चाहिए। इसीलिए यह टैरिफ वार चल रहा है कि कैसे भी अमेरिका में बना सामान आए, लेकिन यह इतना आसान नहीं है।

-फेसबुक वॉल से

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित एवं 117/एल/320-ए, नवीन नगर काकादेव, कानपुर नगर 208001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- दिग्विजय सिंह*** 0512-2548300 (कार्यालय), ईमेल- amritvicharkanpur@gmail.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2022/85730 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी।(नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर होगा)।

कुछ समय पहले तक गांव-देहात के साथ शहरों में भी शादी-ब्याह या उत्सव के मौके पर अक्सर लिल्ली घोड़ी का नाच देखने को मिल जाया करता था। कई पुरानी फिल्मों में भी लिल्ली घोड़ी का नाच दिखाया गया है। लेकिन लोक नृत्य की परम्परा लिल्ली घोड़ी अब लुप्त सी होती जा रही है। लिल्ली घोड़ी के नाच में काठ से घोड़ी का चेहरा बनाया जाता है, जिसे लेकर कलाकार इस तरह चलता, घूमता और झूमता है, जैसे घोड़ी पर बैठा हुआ नृत्य कर रहा है।

लिल्ली घोड़ी का नाच किस-किसने देखा

काठ की तलवार से रणक्षेत्र का योद्धा बन जाता कलाकर

लिल्ली घोड़ी के नाच में कई बार नृतक अपने दूसरे हाथ में लकड़ी की तलवार लेकर उसे इस तरह घुमाता रहता है जैसे कोई योद्धा रणक्षेत्र में युद्ध कर रहा हो। इसके बाद नर्तक अपने पैरों पर नृत्य करता हुआ ऐसा अभिनय करता है, जैसे कोई घोड़ी अपनी पीठ पर घुड़सवार को बिठाकर स्वयं उछल-कूद कर रही हो।

लिल्ली घोड़ी नृत्य को भारत के विभिन्न प्रांतों में अलग-अलग नामों से जाना जाता है। जहां उत्तर प्रदेश एवं मध्य प्रदेश में इसे लिल्ली घोड़ी कहा जाता है, वहीं राजस्थान व गुजरात में पहचान कच्छी घोड़ी की है। गोवा में इसे 'घोड़मोदनी' अर्थात मनोरंजन करने वाली घोड़ी कहते हैं। उड़ीसा में इसका नाम 'चैती घोड़ी' है। 'लिल्ली' शब्द 'लीला' से बना है जिसका अर्थ है, अभिनय। इस प्रकार लिल्ली घोड़ी का अर्थ हुआ, 'लीला करने वाली घोड़ी'। लिल्ली घोड़ी लकड़ी, बांस, घास और कपड़े से बनाई जाती है। यह बिना पैरों वाली घोड़ी का एक खोखला ढांचा होता है, जिसकी पीठ से लेकर पेट तक आरपार बड़ा गोल छेद रखा जाता है। यह भाग इतना चौड़ा बनाया जाता है कि नर्तक पुरुष या स्त्री नीचे से सिर डालकर घुस सके तथा अपना कमर से ऊपर का भाग काठी के ऊपर निकाल सके। काठी का बाहरी भाग रंगीन कपड़ों की झूल एवं झालरों से सजाया जाता है। काले रंग की पूंछ लगाई जाती है और कपड़े एवं खपच्चियों की सहायता से घोड़ी का मुख बनाकर उसे माला, नकेल, कलंगी से सजाया जाता है।

- देश के हर हिस्से में पाई जाने वाली लोक नृत्य की परम्परा अब लुप्त होने के कगार पर
- लकड़ी, बांस, घास और रंगीन कपड़े से बनाया जाता है, बिना पैरों की घोड़ी का खोखला ढांचा

नर्तक के हिलने पर हवा से बातें करती दिखती है घोड़ी

- घोड़ी की काठी पर रंगीन बेल-बूटों वाली लम्बी-चौड़ी झूल डाली जाती है, जो नर्तक के पैरों को ढकती हुई जमान तक लटकती है। नृत्य करते समय नर्तक इस काठी में घुसकर अपना धड़ भाग काठी के ऊपर निकाल लेता है तथा काठी को कसकर अपनी कमर के चारों ओर बांध लेता है। जब वाद्य यंत्र बजते हैं तो नर्तक घोड़ी की लगाम अपने हाथ में पकड़कर इस प्रकार हिलाता और झूमता है जैसे किसी घोड़ी को हांका जाता है।

लेखक: प्रदीप तिवारी

मौत के मुहाने से खींचकर लौटा दी जिंदगी

- जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज, कानपुर के प्राचार्य प्रो. संजय काला ने सुनाई दुर्लभ कैंसर की सफल सर्जरी की कहानी
- फाइब्रोमेक्सॉइड सार्कोमा कैंसर से पीड़ित था मरीज, सर्जरी के बाद भी बन जाता था ट्यूमर

'मेडिकल लाइफ में यूं तो तमाम जटिल ऑपरेशन किए हैं, लेकिन जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के सर्जरी विभाग में किया गया दुर्लभ कैंसर का सफल ऑपरेशन जल्दी भुलाया नहीं जा सकता है। यह कुछ अलग ही तरह का मामला था। मेडिकल कॉलेज का प्राचार्य होने के नाते काम काफी चुनौती पूर्ण था। इसके चलते सर्जरी से पहले वरिष्ठ चिकित्सकों से ऑनलाइन सलाह भी लेनी पड़ी। इसके बाद मरीज के हर अंग, नसों व टिश्यू को ध्यान में रखते हुए दुर्लभ कैंसर की कमांडो सर्जरी की। इसी के साथ जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज ने नया इतिहास रच दिया। इस सफल ऑपरेशन ने यह तथ्य मजबूत कर दिया कि भारतीय डॉक्टर हर चुनौती और जटिल ऑपरेशन को कामयाब बनाने में सक्षम हैं।'

मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. संजय काला

मामला यह था कि फर्रुखाबाद निवासी 65 वर्षीय बुजुर्ग (मिठाई दुकानदार) ने मुंह में गांठ होने पर एक निजी अस्पताल में इलाज कराया, जहां ऑपरेशन करके उसकी गांठ हटा दी गई। लेकिन एक माह बाद फिर से उसके मुंह में गांठ पनप गई। इस पर उन्होंने कानपुर के उर्सला अस्पताल में इलाज कराया। यहां बायोप्सी जांच होने पर गांठ में कैंसर के लक्षण मिले। उर्सला में डॉक्टरों ने सर्जरी करके मुंह से गांठ निकाल दी। इससे बुजुर्ग को कुछ दिन के लिए आराम मिला, लेकिन जल्दी ही उनके मुंह में गांठ फिर से उभर आई। इस बार किसी ने हैलट अस्पताल में इलाज कराने की सलाह दी। पीड़ित बुजुर्ग मरीज यहां आए। उनकी केस हिस्ट्री मेरे पास आई। कई आवश्यक जांचें कराकर इलाज शुरू किया। बायोप्सी में गाल व जबड़े में कैंसर का फैलाव मिला। बुजुर्ग का मुंह भी काफी कम खुल रहा था। जांच रिपोर्ट के अध्ययन से पता चला कि मरीज फाइब्रोमेक्सॉइड सार्कोमा नामक कैंसर से पीड़ित है। यह कैंसर गिने चुने लोगों को ही होता है। ऐसे में मरीज और उनके परिवारीजनों को रोग की जानकारी देकर सर्जरी की अनुमति ली। डॉ. आशीष, डॉ. पारुल, प्लास्टिक सर्जन डॉ. प्रेम शंकर व एनास्थिसिया की डॉ. यामिनी को साथ लेकर मर्ज का

काटना पड़ा मुंह के नीचे का हिस्सा

- इस केस में पीड़ित की कमांडो सर्जरी की गई। कैंसर की वजह से बुजुर्ग के दांत सड़कर निकल चुके थे। कैंसर मुंह के पूरे हिस्से को प्रभावित न कर सके, इसलिए ऑपरेशन में मुंह के नीचे का हिस्सा काटना पड़ा। इसके बाद छाती का मांस प्लास्टिक सर्जरी के माध्यम से वहां लगाया गया। दुर्लभ ट्यूमर (फाइब्रोमेक्सॉइड सार्कोमा) ठीक प्रकार से न निकाला जाए तो फिर से पनप जाता है। इसलिए गांठ के साथ जबड़ा भी निकालना पड़ा। डॉ. प्रेम शंकर ने प्लास्टिक सर्जरी करके मरीज का नया जबड़ा बनाया। आपरेशन को तीन वर्ष हो चुके हैं और मरीज पूरी तरह से स्वस्थ है।

सोने जैसी विरासत पर साहित्य की सुगंध

पीतलनगरी, मुरादाबाद में साहित्य सृजन दस्तावेजी होने के साथ रखता है अलग पहचान

मुगल सम्राट शाहजहां के शासनकाल में सूबेदार रुस्तम खां द्वारा शहजादा मुराद के नाम से बसाया गया मुरादाबाद यूं तो देश-दुनिया में पीतलनगरी के रूप में प्रसिद्ध है, लेकिन यहां के साहित्यकारों के लेखन से भी शहर की पहचान तथा ख्याति समृद्ध रही है, चाहे वह हिन्दी साहित्य का क्षेत्र हो या उर्दू अदब की दुनिया। दोनों ही भाषाओं में महत्वपूर्ण साहित्य-सृजन दस्तावेजी तो रहा ही है, अपनी एक अलग पहचान भी रखता है। साहित्यिक क्षेत्र में माहेश्वर तिवारी के नाम का पर्याय रहे मुरादाबाद ने जहां एक ओर लाला शालिगराम वैश्य, स्वरूप चन्द्र जैन, पं.बलबीर प्रसाद मिश्र, पं.ज्वालादत्त शर्मा, पं.पुरुषोत्तम व्यास, ज्वाला प्रसाद मिश्र, दुर्गादत्त त्रिपाठी, अम्बालाल नागर, कैलाश चन्द्र अग्रवाल 'अधीर', मदनमोहन व्यास, दयानन्द गुप्त, ललितमोहन भारद्वाज, सुरेन्द्रमोहन मिश्र, प्रो. महेन्द्र प्रताप, रामअवतार त्यागी, दुष्यंत कुमार, डॉ. कुंवर बेचैन, शचीन्द्र भटनागर, पुष्पेन्द्र वर्णवाल, दिग्गज मुरादाबादी, रामलाल अन्जाना, ब्रजभूषण सिंह गौतम अनुराग, राजेन्द्र मोहन शर्मा श्रृंग, विख्यात व्यंग्य कवि डॉ. मक्खन मुरादाबादी एवं हुल्लड़ मुरादाबादी जैसे महत्वपूर्ण रचनाकार हिन्दी साहित्य को दिए हैं।

विदेशी विश्वविद्यालयों में पढ़ाई जा रहीं साहित्य पर लिखी पुस्तकें

- वर्तमान हिंदी साहित्यकारों में जहां हिन्दी के प्राध्यापक रहे डॉ. रामानन्द शर्मा द्वारा रीतिकालीन काव्य के सन्दर्भ में लिखी गयीं कई पुस्तकें विदेशों के विश्वविद्यालयों में पढ़ाई जा रही हैं, वहीं शताधिक मौलिक कृतियां लिखने वाले डॉ. महेश दिवाकर एवं डॉ. राकेश चक्र सहित चारों वेदों का काव्यानुवाद करने वाले साहित्यकार डा. अजय अनुपम, बाल साहित्यकार राजीव सक्सेना, साहित्यकार अशोक विश्नोई, हिन्दी और अंग्रेजी में समानरूप से सृजन करने वाले कवि डॉ. आरसी शुक्ल, योगेन्द्र पाल सिंह विश्नोई, डॉ. प्रेमवती उपाध्याय, डॉ. पूनम बंसल, डॉ. अर्चना गुप्ता, वीरेन्द्र सिंह वृजवासी, श्रीकृष्ण शुक्ल व नई पीढ़ी के मयंक शर्मा, राजीव प्रखर, जितेन्द्र जौली, हेमा तिवारी भट्ट, मीनाक्षी ठाकुर, दुष्यंत बाबा, कमल शर्मा, ममता सिंह, कंचन खन्ना, प्रशांत मिश्र, अमर सक्सेना, अभिव्यक्ति सिन्हा, राघव गुप्ता भी मुरादाबाद के साहित्य को समृद्ध कर रहे हैं, तो मुरादाबाद के साहित्यिक इतिहास पर शोध करने वाले डॉ. मनोज रस्तोगी एनसाइक्लोपीडिया जैसे हैं।

गजल की समृद्ध परंपरा ने भी प्रतिष्ठा व पहचान दी

- मुरादाबाद को गजल की समृद्ध परंपरा ने प्रतिष्ठा और पहचान दी है। मशहूर शायर मंसूर उस्मानी के सृजन से निरंतर पुष्ट हो रही गजल की खुशबूदार यात्रा मशहूर शायर ज़मीर दरवेश साहब, निजाम हातिफ, कमर कदीर इरम, अनवर कैफी, डॉ.कृष्ण कुमार नाज, ओमकार सिंह ओंकार, डा.मुजाहिद फराज, रिफत मुरादाबादी, कशिश वारसी, जिया जमीर तक की वरिष्ठ पीढ़ी और फरहत अली, नूररुज्जमा नूर, राहुल शर्मा, मनोज मनु, अंकित गुप्ता अंक, मोनिका मासूम, राशिद हुसैन, आरिफा मसूद अम्बर,

जिगर मुरादाबादी ने शायरी को दिया नया मुकाम...

- उर्दू साहित्य में मशहूर शायर जिगर मुरादाबादी के नाम से पहचाने जाने वाले अदबी शहर मुरादाबाद में गजल की यात्रा 17वीं शताब्दी में लाला नवलराय वफा की शायरी से शुरू होकर जकी मुरादाबादी, मदान अली खां राना, कमर मुरादाबादी, कैफ मुरादाबादी, सूफी अम्बा प्रसाद, किशन कुमार वकार, भगवत सरन मुमताज, काजी शौकत हुसैन, कियाफत अली काफी, गौहर उस्मानी, सतीश फिगार, शाहिद अहसन, सलीम कैफी, दिलकश आफरीदी, हैरत मुरादाबादी, शहाब मुरादाबादी, गगन भारती, जावेद रशीद आमिर, डॉ.मीना नकवी से होती हुई वर्तमान तक पहुंची है।

लेखक – योगेन्द्र वर्मा 'व्योम' नवगीतकार मुरादाबाद।

बच्चों के चेहरे पर शिक्षा की मुस्कान बिखेरनी वाली 'वीरांगना'

'पिता के देहांत के बाद मुझे स्कूल छोड़ना पड़ा था। तीन-चार साल की उम्र तक पैरों में चप्पलें तक नहीं होती थीं। ऐसे में स्कूल फीस भरना मां के लिए बहुत मुश्किल था। सरकारी स्कूल में किसी तरह पढ़ाई की। इसी दौरान ठान लिया कि जो मेरे साथ हुआ, किसी और बच्चे के साथ नहीं होगा। मां-बाप नहीं होने पर आर्थिक चुनौतियों की वजह से किसी बच्चे को पढ़ाई नहीं छोड़ने दूंगी।' बस फिर क्या था, समाज से अलग-थलग हो चुके बच्चों को मुख्य धारा से जोड़ने का जुनून सवार हो गया। यह कहानी वीरांगना स्कूल की संचालिका गुंजन बिष्ट की है।

हल्द्वानी के बरेली रोड स्थित मंगल पड़ाव पर वीरांगना नामक शिक्षा केंद्र संचालित है। यह शहर के निजी स्कूलों से अलग इसलिए है, क्योंकि यहां बच्चों को पढ़ने के लिए फीस नहीं देनी पड़ती है, इसके विपरीत पेंसिल, किताबें, यूनिफार्म स्कूल से मिलती हैं। यही नहीं, बच्चों की पढ़ाई में कोई बाधा न आए, इसलिए उनके घरों में स्कूल की तरफ से राशन तक भरवाया जाता है। इस स्कूल में ऐसे बच्चों को दाखिला मिलता है, जिन्हें समाज साथ नहीं बिठाना नहीं चाहता है। इस स्कूल को संचालित करती हैं गुंजन बिष्ट।

समाज और शिक्षा से उपेक्षित बच्चों का भविष्य संवारने में जुटी हैं गुंजन बिष्ट

भीख मांगने और कूड़ा बीनने वाले बच्चों को शिक्षा से जोड़ा

- सड़क पर गंदे, मैले कपड़े पहने भिक्षा मांगने वाले... और नालियों के किनारे व कूड़े के ढेर से प्लास्टिक बीनने वाले बच्चे गुंजन बिष्ट के स्कूल में पढ़ते हैं। गुंजन बताती हैं कि वर्ष 2000 में परिवार के साथ पहाड़ से हल्द्वानी आकर प्राइवेट जॉब करने लगीं। वर्ष 2008 में शादी हो गई। इसी दौरान रोडवेज बस स्टेशन से निकलते समय गंदे कपड़े पहने एक मासूम बच्चे को भीख मांगते देखा। उनकी बचपन की टीस जाग गई। ठान लिया कि अब ऐसे बच्चों को समाज की मुख्य धारा से जोड़ना है। इसके लिए वह ढोलक बस्ती पहुंचीं, जहां के बच्चे दिन भर भीख मांगते, कूड़ा बीनते थे, लेकिन स्कूल नहीं जाते थे। उन्होंने बच्चों के मां-बाप को समझाया और स्कूल में दाखिला देने के लिए प्रेरित किया। बच्चों को बुनियादी शिक्षा देना शुरू की। इसी से वीरांगना शिक्षा केंद्र की नींव पड़ी। वर्ष 2013 में घर के नीचे गोदाम में शिक्षा केंद्र खोला और 2018 में इसका गैर सरकारी संगठन के रूप में पंजीयन कराया।

शुरू में बच्चों को दिहाड़ी दी, ताकि रोज आएं स्कूल

- गुंजन ने बताया शुरू में यह समस्या आयी कि वह जब बच्चों को घर से स्कूल लाने के लिए पहुंचती थीं, तो अक्सर मां-बाप कमाई नहीं होने के डर से बच्चों को इधर-उधर कर देते थे। इस पर बच्चों को उनकी दिहाड़ी देनी शुरू की ताकि बच्चे रोज आएं। धीरे-धीरे बच्चे बढ़ते गए। लेकिन चुनौती अभी भी बरकरार थी। इन बच्चों के न तो जन्म प्रमाण पत्र थे न आधार कार्ड। स्वास्थ्य टीके भी नहीं लगे थे। प्रशासनिक और स्वास्थ्य अफसरों के पास दौड़ लगाकर उनके जरूरी दस्तावेज बनवाए और टीके लगवाए। इसके बाद बच्चों का सरकारी स्कूलों में दाखिला कराया। धीरे-धीरे बच्चों और उनके मां-बाप को शिक्षा का महत्व समझ आने लगा।

शिक्षा केंद्र में कक्षा एक से 11 तक के पढ़ते 305 बच्चे

- गुंजन के शिक्षा केंद्र में इस समय 305 बच्चे पढ़ रहे हैं। वह गर्व से बताती हैं कि चार बच्चों का शिक्षा का अधिकार अधिनियम में प्रमुख कॉन्वेंट स्कूल में दाखिला हो गया है। एक बच्चा 11वीं और छह बच्चियां 9वीं कक्षा में पढ़ रही हैं। 25 बच्चों को स्कूल में दाखिले के लिए तैयार किया जा रहा है, बाकी बच्चे कक्षा एक से 10वीं तक की पढ़ाई करते हैं।

हर माह अपने वेतन से देतीं हैं 15 हजार रुपये

- गुंजन नैनीताल कोऑपरेटिव बैंक में कैशियर हैं। वह अपनी सैलरी से हर माह 15 हजार रुपये घुमंतू और भिक्षावृत्ति छोड़कर पढ़ने वाले बच्चों की कॉपी-किताबों, स्टेशनरी, यूनिफॉर्म, जूते पर खर्च करती हैं। उनके पति भी खाली समय में बच्चों को पढ़ाते हैं।

वीर योद्धा तीलू रौतेली पुरस्कार से सम्मानित

- गुंजन के जज्बे को सरकार ने भी सराहा है। वर्ष 2023 में उन्हें तीलू रौतेली पुरस्कार से सम्मानित किया गया। तीलू रौतेली गढ़वाल की वीर योद्धा थीं। तीलू से ही प्रेरित होकर गुंजन ने अपने स्कूल का नाम वीरांगना रखा है।

लेखक: अंकुर शर्मा, हल्द्वानी

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	80,599.91	24,565.35
गिरावट	585.67	203
प्रतिशत में	0.72	0.82

सोना 97,620 प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,09,500 प्रति किलो

अमृत विचार

कानपुर, शनिवार, 2 अगस्त 2025

www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर 698.1 अरब डॉलर पहुंचा

मुंबई। भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 25 जुलाई को समाप्त सप्ताह में 2.703 अरब डॉलर बढ़कर 698.192 अरब डॉलर हो गया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने यह जानकारी दी। इससे पिछले सप्ताह में कुल विदेशी मुद्रा भंडार 1.183 अरब डॉलर घटकर 695.489 अरब डॉलर रहा था। 25 जुलाई को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का प्रमुख घटक, विदेशी मुद्रा आस्तियां 1.316 अरब डॉलर बढ़कर 588.926 अरब डॉलर हो गया। डॉलर के संदर्भ में उल्लेखित विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे गए यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं की घट-बढ़ का प्रभाव शामिल होता है। रिजर्व बैंक ने कहा कि स्वर्ण भंडार का मूल्य 1.206 करोड़ डॉलर बढ़कर 85.704 अरब डॉलर हो गया। विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 12.6 अरब डॉलर बढ़कर 18.809 अरब डॉलर हो गया।

नकद ईनाम वाले गेम की अनुमति देने का प्रस्ताव

नई दिल्ली। गूगल ने प्रतिस्पर्धा रोधी चिंताओं को दूर करने के लिए भारत में गूगल प्ले पर नकद ईनाम वाले गेम की अनुमति देने का प्रस्ताव रखा है। इस प्रमुख प्रौद्योगिकी कंपनी ने गूगल विज्ञापन नीति में बदलाव का सुझाव भी दिया है और कुछ शर्तों के साथ भारत में कौशल आधारित गेम के विज्ञापन की अनुमति दी है। भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) ने नवंबर 2024 में विनजो गेम्स प्राइवेट लिमिटेड की शिकायत पर गूगल के खिलाफ जांच का आदेश दिया था। इस बारे में गूगल ने नियामक को एक प्रतिबद्धता प्रस्ताव दिया है।

एप्पल ने रिकॉर्ड राजस्व किया हासिल

नई दिल्ली। आईफोन बनाने वाली कंपनी एप्पल ने अप्रैल-जून तिमाही में भारत सहित 24 से अधिक बाजारों में रिकॉर्ड राजस्व हासिल किया, जो बाजार की उम्मीदों से अधिक है। कंपनी के सीईओ टिम कुक ने हालांकि शुल्क से उत्पन्न स्थिति पर चिंता जाहिर की और सितंबर तिमाही में शुल्क से 1.1 अरब अमेरिकी डॉलर का भार बढ़ने का अनुमान लगाया है। कुक ने इस वर्ष के अंत में भारत और संयुक्त अरब अमीरात में नए बिक्री केंद्र खोलने की योजना की जानकारी भी दी।

अमेरिकी शुल्क से देश के निर्यात पर पड़ेगा असर

जीटीआरआई ने ट्रंप के आदेश का किया विश्लेषण, दवा-रसायन, ऊर्जा उत्पाद व इलेक्ट्रॉनिक क्षेत्र होंगे प्रभावित

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिका के भारत के सभी सामानों पर बिना किसी छूट के 25 प्रतिशत का शुल्क लगाने से अमेरिका को होने वाले निर्यात पर बुरा असर पड़ सकता है। आर्थिक शोध संस्थान ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनीशिएटिव (जीटीआरआई) द्वारा अमेरिका के कार्यकारी आदेश के विश्लेषण के अनुसार 25% शुल्क दवा, मुख्य रसायन, ऊर्जा उत्पाद और इलेक्ट्रॉनिक जैसे क्षेत्रों पर लागू नहीं होगा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने आदेश में विभिन्न देशों पर लगने वाली शुल्क दरों का ब्योरा दिया है। जवाबी शुल्क दरों में अतिरिक्त संशोधन शीर्षक वाले सरकारी आदेश में राष्ट्रपति ट्रंप ने करीब 70 देशों पर लगाए जाने वाली शुल्क दरों का ब्योरा दिया है।

जीटीआरआई के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा, अमेरिका ने भारत से अमेरिका को होने वाले निर्यात को बुरी तरह प्रभावित करने वाला कदम उठाते हुए भारत के अधिकतर सामानों पर 25% शुल्क लगा दिया है। यह सात अगस्त 2025 से लागू होगा। भारत-अमेरिका व्यापार संबंधों का एक महत्वपूर्ण अध्याय उथल-पुथल भरे दौर में प्रवेश कर गया है।

आदेश में उल्लेख किया गया है कि

● 25 प्रतिशत शुल्क छूट प्राप्त श्रेणियों पर नहीं होगा लागू

एक बार देश अमेरिका के साथ समझौता कर लें तो शुल्क कम हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि 25% शुल्क छूट प्राप्त श्रेणियों पर लागू नहीं होगा। इनमें तैयार दवाइयां, दवा सामग्री (एपीआई) व अन्य प्रमुख दवाओं के कच्चे माल, ऊर्जा उत्पाद जैसे कच्चा तेल, परिष्कृत ईंधन, प्राकृतिक गैस, कोयला व बिजली, महत्वपूर्ण खनिज, इलेक्ट्रॉनिक ण्चं अर्धचालकों की विस्तृत श्रृंखला, जिसमें कंप्यूटर, टैबलेट, स्मार्टफोन, सॉलिड-स्टेट ड्राइव, फ्लैट पैनल डिस्प्ले और एकीकृत सर्किट शामिल हैं। अनुमान अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 में भारत का वस्तु निर्यात वित्त वर्ष 2024-25 के 86.5 अरब अमेरिकी डॉलर से 30 प्रतिशत घटकर वित्त वर्ष 2025-26 में 60.6 अरब अमेरिकी डॉलर रह सकता है।

अधिकांश पर पहले से छूट, कृषि-डेयरी पर रियायत नहीं

अमेरिका द्वारा भारतीय उत्पादों पर लगाए शुल्क का भारत पर खास असर नहीं पड़ेगा, क्योंकि अधिकांश भारतीय वस्तुएं पहले से ही अमेरिकी छूट की श्रेणी में हैं। सरकारी सूत्रों ने शुक्रवार को यह अनुमान जताया। साथ ही भारत ने साफ कर दिया है कि वह किसी भी व्यापार समझौते में कृषि, डेयरी और आनुवंशिक रूप से संवर्धित (जीएम) खाद्य उत्पादों पर कोई शुल्क रियायत नहीं देगा। सूत्रों के मुताबिक, भारत के कुल निर्यात का बड़ा हिस्सा पहले ही अमेरिकी सरकार की तरफ से सेक्शन 232 के तहत दी जाने वाली छूट के दायरे में आता है। ऐसे में उन उत्पादों पर बढ़ा हुआ शुल्क लागू नहीं होगा। सूत्रों ने कहा, भारत से अमेरिका को होने वाले आधे से अधिक निर्यात इस शुल्क वृद्धि से अप्रभावित रहेंगे। नई शुल्क नीति से 40 अरब डॉलर के निर्यात पर ही असर पड़ने की आशंका है। 2024-25 में भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार 131.8 अरब डॉलर रहा था। इसमें भारत से निर्यात 86.5 अरब डॉलर जबकि अमेरिका से आयात 45.3 अरब डॉलर था।

शुल्क का असर भारत से ज्यादा अमेरिकी जीडीपी पर पड़ेगा

भारतीय निर्यात पर 25 प्रतिशत शुल्क लगाने का असर भारत की तुलना में अमेरिका पर कहीं ज्यादा पड़ेगा और उसके सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में गिरावट आने के साथ डॉलर भी कमजोर हो सकता है। एसबीआई रिसर्च की रिपोर्ट में शुक्रवार को यह अनुमान जताया गया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 30 जुलाई को घोषणा की थी कि भारतीय वस्तुओं पर 25 प्रतिशत शुल्क लगाया जाएगा। इसके अलावा रूस से कच्चे तेल और रक्षा उपकरणों की खरीद करने की वजह से भारतीय उत्पादों पर अलग से जुर्माना भी लगाया गया है। एसबीआई रिसर्च ने कहा कि यह अमेरिका की खराब व्यापार नीति है, क्योंकि इससे अमेरिका की घरेलू मुद्रास्फीति और उपभोक्ता कीमतों पर नकारात्मक असर पड़ेगा, जबकि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला की छिपी हुई ताकतें खुद को समायोजित कर भारत को कुछ राहत देंगी। अमेरिकी अर्थव्यवस्था को भारत से ज्यादा झटका लग सकता है क्योंकि वहां जीडीपी में गिरावट, महंगाई में तेजी और डॉलर में कमजोरी के आसार दिख सकते हैं। इन शुल्कों से अमेरिकी उपभोक्ताओं को सालाना औसतन 2,400 डॉलर का अतिरिक्त बोझ उठाना पड़ सकता है। वहीं, कम आयवर्ग के परिवारों पर यह असर अपेक्षाकृत तीन गुना हो सकता है। 2024-25 में अमेरिका 20 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ भारत का सबसे बड़ा निर्यात गंतव्य बना रहा, लेकिन शीर्ष 10 साझेदार देशों का कुल हिस्सा 53 प्रतिशत ही है।

विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि दर 16 महीने के उच्च स्तर पर

मुंबई, एजेंसी

भारत के विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि दर जुलाई में मजबूत होकर 16 महीने के उच्च स्तर 59.1 पर पहुंच गई। अनुकूल मांग परिस्थितियों के बीच नए ऑर्डर और उत्पादन में तेजी से इसे समर्थन मिला। शुक्रवार को जारी मासिक सर्वेक्षण में यह जानकारी दी गई।

मौसमी रूप से समायोजित 'एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण क्रय प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) जून के 58.4 से बढ़कर जुलाई में 59.1 हो गया। यह मार्च 2024 के बाद से इस क्षेत्र में सबसे मजबूत सुधार का संकेत है। एचएसबीसी के मुख्य भारतीय अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा, भारत की विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि दर 16 महीने में दर्ज सबसे अधिक दर है जिसे नए ऑर्डर और उत्पादन में मजबूत वृद्धि से बल मिला। कुल बिक्री पांच वर्ष में सबसे तेज गति से बढ़ी। भारतीय विनिर्माता आगामी 12 महीनों में उत्पादन में वृद्धि को लेकर आश्वस्त हैं लेकिन समग्र सकारात्मक भावना का स्तर तीन वर्ष में अपने निम्न स्तर पर आ गया है।

फिच ने वृद्धि अनुमान घटाकर 6.3% किया

नई दिल्ली। फिच रेटिंग्स ने शुक्रवार को चालू वित्त वर्ष के लिए भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) अनुमान को घटाकर 6.3% कर दिया। साथ ही कहा कि भारतीय कंपनियों पर अमेरिकी उच्च शुल्क का सीमित प्रत्यक्ष प्रभाव पड़ने की आशंका है। फिच ने अप्रैल में अपने वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में 2025-26 के लिए भारत की जीडीपी वृद्धि 6.4% रहने का अनुमान लगाया था। फिच ने जारी अपनी इंडिया कॉरपोरेट क्रेडिट ट्रेंड्स रिपोर्ट में कहा, 2025-26 के दौरान भारत की जीडीपी वृद्धि 6.3% रहेगी। बुनियादी ढांचे पर मजबूत खर्च के चलते सीमेंट और निर्माण सामग्री, बिजली, पेट्रोलियम उत्पाद, इस्पात और इंजीनियरिंग एवं निर्माण कंपनियों की अच्छी मांग को बल मिलेगा। मार्च 2026 को समाप्त होने वाले वित्त वर्ष में उसकी रेटिंग वाली भारतीय कंपनियों के ऋण मानकों में सुधार होगा।

शुल्क की चिंता में बाजार दूसरे दिन भी रहा प्रभावित

मुंबई, एजेंसी

अमेरिकी शुल्क संबंधी चिंताओं व वैश्विक बाजारों में व्यापक बिकवाली के बीच शुक्रवार को भारतीय शेयर बाजार लगातार दूसरे दिन गिरावट के साथ बंद हुए। सेंसेक्स 586 अंक टूट गया जबकि निफ्टी में भी 203 अंकों की गिरावट दर्ज की गई। अमेरिकी सरकार के 25% शुल्क के ऐलान के बाद वैश्विक व्यापार में गतिरोध की आशंका है। वहीं, विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली ने भी धारणा को कमजोर किया।

बीएसई का सेंसेक्स उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में 585.67 अंक

गिरकर 80,599.91 अंक पर बंद हुआ। एनएसई का निफ्टी भी 203 अंक गिरकर 24,565.35 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में से सन फार्मा का शेयर 4.43% टूट गया। कंपनी ने अप्रैल-जून तिमाही के शुद्ध लाभ में 20% की गिरावट दर्ज की। इसके अलावा टाटा स्टील, मारुति, टाटा मोटर्स, इन्फोसिस, भारती एयरटेल और टेक महिंद्रा के शेयर भी गिरावट के साथ बंद हुए। दूसरी तरफ, ट्रेंट, एशियन पेंट्स, हिंदुस्तान यूनिलीवर, आईटीसी, कोटक महिंद्रा बैंक और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में तेजी का रुझान देखने को मिला। बीएसई पर सूचीबद्ध 2,712 कंपनियों के शेयर गिरावट के साथ बंद हुए जबकि 1,306 शेयरों में तेजी रही और 151 अन्य अपरिवर्तित रहे। बीएसई स्मालकैप में 1.59 और मिडकैप 1.37 प्रतिशत गिर गया।

विदेशी निवेशकों ने बेचे 5,588.91 करोड़ के शेयर

शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने गुरुवार को 5,588.91 करोड़ रुपये मूल्य के शेयरों की शुद्ध बिकवाली की। एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की, चीन का शंघाई कंपोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग नुकसान में बंद हुए। यूरोपीय बाजार गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे। अमेरिकी बाजार बृहस्पतिवार को नकारात्मक दायरे में बंद हुए थे। इस बीच, ब्रेंट क्रूड वायदा 0.39 प्रतिशत गिरकर 71.42 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। बृहस्पतिवार को भी सेंसेक्स 296.28 अंक गिरकर 81,185.58 अंक और निफ्टी 86.70 अंक घटकर 24,786.35 अंक पर बंद हुआ था।

देश में बिजली खपत 2.6 प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली, एजेंसी

देश में बिजली की खपत जुलाई में सालाना आधार पर 2.6 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 153.63 अरब यूनिट रही। इसका मुख्य कारण देश के कई हिस्सों में भारी बारिश के बीच एयर कंडीशनर, कूलर जैसे उपकरणों का कम उपयोग था।

आंकड़ों के अनुसार, पिछले साल जुलाई में बिजली की खपत 149.65 अरब यूनिट रही थी। सक्रिय मानसून के कारण देश भर में हुई भारी बारिश ने जुलाई में बिजली की खपत के साथ-साथ मांग को भी प्रभावित किया। जुलाई में एक दिन में सबसे अधिक आपूर्ति थोड़ी कम होकर लगभग

● 153.63 अरब यूनिट बिजली की हुई मांग, बारिश के कारण एयर कंडीशनर, कूलर जैसे उपकरणों का कम हुआ उपयोग

220.59 गीगावाट रही, जो पिछले साल जुलाई में लगभग 226.63 गीगावाट थी। एक दिन में बिजली की सर्वाधिक मांग पिछले साल मई में 250 गीगावाट के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गई थी।

इससे पहले सर्वकालिक उच्चतम बिजली मांग 243.27 गीगावाट सितंबर, 2023 में दर्ज हुई थी। 2025 की गर्मियों में बिजली की मांग 277 गीगावाट तक पहुंचने की उम्मीद थी। हालांकि, गर्मी के मौसम के दौरान, जून में बिजली की मांग रिकॉर्ड 242.77 गीगावाट रही। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, इस साल मानसून निर्धारित समय से आठ दिन पहले, 24 मई को केरल तट पर पहुंच गया।

राष्ट्रीय

रास में हंगामे की भेंट चढ़े शून्यकाल और प्रश्नकाल

बैठक दिनभर के लिए स्थगित, एसआईआर समेत तमाम मुद्दों पर गतिरोध

नई दिल्ली, एजेंसी

बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) सहित विभिन्न मुद्दों पर विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण राज्यसभा की कार्यवाही शुक्रवार को एक बार के स्थगन के बाद दोपहर बारह बज कर तीन मिनट पर पूरे दिन के लिए स्थगित कर दी गई। उच्च सदन में हंगामे की वजह से शुक्रवार को भी शून्यकाल और प्रश्नकाल नहीं हो पाया।

पूर्वाह्न 11 बजे बैठक शुरू होने पर उपसभापति हरिवंश ने आवश्यक दस्तावेज सदन के पटल पर रखवाए। उन्होंने बताया कि उन्हें नियम 267 के तहत 30 नोटिस मिले हैं जिनमें बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर), ओडिशा में महिलाओं और बच्चों के कथित उत्पीड़न, बंगाली कामगारों के साथ दूसरे राज्यों में कथित दुर्व्यवहार, छत्तीसगढ़ में दो ननों की गिरफ्तारी,

संसद परिसर में ईएसआर व अन्य मुद्दों पर विरोध जताते विपक्षी दल के नेता।

अमेरिका द्वारा भारत पर लगाए गए 25 फीसदी शुल्क और जुर्माने के दुष्प्रभाव के मुद्दे पर नियत कामकाज स्थगित कर तत्काल चर्चा कराए जाने की मांग की गई है। हरिवंश के अनुसार कांग्रेस के नीरज डांगी, अखिलेश प्रसाद सिंह, राजीव शुक्ला, रेणुका चौधरी, रंजीत रंजन, द्रमुक सदस्य तिरुचि शिवा, तृणमूल कांग्रेस के साकेत गोखले और सुष्मिता देव ने एसआईआर की वजह से उत्पन्न चिंताओं पर चर्चा की मांग की। उपसभापति ने बताया कि तृणमूल कांग्रेस की मौसम बी नूर, रीताब्रता बनर्जी, और सागरिका घोष तथा समीरुल इस्लाम ने अन्य राज्यों में बंगाली प्रवासी श्रमिकों के साथ कथित भेदभाव के मुद्दे पर चर्चा की मांग की है।

उन्होंने बताया कि बीजद के निरंजन बिशी, देबाशीष सामंतराय, सुलता देव, सस्मित पात्रा, मानस रंजन मंगराज, सुभाशीष खुंटिया, मुजीबुल्ला खान ने ओडिशा में महिलाओं के खिलाफ कथित तौर पर बढ़ते अपराध के मुद्दे पर चर्चा की मांग की है। हरिवंश के अनुसार, कांग्रेस की जे बी माथेर हीशम तथा मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के ए ए रहीम ने छत्तीसगढ़ में 24 जुलाई को हुई दो ननों की कथित अन्यायपूर्ण गिरफ्तारी के मुद्दे पर पर चर्चा की मांग की, जबकि सपा के रामजीलाल सुमन तथा आम आदमी पार्टी के संजय सिंह ने अमेरिका द्वारा भारतीय वस्तुओं पर 25 प्रतिशत शुल्क और जुर्माना लगाने के मुद्दे पर चर्चा की मांग की है।

जनता ने इतना बड़ा अवसर दिया है, नारेबाजी और तख्तियों से मत गंवाओ : बिरला

नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र की शुरुआत से ही बिहार में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे पर लोकसभा में हंगामा कर रहे विपक्षी दलों के सदस्यों को नसीहत देते हुए लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने शुक्रवार को कहा कि जनता ने आपको इतना बड़ा अवसर दिया है, इसे नारेबाजी करके और तख्तियां दिखाकर मत गंवाइए। मानसून सत्र की शुरुआत 21 जुलाई को हुई थी और आज सदन की कार्यवाही का 10वां दिन है। सदन में इस दौरान केवल दो दिन, मंगलवार और बुधवार को प्रश्नकाल निर्बाध तरीके से पूरा चला। सदन में ऑपरेशन सिंदूर पर विशेष चर्चा और मणिपुर में राष्ट्रपति शासन बढ़ाने संबंधी सांविधिक संकल्प को मंजूरी के अलावा अन्य कोई महत्वपूर्ण विधायी कामकाज नहीं हो सका। शुक्रवार को भी कार्यवाही शुरू होते ही विपक्षी सांसद एसआईआर के मुद्दे पर नारेबाजी करने लगे। वे सदन में इस विषय पर चर्चा की मांग कर रहे हैं। उनके हंगामे के कारण बैठक कुछ ही मिनट में दोपहर दो बजे तक स्थगित कर दी गई और प्रश्नकाल नहीं चल सका। बैठक स्थगित करने की घोषणा से पहले अध्यक्ष बिरला ने नारेबाजी कर रहे सदस्यों से आग्रह किया, सदन की गरिमा को बनाकर रखिए।

राहुल ने वोट चोरी का एटम बम की तरह सबूत होने का किया दावा

निर्वाचन आयोग ने निंदनीय बताया

नई दिल्ली, एजेंसी

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शुक्रवार को दावा किया कि निर्वाचन आयोग 'वोट चोरी' में शामिल है और इस बारे में उनके पास ऐसा पुख्ता सबूत है जो 'एटम बम' की तरह है जिसके फटने पर आयोग को कहीं छिपने की जगह नहीं मिलेगी। निर्वाचन आयोग ने उनके आरोपों को आधारहीन और निंदनीय करार दिया तथा कहा कि अब कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने आयोग और उसके कर्मचारियों को धमकाना भी शुरू कर दिया है।

कांग्रेस नेता ने यह आरोप भी लगाया कि आयोग भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के लिए 'वोट चोरी' करा रहा है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने यह भी कहा कि 'वोट चोरी' में जो भी शामिल होगा, उसे बख्शा नहीं जाएगा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने नेता प्रतिपक्ष पर

तंज कसते हुए कहा कि उन्हें बम की तरह फटने के बजाय पानी की तरह बहना चाहिए। सत्तारूढ़ पार्टी ने निर्वाचन आयोग को निशाना बनाने के लिए अलोकतांत्रिक और अशोभनीय भाषा का इस्तेमाल करने को लेकर भी राहुल पर तीखा प्रहार किया। राहुल गांधी ने यह आरोप उस दिन लगाया, जब आयोग ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया पूरी करने के बाद राज्य के लिए मतदाता सूचियों का मसौदा शुक्रवार को प्रकाशित किया। कांग्रेस के शीर्ष नेता ने संसद परिसर में संवाददाताओं से कहा, मैंने बोला है कि वोट चोरी हो रही है।

पुणेः यवत में व्हाट्सएप पोस्ट को लेकर भड़की हिंसा, आगजनी भी की

पुणे, एजेंसी

पुणे की दौंड तहसील के यवत में दूसरे समुदाय के युवक द्वारा सोशल मीडिया पर कथित तौर पर आपत्तिजनक पोस्ट अपलोड किए जाने से गुस्साई भीड़ ने शुक्रवार दोपहर तोड़फोड़ और आगजनी की। अधिकारियों ने बताया कि एक मोटरसाइकिल को आग के हवाले कर दिया गया, जबकि एक बेकरी को क्षति पहुंचाई गई।

उन्होंने बताया कि उग्र लोगों के बड़ी संख्या में सड़क पर उतर जाने के कारण स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए पुलिस को आंसू गैस के गोले दागने पड़े। अधिकारियों ने बताया कि गांव में इस समय भारी संख्या में पुलिस बल को तैनात किया गया है,

● स्थिति नियंत्रण में लाने के लिए पुलिस को आंसू गैस के गोले दागे

जबकि शांति एवं व्यवस्था बहाल हो गई है। एसपी (पुणे देहात) संदीप सिंह गिल ने बताया कि गांव के बाहर से आये युवक ने सोशल मीडिया मंच 'व्हाट्सएप' पर आपत्तिजनक पोस्ट की थी और उसे हिरासत में ले लिया गया है। गिल ने कहा, सूचना मिलते ही हमने युवक को हिरासत में ले लिया और कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू हो गई। हालांकि, तब तक पोस्ट प्रसारित हो गई और पहले से ही कुछ घटनाओं के कारण तनावग्रस्त गांव में और भी तनाव फैल गया। भीड़ ने दूसरे समुदाय के सदस्यों की इमारतों में तोड़फोड़ की।

सुप्रीम कोर्ट ने थरूर के खिलाफ मानहानि की कार्यवाही पर रोक बढ़ाई

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने प्रधानमंत्री मोदी पर निशाना साधते हुए कथित 'शिवलिंग पर बिच्छू' वाली टिप्पणी के लिए कांग्रेस सांसद शशि थरूर के खिलाफ दायर मानहानि के मामले में निचली अदालत की कार्यवाही पर लगी रोक शुक्रवार को बढ़ा दी। न्यायालय ने रोक बढ़ाते हुए शिकायतकर्ता के वकील से यह भी कहा कि 'इतना भावुक क्यों हो रहे हैं। न्यायमूर्ति एम एम सुंदरेश और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने थरूर के वकील के अनुरोध पर मामले की सुनवाई स्थगित करने के बाद यह आदेश पारित किया। शिकायतकर्ता, भाजपा नेता राजीव बब्बर की ओर से पेश हुए वकील ने मुख्य कार्यवाही दिवस पर सुनवाई की मांग की।

ऋण धोखाधड़ीः ईडी ने अनिल अंबानी 5 को पूछताछ के लिए किया तलब

नई दिल्ली, एजेंसी

● विदेश यात्रा करने से रोकने के लिए लुकआउट सर्कुलर भी जारी

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने रिलायंस समूह के चेयरमैन अनिल अंबानी के समूह की कंपनियों के खिलाफ दर्ज करोड़ों रुपये के कथित बैंक ऋण धोखाधड़ी से जुड़े धनशोधन मामले में उन्हें पांच अगस्त को पूछताछ के लिए बुलाया है। सूत्रों ने बताया कि संघीय जांच एजेंसी ने अनिल अंबानी को विदेश यात्रा करने से रोकने के लिए उनके खिलाफ लुकआउट सर्कुलर (एलओसी) भी जारी किया है।

उन्होंने कहा कि मामला दिल्ली में दर्ज होने की वजह से अंबानी (66) को दिल्ली स्थित ईडी मुख्यालय बुलाया गया है। सूत्रों के अनुसार, एजेंसी अंबानी के पेश होने पर धनशोधन निवारण अधिनियम के तहत उनका बयान दर्ज करेगी। उनके समूह की कंपनियों के कुछ अधिकारियों को भी अगले कुछ दिन में पेश होने के लिए कहा गया है। पिछले सप्ताह संघीय एजेंसी ने 50 कंपनियों के 35 परिसरों और अनिल के व्यापारिक समूह के अधिकारियों समेत 25 लोगों के परिसरों पर छापे मारे थे।

न्यायालय ने ऑनलाइन सट्टेबाजी और ऋण एप पर राज्यों से मांगा जवाब

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कहा कि ऑनलाइन सट्टेबाजी और ऋण एप का बढ़ना सार्वजनिक महत्व का सर्वोपरि मुद्दा है। कोर्ट ने इनके नियमन पर सभी राज्यों से जवाब मांगा। न्यायमूर्ति सूर्यकांत व न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा कि वह हैदराबाद के व्यवसायी के ए पॉल द्वारा दायर जनहित याचिका पर सुनवाई करेगी, जिसमें दावा किया गया है कि ऑनलाइन सट्टेबाजी और जुआ एप का उपयोग करने के बाद कई बच्चों ने आत्महत्या कर ली है।

याचिका में मशहूर हस्तियों को ऐसे एप का समर्थन करने से और मीडिया को उन्हें प्रचारित करने से रोकने के लिए

अंतरिम निर्देश देने का अनुरोध किया गया है। पीठ ने कहा कि वह इस मामले को 18 अगस्त को प्राथमिकता के आधार पर सुनवाई के लिए सूचीबद्ध कर रही है और राज्यों से कहा कि वे याचिका पर शीघ्र जवाब दें। पॉल ने दलील दी कि इन सट्टेबाजी एप का विनियमन के मुख्य मुद्दे पर निर्णय न्यायिक प्रक्रिया में किया जा सकता है, लेकिन अंतरिम रूप से जो आवश्यक है वह यह है कि क्रिकेटर सहित मशहूर हस्तियों को इन एप का प्रचार करने से रोका जाए, क्योंकि कई युवा जो उन्हें अपना आदर्श मानते हैं, इन एप का उपयोग शुरू कर देते हैं। पॉल ने कहा, इन मशहूर हस्तियों पर तुरंत लगाम लगाई जानी चाहिए और मीडिया से कहा जाना चाहिए कि वे इन विज्ञापनों को न दिखाएं, क्योंकि इनके इस्तेमाल से 3 करोड़ से अधिक किशोर प्रभावित होते हैं। सरकार ने एक महादेव एप पर प्रतिबंध लगा दिया है, लेकिन कई अन्य एप भी हैं।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने इस दलील से सहमति जताते हुए कहा कि यदि सरकार एक एप पर प्रतिबंध लगाती है, तो अगले दिन उसी प्रोफाइल का दूसरे नाम वाला एप ऑनलाइन आ जाता है।

शहीदों को श्रद्धांजलि

लेफ्टिनेंट जनरल पुष्पेन्द्र सिंह नई दिल्ली में राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर सेना के उप प्रमुख के रूप में पदभार ग्रहण करने के समारोह के दौरान शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए।

डॉग परेशानी में नहीं छोड़ते आपका साथ

पढ़ सकते हैं आपका दिमाग

कुत्ते एक शानदार साथी होते हैं क्योंकि आपने गौर किया होगा कि जब आप रो रहे होते हैं तो वे अपने सिर को थोड़ा झुका कर आपको सांत्वना दे रहे होते हैं, जब आप तनाव में होते हैं तो वे दबे पांव आपके समीप आ जाते हैं और जब आप बहुत परेशानी में होते हैं तो वे आपका कभी साथ नहीं छोड़ते। मनुष्य और कुत्ते के हजारों वर्षों के साथ का यह नतीजा है कि वे हमारी आवाज, चेहरे के भावों, यहां तक हमारे मस्तिष्क की रासायनिक गतिविधियों के साथ सामंजस्य कायम कर लेते हैं। जब आपके कुत्ते के साथ आपकी आंख मिलती है तो उसे यह भांपने में चंद सेकेंड भी नहीं लगते है कि आपके भीतर कौन सी भावनाएं उत्पन्न हो रही हैं। यदि आप अपने कुत्ते को देखकर खुश होते हैं तो इस खुशी के कारण भी आपके मस्तिष्क में प्रेम करने वाले हार्मोन अर्थात ऑक्सीटोसिन का स्राव होने लगता है। इस असाधारण मनोवैज्ञानिक बुद्धिमत्ता का आगाज मस्तिष्क से ही होता है।

कुत्ते के दिमाग में चंद ऐसे क्षेत्र होते हैं जो मानव की तरह आवाजों को लेकर संवेदनशील होते हैं। ब्रेन इमेजिंग के आधार पर किए गए अध्ययन में शोधकर्ताओं ने पाया कि मुंह से निकलने वाली ध्वनियों के कारण कुत्तों के कनपटी के समीप वृक्क के बाहरी भाग ध्वनियों का संश्लेषण क्षेत्र होता है। रोचक बात है कि कुत्ते किसी भी ध्वनि पर ही प्रतिक्रिया नहीं करते वे भावनात्मक रूप से प्रेरित ध्वनियों को लेकर भी संवेदनशील होते हैं, जैसे हंसी, रोना, क्रोध की भावनाओं से जुड़ी आवाजें। इन ध्वनियों से कुत्तों के ऑडिटरी कार्टेक्स (आवाज संबंधी वृक्क का बाहरी भाग) तथा प्रमस्तिष्क खंड सक्रिय हो जाता है। दिमाग का यह भाग भावनाओं का संश्लेषण करता है। कुत्ते लोगों का चेहरा पढ़ने में भी माहिर होते हैं। जब कुत्तों को मानव के चेहरों की तस्वीर दिखायी गयी तो उनकी मस्तिष्क गतिविधियां बढ़ी हुई पायी गयीं। परिचित मनुष्य के चेहरे को देखकर कुत्ते के खुशी एवं भावनात्मक प्रक्रियाओं को पैदा करने वाले मस्तिष्क के हिस्से सक्रिय हो गये। इसे आप ऐसे भी समझ सकते हैं कि आपके कुत्ते का दिमाग आपकी भावनाओं और अभिव्यक्तियों को शब्दों में नहीं भावनाओं के आधार पर संश्लेषित करता है।

ऑक्सीटोसिन प्रभाव

कुत्ते और मनुष्य के बीच का संबंध हमारे बीच का रासायनिक संबंध भी हो सकता है। जब कुत्ते और मनुष्य की दृष्टियां सौम्य ढंग से मिलती हैं तो दोनों ऑक्सीटोसिन का स्राव बढ़ने की बात को महसूस करते हैं। ऑक्सीटोसिन को प्राय: प्रेम हार्मोन भी कहते हैं। वे मालिक जिनके कुत्तों के साथ परस्पर सौम्य दृष्टियों का आदान-प्रदान होता है उनके भीतर ऑक्सीटोसिन का उच्च स्तर पाया गया। यह स्तर उनके कुत्तों में भी अधिक पाया गया। इस रसायन के स्राव से कुत्ते और मनुष्य के बीच के आपसी रिश्ते और प्रगाढ़ हो जाते हैं जैसे अभिभावक और बच्चे के।

मित्रता की नस्ल

कुत्ते मनुष्य की भावनाओं से इतने आश्चर्यजनक ढंग से कैसे तारतम्य बैठा लेते हैं? इसका उत्तर हमारे साथ उनकी विकास यात्रा में जुड़ा है। कुत्तों में भी वही मस्तिष्क होता है जो उनके पूर्वज जगली भेड़ियों में होता है। कुत्तों को पालतू बनाने की प्रक्रिया में उनके मस्तिष्क में इस तरह के बदलाव आये जिससे उनकी सामाजिक एवं भावनात्मक बुद्धिमत्ता में इजाफा हो गया। इसके संकेत एक रूसी भेड़िये को पालतू बनाने के उदाहरण से मिले। भेड़िये को जब पालतू बनाने का प्रयास किया गया तो उसके मस्तिष्क के भावनात्मक एवं संबंध बनाने वाले क्षेत्रों में गतिविधियां को संचालित करने वाले ग्रे मैटर में वृद्धि होने लगी। इन नतीजों से उस अवधारणा को गंभीर चुनौती मिली कि पालतू बनाने से पशुओं की बुद्धिमत्ता कम हो जाती है।

बेहद तनाव के क्षणों में दिल की धडकन का एक सा पैटर्न

2019 के एक अध्ययन में पाया गया कि बेहद तनाव के क्षणों में एक कुत्ते और मनुष्य की जोड़ी में दिल की धडकन का पैटर्न एक समान पाया गया। अर्थात दोनों की दिल की धड़कनें मानों परस्पर आईना बन गयी हों। इस भावनात्मक संसर्ग को समझने के लिए जटिल तर्कों की आवश्यकता नहीं है। यह आपसी जुड़ाव से होने वाली स्वत: सहानुभूति है। कुत्ता जब सहानुभूति की स्थिति में धीरे धीरे रोता या उबासी लेता है तो यह आपके जुड़ाव व भावनात्मक तारतम्यता से होता है।

वर्ल्ड ब्रीफ

राजनयिकों की आंशिक निकासी आदेश

तेल अवीव। इजराइल के विदेश मंत्रालय ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से अधिकांश राजनयिक कर्मचारियों और उनके परिवारों को निकालने का आदेश दिया है। यह फैसला राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद (एनएससी) के खाड़ी में रहने वाले इजरायलियों के लिए यात्रा चेतावनी के बाद लिया गया है। समचार पोर्टल 'वाईनेट' ने यह जानकारी दी। रिपोर्ट में गुरुवार को कहा गया है कि इजरायली एनएससी द्वारा यूएई की यात्रा के खिलाफ प्रकाशित एक चेतावनी के बाद आंशिक निकासी का यह आदेश सामने

बच्चों के प्रिय लेखक ऑल्बर्ग का निधन

लंदन। प्रसिद्ध ब्रिटिश लेखक ऐलन ऑल्बर्ग का 87 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। उन्होंने बच्चों के लिए ईट पीच पियर प्लम और द जॉली पोस्टमैन समेत 150 से अधिक किताबें लिखीं हैं। पेंग्विन रैंडम हाउस ने बताया कि मंगलवार को ऑल्बर्ग का निधन हुआ। हालांकि, मृत्यु का कारण नहीं बताया गया। ऑल्बर्ग की कहानियां बच्चों के लिए सरल तुकबंदी और हल्के-फुल्के हास्य के साथ पेश की जाती थीं। उनकी किताब द जॉली पोस्टमैन (1986) में बच्चों के लिए पोस्टकार्ड और लिफाफे में पत्र शामिल किए गए थे। ऑल्बर्ग ने चुटकुले वाली किताबें भी लिखीं जिनमें द हा हा बोंक बुक शामिल है।

सांप्रदायिक हिंसा की जांच को समिति गठित

दमिश्क। सीरिया के नए प्राधिकारियों ने देश के दक्षिणी हिस्से में हाल में हुई सांप्रदायिक हिंसा के दौरान नागरिकों पर हुए हमलों की जांच के लिए एक समिति गठित की है। जुलाई की शुरुआत में स्वेदा प्रांत में हुई इस हिंसा में सैकड़ों लोग मारे गए थे और हजारों विस्थापित हुए थे। सरकारी समाचार एजेंसी सना के मुताबिक सीरिया के न्याय विभाग ने कहा कि समिति स्वेदा में हुई घटनाओं के कारणों का पता लगाने, हमले मामलों की जांच करने और उनमें शामिल लोगों को न्याय के दायरे में लाने के लिए काम करेगी।

हिजबुल्ला के हथियार उत्पादन केंद्र पर हमला

बेरूत/यरूशलम। इजराइल के युद्धक विमानों ने गुरुवार को पूर्वी और दक्षिणी लेबनान के कई इलाकों में लेबनानी समूह हिजबुल्ला के ठिकानों को निशाना बनाकर गहन हवाई हमले किए। लेबनान के आधिकारिक मीडिया और एक सैन्य सूत्र ने यह जानकारी दी। इज़रायल के हवाई हमलों की एक श्रृंखला ने पूर्वी लेबनान के बेका क्षेत्र में पूर्वी पर्वत श्रृंखला और दक्षिणी लेबनान के भीतरी इलाकों में विस्तृत क्षेत्रों को निशाना बनाया।

संस्कृत को जानना, देश को समझने के समान : भागवत

संघ प्रमुख ने संस्कृत को भारत में घर-घर तक पहुंचाने का किया आह्वान

नागपुर, एजेंसी

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने शुक्रवार को कहा कि संस्कृत सभी भारतीय भाषाओं की जननी है और इसे संचार का माध्यम बनाने तथा घर-घर तक पहुंचाने की आवश्यकता है। संस्कृत को जानना, देश को समझने के समान है। उन्होंने संस्कृत के संरक्षण और प्रचार-प्रसार की वकालत की और कहा कि यह ऐसी भाषा है जो हमारी भावनाओं (भाव) को विकसित करती है। उन्होंने कहा कि सभी को इस प्राचीन भाषा को जानना चाहिए।

नागपुर में कवि कुलगुरु कालीदास संस्कृत विश्वविद्यालय में एक भवन के उद्घाटन समारोह में भागवत ने कहा कि संस्कृत को समझने और उसमें संवाद करने की क्षमता रखने में अंतर होता है। उन्होंने कहा कि संस्कृत विश्वविद्यालय को सरकारी संरक्षण मिलेगा, लेकिन जनता का संरक्षण मिलना भी जरूरी है। भागवत ने कहा कि संस्कृत भारत की सभी भाषाओं की जननी है और इसे आगे बढ़ाने के लिए लोगों को अपने दैनिक जीवन में इसका इस्तेमाल करना चाहिए।

आरएसएस प्रमुख ने कहा, हमें अपने दैनिक संवाद में इस भाषा को बोलना सीखना होगा। यह दैनिक संवाद की भाषा बननी चाहिए। मैंने यह भाषा सीखी है, लेकिन मैं इसे धाराप्रवाह नहीं बोल पाता। संस्कृत को हर घर तक पहुंचाने की जरूरत है और इस भाषा में संवाद जरूरी है। भागवत ने कहा कि 'आत्मनिर्भर' बनने और 'स्वबल' प्रदर्शित करने की आवश्यकता पर सभी एकमत हैं, जिसके लिए हमें अपनी बुद्धि और ज्ञान का विकास करना होगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत की ताकत उसका 'स्वत्व' है यानी कि आत्मनिर्भरता द्वारा स्वामित्व की भावना। उन्होंने कहा, स्वत्व कोई भौतिक चीज़ नहीं, बल्कि व्यक्तिगत है और यह भाषा के माध्यम से अभिव्यक्त होती है।

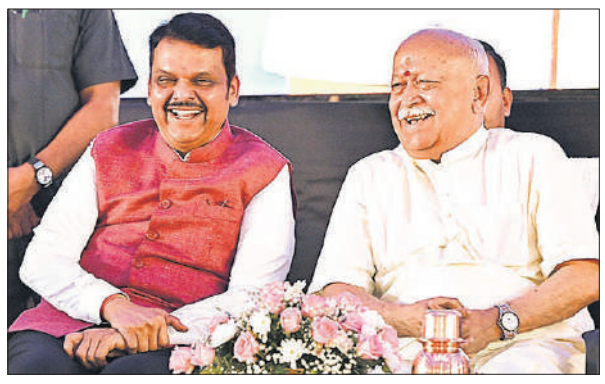

नागपुर में कार्यक्रम में उपस्थित संघ प्रमुख भागवत व मुख्यमंत्री फडणसीस।

पश्चिमी लोगों ने वैश्विक बाजार का विचार विकसित किया था जो अब विफल हो चुका

भागवत ने कहा कि पश्चिमी समाज जहां वैश्विक बाजार की बात करते हैं, वहीं हम वैश्विक परिवार की बात करते हैं, जिसकी विशेषता वसुधैव कुटुम्बकम (विश्व एक परिवार है) की अवधारणा है। उन्होंने कहा कि पश्चिमी लोगों ने वैश्विक बाजार का विचार विकसित किया था जो अब विफल हो चुका है। भागवत ने जी20 की अध्यक्षता के दौरान 2023 में भारत द्वारा जी20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी करने के बारे में बात की और बताया कि इसका विषय वसुधैव कुटुम्बकम था। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने अपने भाषण में संस्कृत की समृद्ध विरासत पर प्रकाश डाला और भाषा के विकास के लिए अपनी सरकार की ओर से हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। उन्होंने विश्वविद्यालय में अभिनव भारती अंतरराष्ट्रीय अकादमिक भवन का उद्घाटन किया।

निसार: महत्वपूर्ण कमीशनिंग चरण में पहुंचा, 90 दिन अहम

- वैज्ञानिक उपग्रह को कठोर अन्वेषण, अंशांकन और कक्षीय समायोजन करेंगे

चेन्नई, एजेंसी

नासा और इसरो के बीच सहयोग के तहत शुरू किया गया ऐतिहासिक मिशन निसार अपने महत्वपूर्ण 90-दिवसीय कमीशनिंग चरण में पहुंच गया है। इस दौरान वैज्ञानिक उपग्रह को पूर्ण पैमाने पर पृथ्वी अवलोकन के लिए तैयार करने को लेकर कठोर अन्वेषण, अंशांकन (कैलिब्रेशन) और कक्षीय समायोजन करेंगे। यह महत्वपूर्ण चरण 30 जुलाई को आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा से जीएसएलवी-एफ16 रॉकेट के माध्यम से रडार इमेजिंग उपग्रह के सफल प्रक्षेपण के बाद शुरू हो रहा है।

नासा के पृथ्वी विज्ञान प्रभाग में प्राकृतिक आपदा अनुसंधान के कार्यक्रम के प्रबंधक गेराल्ड डब्ल्यू बावडेन ने बातचीत में जारी गतिविधियों की रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने बताया, निसार को 737 किलोमीटर की ऊंचाई पर स्थापित किया गया है और हमें वास्तव में इसे 747 किलोमीटर तक ले जाना है। इन कार्यों में लगभग 45-50 दिन लगेंगे। कमीशनिंग पूरी हो जाने के बाद रडार सक्रिय हो जाएंगे और यह पृथ्वी से डेटा एकत्र करना शुरू कर देंगे। इसका रिजॉल्यूशन 5 x 5 मीटर होगा और हम हर 12 दिन में इसकी इमेजिंग करेंगे। इसलिए यह बहुत सारा डेटा है। यह नासा द्वारा किसी भी अन्य मिशन में एकत्र किए गए डेटा से कहीं अधिक है। निसार मिशन के लिए बेंगलुरु में स्थित इसरो के साथ सहयोग से हासिल हुई प्रमुख सीख के बारे में वैज्ञानिक ने कहा कि नासा ने इसरो से सीखा कि विज्ञान किस प्रकार समाज की मदद कर सकता है, जबकि दूसरी ओर इसरो को भी नासा के वैज्ञानिक अनुसंधान पर गहन ध्यान से लाभ मिला।

तकनीक के प्रति हमारा प्रेम समान : बावडेन

वैज्ञानिक बावडेन ने कहा कि इस परियोजना के जरिये दुनिया के दो विपरीत छोरों पर स्थित देश एक साथ आए। उन्होंने कहा, हमारे बीच सांस्कृतिक भिन्नता और दूसरी बात यह है कि हम दुनिया के विपरीत छोर पर हैं। हमें साथ मिलकर काम करना है और तकनीक के प्रति हमारा प्रेम समान है। उन्होंने कहा, (इसरो और नासा) दोनों के वैज्ञानिक एक साथ काम करके साझेदारी और मित्रता कायम कर रहे हैं।

थाईलैंड ने 2 घायल सैनिकों को कंबोडिया वापस भेजा

नोम पेन्ह। थाईलैंड की सेना ने बंधक बनाए गए कंबोडिया के दो घायल सैनिकों को शुक्रवार को वापस लौटा दिया। कंबोडिया ने अपने दो सैनिकों की वापसी का स्वागत किया है।

दोनों पक्ष क्षेत्रीय दावों को लेकर पांच दिनों से चल रहे संघर्ष को समाप्त करने के लिए पहले ही युद्ध विराम लागू कर चुके हैं। उनका वापसी इस बात पर आरोप-प्रत्यारोप और तकरार के बीच हुई है कि क्या दोनों पक्षों ने नागरिकों को निशाना बनाया था और युद्ध के नियमों का उल्लंघन किया था, तथा सोशल मीडिया पर तीव्र राष्ट्रवादी विवाद भी चल रहा है।

नीट-यूजी : प्रश्नों में त्रुटि के दावे वाली याचिका पर विचार करने से इनकार

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को उस याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया, जिसमें दावा किया गया था कि राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) 2025 में पूछे गए तीन प्रश्नों में गंभीर त्रुटियां थीं। न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति एएस चंदुरकर की पीठ ने याचिकाकर्ता की ओर से पेश वकील को संबंधित उच्च न्यायालय का रुख करने का निर्देश दिया।

राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) देशभर के सरकारी और निजी मेडिकल संस्थानों में एमबीबीएस, बीडीएस, आयुष और अन्य संबंधित पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए नीट-यूजी का आयोजन करती है। याचिकाकर्ता के वकील ने दलील दी, ये (तीन) प्रश्न बिल्कुल गलत थे। मैंने दो विशेषज्ञों की राय ली है, जिन्होंने मेरी बात से सहमति जताई है। उन्होंने मेरी बात को प्रमाणित किया है। वकील ने दावा किया कि ये तीन प्रश्न याचिकाकर्ता के लिए 13 अंकों का अंतर पैदा कर रहे थे। पीठ ने कहा कि परीक्षा पहले ही समाप्त हो चुकी है। उसने कहा, आप इसे (याचिका को) वापस लें और उच्च न्यायालय जाएं। हम आपके लिए विकल्प खत्म नहीं करना चाहते। याचिकाकर्ता के वकील ने आग्रह किया कि शीर्ष अदालत विशेषज्ञों की एक समिति नियुक्त कर सकती है, जो तीन दिनों के भीतर इन तीन प्रश्नों पर अपनी राय दे सकती है। उन्होंने कहा कि पीठ विशेषज्ञ समिति की राय जानने के बाद कोई फैसला ले सकती है।

- सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता के वकील को उच्च न्यायालय का रुख करने का दिया निर्देश

एनआईए ने दाऊद गिरोह के गुर्गे की गुजरात में संपत्ति कुर्क की

नई दिल्ली, एजेंसी

- दोहरे हत्याकांड के सिलसिले में की गई कुर्क

एनआईए ने पाकिस्तान में रह रहे भगोड़े गैंगस्टर दाऊद इब्राहिम के एक सहयोगी की गुजरात के भरूच में स्थित दो अचल संपत्तियां 2015 के एक दोहरे हत्याकांड के सिलसिले में कुर्क की हैं।

गिरफ्तार आरोपी मोहम्मद यूनुस उर्फ मंजरो की संपत्ति को मामले में अहमदाबाद स्थित एनआईए की विशेष अदालत के आदेश पर गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम के तहत कुर्क कर लिया गया है। जांच एजेंसी द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है, कुर्क की गई संपत्तियों में भरूच शहर के वार्ड नंबर 3, सिटी सर्वे नंबर 3614 का उसका आवासीय मकान और भरूच शहर के वार्ड नंबर 3, सिटी सर्वे नंबर 3615 शामिल है। मंजरो को नवंबर 2015 में भाजपा कार्यकर्ताओं - शिरीष बंगाली और प्रग्नेश मिस्त्री - की हत्या और आपराधिक साजिश में उसकी भूमिका के लिए गिरफ्तार किया गया था।

भारत के 70 प्रतिशत बुजुर्ग आर्थिक रूप से निर्भर

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत की लगभग 70 प्रतिशत बुजुर्ग आबादी आर्थिक रूप से निर्भर है तथा कई लोग सेवानिवृत्ति के बाद भी जीवन यापन के लिए काम करना जारी रखते हैं। यह जानकारी एक नयी रिपोर्ट से सामने आयी है।

भारत में वृद्धावस्था चुनौतियां और अवसर नामक अध्ययन को 'संकल्प फाउंडेशन' ने नीति आयोग, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय और राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के साथ साझेदारी में जारी किया। यह रिपोर्ट भारत में लॉन्गिट्यूडिनल एजिंग स्टडी (एलएएसआई) के निष्कर्षों पर आधारित है, जो भारत की तेजी से बूढ़ी होती जनसंख्या का विस्तृत विवरण प्रस्तुत करती है। रिपोर्ट में इस बात पर प्रकाश डाला गया है कि बेहतर जीवन प्रत्याशा के बावजूद अनेक भारतीय बुजुर्ग आर्थिक और स्वास्थ्य संबंधी असुरक्षाओं के साथ जी रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि लगभग 6.4 प्रतिशत बुजुर्गों ने अपने भोजन की मात्रा कम कर दी, 5.6 प्रतिशत बिना खाए भूखे रहे और 4.2 प्रतिशत ने पिछले वर्ष में कम से कम एक बार पूरे दिन कुछ नहीं खाया।

- कई लोग सेवानिवृत्ति के बाद भी जीवन यापन के लिए काम करना रखते है जारी

ओडिशा (37.1 प्रतिशत) और उत्तर प्रदेश (36.6 प्रतिशत) में कम वजन वाले बुजुर्गों की संख्या सबसे अधिक पाई गई, जबकि दादरा और नागर हवेली 40.1 प्रतिशत के साथ केंद्र शासित प्रदेशों में सबसे आगे रहा। पंजाब (28 प्रतिशत) और चंडीगढ़ (21.5 प्रतिशत) में अधिक वजन और मोटापा सबसे अधिक पाया गया। 60 वर्ष और उससे अधिक आयु के 35.6 प्रतिशत लोग हृदय रोग, 32 प्रतिशत उच्च रक्तचाप और 13.2 प्रतिशत मधुमेह से पीड़ित पाये गए। गोवा और केरल में हृदय रोग की दर सबसे अधिक (क्रमशः 60 प्रतिशत और 57 प्रतिशत) है, जबकि मधुमेह केरल (35 प्रतिशत), पुडुचेरी (28 प्रतिशत) और दिल्ली (26 प्रतिशत) में सबसे अधिक पाया जाता है।

पाकिस्तान: डाकुओं ने चौकी पर किया हमला 5 पुलिसकर्मियों की मौत

लाहौर। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में भारी हथियारों से लैस डाकुओं ने एक पुलिस चौकी पर हमला किया जिसमें विशिष्ट बल के पांच पुलिसकर्मी मारे गए। पुलिस महानिरीक्षक उस्मान ने बताया कि राकेट लॉचर और ग्रेनेड से लैस करीब 40 डाकुओं ने बृहस्पतिवार रात रहीम यार खान में शेखानी पुलिस चौकी पर हमला कर किया। अनवर ने बताया, डाकुओं ने आधी रात को कायरतापूर्ण हमला किया। पुलिस महानिरीक्षक कार्यालय ने एक बयान में कहा कि पंजाब पुलिस के विशिष्ट बल के पांच अधिकारी मारे गए।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 2 अगस्त, शनिवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-श्रावण, पक्ष-शुक्ल पक्ष, अष्टमी 07.23 तक तत्पश्चात नवमी।

आज का पंचांग

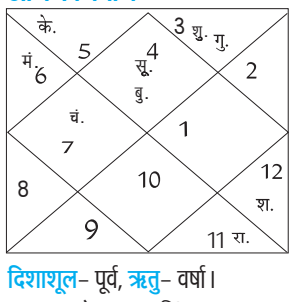

दिशाशूल- पूर्व, ऋतु- वर्षा।
चन्द्रबल-मेष, वृषभ, सिंह, तुला, धनु, मकर।
ताराबल-भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र-विशाखा पूर्ण रात्रि तक।

मेष — आज आपकी कोई मनोकामना पूर्ण हो सकती है। कोई भी महत्वपूर्ण कार्य आरंभ करने से करने से पहले बड़ों की राय अवश्य लें। भोग-विलास का भरपूर आनंद उठायेंगे। आपका मनोबल बढ़ा हुआ रहेगा। व्यवसाय में सारी परिस्थितियां आपके अनुकूल रहेंगी।

वृष — आज आपके व्यक्तित्व में तीव्र आकर्षण रहेगा। इसके कारण आप लोकप्रिय रहेंगे। खर्च करने से पहले बजट का ध्यान अवश्य रखें। गले में खराश और बुखार जैसी समस्या हो सकती है। अनुसंधान संबंधी कार्यों में सफलता मिल सकती है।

मिथुन — आज कार्यक्षेत्र में आप अत्यन्त व्यस्त रहने वाले हैं। प्रेम संबंधों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी। शाम के समय मित्रों के साथ महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा कर सकते हैं। लोग आपकी बातों को अत्यधिक गम्भीरता से लेंगे। बुद्धिमान लोगों से मुलाकात होगी।

कर्क — आज मानसिक स्थिति नकारात्मक हो सकती है। व्यर्थ में अपने शुभचिंतकों पर संदेह न करें। अधिक भागदौड़ करने से आपको बचना चाहिए। धन को लेकर दिक्कतें उत्पन्न हो सकती हैं। बारिश में भींगने से बचें। नई परियोजनाओं को आरंभ करने से बचें।

सिंह — आज परिवार में आपका वर्चस्व बढ़ेगा। अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के अवसर मिलेंगे। कारोबारी यात्राओं से आपको लाभ मिलेगा। दूसरों की बातों में आकर अपना समय बर्बाद न करें। रचनात्मक गतिविधियों में सुखद समय बीतेगा।

कन्या — आज नए व्यावसायिक संपर्क विकसित होने के योग बन रहे हैं। आपके विनम्र व्यवहार से विपरीत लिंग के जातक आपसे आकर्षित रहेंगे। डिजाइनिंग का कोर्स कर रहे छात्रों को जॉब मिल सकती है। दूसरों के कार्यों में हस्तक्षेप न करें।

तुला — आज बेरोजगार लोगों को नई जॉब मिल सकती है। किसी मांगलिक उत्सव में आप सम्मिलित होंगे। आपके कारोबार में निवेश करने के लिए बाहरी निवेशक आ सकते हैं। रुके हुए कार्य दोबारा से शुरू होंगे। छात्र पढ़ाई में बेहतरीन प्रदर्शन करेंगे।

वृश्चिक — आज कार्यक्षेत्र को लेकर मन में उत्साह की कमी देखने को मिलेगी। नजदीकी लोगों के साथ आपके रिश्ते प्रभावित हो सकते हैं। आज आपको धैर्य और संयम के साथ अपने काम पर ध्यान देना चाहिए। दूसरों की सलाह पर अधिक ध्यान न दें।

धनु — आत कार्यक्षेत्र में आपको पदोन्नति दी जा सकती है। संतान के विवाह में आ रही बाधा दूर होगी। जीवनसाथी और बच्चों से आपको प्रेम और सम्मान दोनों ही प्राप्त होगा। आपके विचारों से लोग शीघ्र प्रभावित होंगे। सरकारी मामलों में आपको सफलता मिलेगी।

मकर — आज परिवार में उत्सव का वातावरण रहेगा। लक्ष्य प्राप्ति के लिए दृढ़ संकल्पित रहेंगे। सहकर्मियों की तुलना में आपका प्रदर्शन विशेष और उत्कृष्ट हो सकता है। किसी बहूमूल्य वस्तु को खरीद सकते हैं। कच्चे माल के व्यापार में बेहतरीन धन लाभ हो सकता है।

कुंभ — आज माता-पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। निजी समस्याओं का निराकरण होगा। कुछ कठिन काम आसानी से अचानक बनने से मन प्रसन्न होगा। गैस और एसिडिटी की समस्या हो सकती है। समाज में आपकी प्रशंसा होगी। आपकी कार्यक्षमता में वृद्धि होगी।

मीन — आज आप दूसरों के भले की सोचेंगे लेकिन लोग आपका एहसान नहीं मानेंगे। पारिवारिक आयोजन किसी कारणवश टल सकते हैं। जीवनसाथी की सेहत का ध्यान रखें। किसी के उकसावे में आकर काम न करें। अन्य दिनों की अपेक्षा दिन कुछ कमजोर रहेगा।

सुडोकू-57

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	8				9		2	
2		7			3			
	5		1			7		4
		4			7		5	
	3						8	
	1		6			2		
5					1		3	
			2			5		
1			8				6	

सुडोकू - 56 का हल

2	5	6	3	1	9	8	4	7
4	9	8	7	5	2	6	3	1
7	3	1	4	6	8	5	9	2
3	2	7	5	9	4	1	6	8
1	8	4	6	3	7	9	2	5
5	6	9	8	2	1	4	7	3
9	1	5	2	7	6	3	8	4
6	4	2	1	8	3	7	5	9
8	7	3	9	4	5	2	1	6

तलाक के बाद मुझे धोखेबाज़ कहा गया, मैंने किसी को धोखा नहीं दिया। मेरे मन में आत्महत्या के विचार आते थे। मैं ज़िंदगी से उब चुका था। मैं दिन में कई बार रोता था और बस दो घंटे सोता था।
–युजवेंद्र चहल, भारतीय लेग स्पिनर

स्टेडियम

कानपुर, शनिवार, 2 अगस्त 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

एआईजी में दीक्षा की अच्छी शुरुआत

पोर्थकॉल (वेल्स)। भारतीय गोल्फर दीक्षा डागर ने महिलाओं के लिए साल के आखिरी मेजर एआईजी महिला ओपन के पहले दौर में एक अंडर 71 का कार्ड खेला और वह संयुक्त 30वें स्थान पर हैं। महिला ओपन में छठी बार भाग ले रही दीक्षा ने खराब मौसम के बावजूद चार बर्डी और तीन बोगी की। यह भारतीय खिलाड़ी 15वें होल तक संयुक्त 14वें स्थान पर चल रही थी लेकिन इसके बाद नीचे खिसक गई। उन्होंने पहले, सातवें, नौवें और 11वें होल पर बर्डी लगाईं तथा छठे, आठवें और 11वें होल पर बोगी की।

डब्ल्यूटीटीसी के लिए भारतीय टीमें क्वालीफाई

नई दिल्ली। भारतीय पुरुष और महिला टेबल टेनिस टीमों ने काठमांडू में दक्षिण एशिया क्षेत्रीय चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करके लंदन में विश्व टेबल टेनिस चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीटीसी) के लिये क्वालीफाई कर लिया। महिला और पुरुष वर्ग में 16 एशियाई कोटा स्थान उपलब्ध थे। मध्य एशिया, दक्षिण एशिया, दक्षिण पूर्ण एशिया और पश्चिम एशिया से चार क्षेत्रीय चैंपियन इसके लिए सीधे क्वालीफाई करते हैं। भारतीय महिला और पुरुष टीमें पांच देशों के राउंड रॉबिन प्रारूप वाले दक्षिण एशियाई टूर्नामेंट में अपराजेय रहीं।

छह राज्यों में होगा ईशा ग्रामोत्सवम

नई दिल्ली। भारत का सबसे बड़ा ग्रामीण खेल उत्सव ईशा ग्रामोत्सवम का 17वां सत्र छह राज्यों में आयोजित होगा, जिसकी शुरूआत 10 अगस्त को मैसूर में होगी। इस साल आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु, तेलंगाना, पुडुचेरी और ओडिशा के 35000 गांवों में इन खेलों का आयोजन होगा। अध्यात्मिक गुरू सदगुरू जग्गी वासुदेव द्वारा शुरू किये गए ईशा ग्रामोत्सवम में 6000 टीमें और 50000 से अधिक खिलाड़ी भाग लेंगे।

सप्तक की स्कॉटलैंड में शानदार शुरुआत

केल्सो (स्कॉटलैंड)। भारत के सप्तक तलवार ने यहां फार्मफूड्स स्कॉटिश चैलेंज गोल्फ टूर्नामेंट में अच्छी शुरुआत करते हुए पहले राउंड में पांच अंडर 66 का शानदार स्कोर बनाया। तलवार ने पहले राउंड में एक भी बोगी नहीं की जबकि इस बीच पांच बर्डी बनाई। वह पहले राउंड के बाद पांच अन्य खिलाड़ियों के साथ संयुक्त आठवें स्थान पर हैं। पिछले नौ होल से शुरुआत करते हुए तलवार ने 12वें, 15वें और 17वें होल पर बर्डी बनाई। इसके बाद उन्होंने दूसरे और पांचवें होल में भी बर्डी बनाई।

बीएफआई के चुनाव 21 अगस्त को होंगे

नई दिल्ली। भारतीय मुक्केबाजी संघ (बीएफआई) के लंबे समय से लंबित चुनाव 21 अगस्त को दिल्ली-एनसीआर में होंगे। देश में इस खेल का संचालन कर रही अंतरिम समिति ने यह घोषणा की। अंतरिम समिति के प्रमुख अजय सिंह के 31 जुलाई के परिपत्र के मुताबिक बीएफआई की आम बैठक (एजीएम) 21 अगस्त को होगी। इसका एजेंडा गत बैठक के ब्यौरे पर सहमति के साथ 2025-29 के लिए विभिन्न पदों का चुनाव और अध्यक्ष की अनुमति से किसी अन्य कार्य पर मुहर लगाना है।

इंग्लैंड की पहली पारी 247 रनों पर सिमटी

सिराज और कृष्णा ने लिए 4-4 विकेट, इंग्लैंड ने हासिल की 23 रन की बढ़त

लंदन, एजेंसी

भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा के चार चार विकेट से इंग्लैंड की टीम शुक्रवार को पांचवें और अंतिम टेस्ट के दूसरे दिन पहली पारी में 247 रन पर सिमट गई, जिससे उसने 23 रन की बढ़त हासिल की। कंधे की चोट के कारण क्रिस वोक्स बल्लेबाजी के लिए नहीं उतरे और इंग्लैंड ने 247 रन पर अपना नौवां विकेट गंवा दिया। इंग्लैंड के लिए जाक क्रॉली (64 रन) और हैरी ब्रुक (53 रन) ने अर्धशतक बनाए। सिराज ने 86 रन देकर और कृष्णा ने 62 रन देकर 4-4 विकेट झटके। आकाश दीप को एक विकेट मिला। भारतीय टीम सुबह पहली पारी में 224 रन ही बना सकी थी।

शुरुआत में इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाजों ने भारतीय गेंदबाजों के खिलाफ तेजी से रन जुटाए, लेकिन भारतीय तेज गेंदबाजों ने ब्रेक के बाद लेंथ हासिल करते हुए वापसी की। कृष्णा की गेंद पर क्रॉली ने पुल शॉट लगाने में गलती की और मिडविकेट पर कैच आउट हो गए। पिच से तेज गेंदबाजों को मदद मिल रही है। सिराज ने पोप और रूट को पगबाधा आउट किया। फिर इनस्विंग यॉर्कर से बेथेल को भी पगबाधा आउट किया। सिराज लगातार कोशिश करते रहे और उन्हें इसका फल भी मिला। एक बार फिर उन्होंने दिखाया कि वे कार्यभार प्रबंधन में विश्वास नहीं रखते। कृष्णा भी प्रभावशाली रहे। उन्होंने चाय सत्र के अंतिम ओवर में जैमी स्मिथ और जैमी ओवरटन के विकेट झटके। भारत को खेल के पहले आधे घंटे में पहली पारी में 224 रन पर समेटने के बाद इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज क्रॉली और बेन डकेट ने मेहमान टीम के तेज गेंदबाजों की जमकर धुनाई की।

भारत-इंग्लैंड के बीच पांचवें टेस्ट मैच के दूसरे दिन इंग्लैंड के कार्यकारी कप्तान ओली पोप के विकेट के लिए रिव्यू के फैसले का इंतजार करते भारतीय खिलाड़ी। एजेंसी

डकेट (43 रन) और क्रॉली ने मर्जी से चौके जड़े, जिससे इंग्लैंड लंच ब्रेक तक एक विकेट पर 109 रन बना चुका था। आकाश दीप, मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा की तिकड़ी के पास इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाजों के लिए कोई रणनीति नहीं दिख रही थी। पर भारत को लंच से 15 मिनट पहले डकेट का विकेट मिलने से राहत मिली।

आकाश दीप की गेंद पर एक और रिवर्स हिट लगाने की कोशिश में डकेट विकेट के पीछे कैच आउट हो गए। इस तरह इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाजों ने महज 77 गेंद में 92 रन बना लिए। क्रॉली ने 12 चौके में से पांच सिराज की गेंदों पर लगाए। उन्होंने आकाश दीप की गेंद पर थर्ड मैन पर चौका लगाकर अपना अर्धशतक पूरा किया। खेल के दौरान डकेट ने आकाश दीप की गेंद पर रिवर्स स्कूप शॉट लगाया और इसके बाद सिराज की गेंद पर रैप ऑफ पर छक्का जड़ दिया। डकेट के आउट होने के बाद पोप क्रीज पर उतरे। उन्होंने कवर ड्राइव शॉट्स लगाकर शुरुआत की। वहीं दिन की शुरूआत छह विकेट पर 204 रन से शुरू करने वाले भारत ने पहले 30 मिनट में 20 रन के अंदर बाकी के चार विकेट गंवा दिए। करुण नायर (109 गेंद में 57 रन) और वाशिंगटन सुंदर (26 रन) जल्दी आउट हो गए, जिसके बाद एटकिंसन ने निचले क्रम के बल्लेबाजों को पवेलियन की ओर भेजने में देर नहीं की। इंग्लैंड के लिए एटकिंसन ने पांच जबकि जोस टंग ने तीन विकेट चटकाए।

बुमराह को टीम से किया गया रिलीज, एशिया कप में खेलने पर संदेह

लंदन/नई दिल्ली। भारत के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की शृंखला में तीन टेस्ट का कोटा पूरा करने के बाद शुक्रवार को टीम से फारिग (रिलीज) कर दिया गया। साथ ही भारतीय क्रिकेट के हितधारकों ने उनके अगले मैच में भागीदारी पर चर्चा शुरू कर दी है। इंग्लैंड के मौजूदा दौरे पर 31 वर्षीय बुमराह ने तीन मैचों में 119 .4 ओवर फेंके और 14 विकेट लिए। बीसीसीआई ने शुक्रवार को बताया, जसप्रीत बुमराह को इंग्लैंड के खिलाफ शृंखला के पांचवें टेस्ट के लिए भारतीय टीम से फारिग कर दिया गया। बुमराह ने इस शृंखला में दो बार (हेडिंग्ले में पहले टेस्ट और लॉर्ड्स में तीसरे टेस्ट) पांच-पांच विकेट लिए। उन्होंने मैनचेस्टर में चौथे टेस्ट में अपने करियर में पहली बार एक पारी में 100 से अधिक रन दिए। बुमराह के नाम अब 48 टेस्ट में 219 विकेट हैं। भारतीय टीम के इंग्लैंड दौरे से पहले ही चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर ने बताया था कि बुमराह अपने कार्यभार प्रबंधन (चोट और थकान से बचाने के लिए) के तहत 5 में से 3 टेस्ट मैच खेलेंगे। भारत को अगला अंतर्राष्ट्रीय मैच एशिया कप टी-20 खेलना है। अगर बुमराह इस टूर्नामेंट में खेलते हैं तो यह हैरानी की बात होगी क्योंकि यूएई में होने वाले इस टूर्नामेंट के खत्म होने के के बाद वेस्टइंडीज के खिलाफ अगली टेस्ट शृंखला शुरू होगी। एशिया कप 29 सितंबर को खत्म होगा और वेस्टइंडीज के खिलाफ पहला टेस्ट दो अक्टूबर से अहमदाबाद में शुरू होगा। इसके बाद दूसरा मैच 10 से 14 अक्टूबर तक नई दिल्ली में खेला जाएगा। फिर नवंबर में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो टेस्ट हैं। भारतीय टीम के सूत्र ने कहा, यह मुश्किल होगा लेकिन बुमराह को टेस्ट पसंद है और विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के अंक दांव पर हैं।

भारत पहली पारी

224/10 (69.4 ओवर)

यशस्वी पगबाधा को एटकिंसन	02
लोकेश राहुल बो वोक्स	14
साई सुदर्शन का स्मिथ बो टंग	38
शुभमन गिल रन आउट	21
करुण नायर पगबाधा बो टंग	57
रविंद्र जडेजा का स्मिथ बो टंग	09
ध्रुव जुरेल का ब्रुक बो एटकिंसन	19
सुंदर का ओवरटन बो एटकिंसन	26
आकाश दीप नाबाद	00
मोहम्मद सिराज बो एटकिंसन	00
कृष्णा का स्मिथ बो एटकिंसन	00

अतिरिक्त: 38, **गेंदबाजी:** वोक्स 14-1-46-1, एटकिंसन 21.4-8-33-5, टंग 16-4-57-3, ओवरटन 16-0-66-0, बेथेल 2-1-4-0

इंग्लैंड पहली पारी

247/10 (51.2 ओवर)

जाक क्रॉली का जडेजा बो कृष्णा	64
डकेट का जुरेल बो आकाशदीप	43
ओली पोप पगबाधा बो सिराज	22
जो रूट पगबाधा बो सिराज	29
हैरी ब्रुक बो सिराज	53
जैकब बेथेल पगबाधा बो सिराज	06
जैमी स्मिथ का राहुल बो कृष्णा	08
ओवरटन पगबाधा बो कृष्णा	00
एटकिंसन बो कृष्णा	11
जोश टंग नाबाद	00
क्रिस वोक्स 'एब्सेंट हर्ट'	00

अतिरिक्त: 11, **गेंदबाजी:** सिराज 16.2-1-86-4, आकाशदीप 17-0-80-1, कृष्णा 16-1-62-4, जडेजा 2-0-11-0

कंधे की चोट से आगे नहीं खेल पाएंगे वोक्स

लंदन। चोटिल खिलाड़ियों की समस्या से जूझ रहे इंग्लैंड को शुक्रवार को तब करारा झटका लगा जब तेज गेंदबाज क्रिस वोक्स कंधे की चोट के कारण भारत के खिलाफ चल रहे पांचवें और अंतिम टेस्ट मैच से बाहर हो गए। गुरुवार को मैच के पहले दिन करुण नायर के शॉट पर बाउंड्री बचाने के प्रयास में वोक्स चोटिल हो गए थे और उन्हें मैदान छोड़ना पड़ा था। वोक्स जब मैदान से बाहर गए तो उनका बायां हाथ स्वेटर में लिपटा हुआ था और वह दर्द से कराह रहे थे। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने कहा, इंग्लैंड के तेज गेंदबाज क्रिस वोक्स को भारत के खिलाफ मैच के पहले दिन बाएं कंधे में लगी चोट के बाद पांचवें टेस्ट के शेष खेल के दौरान निगरानी में रखा जाएगा। अभी वह चोट के कारण मैच में आगे भाग नहीं ले पाएंगे। शृंखला समाप्त होने के बाद उनकी आगे जांच की जाएगी। इससे पहले तेज गेंदबाज गस एटकिंसन ने कहा था कि वोक्स की चोट गंभीर लग रही है। एटकिंसन ने बारिश से प्रभावित पहले दिन का खेल समाप्त होने के बाद कहा, मैं इसके बारे में ज्यादा नहीं जानता, लेकिन यह बहुत अच्छा नहीं लग रहा है। यह निराशाजनक है। यह शृंखला का आखिरी मैच है और जब कोई खिलाड़ी चोटिल हो जाता है तो अच्छा नहीं लगता है। मुझे उम्मीद है कि सब कुछ ठीक होगा। वोक्स ने मौजूदा टेस्ट में अब तक 14 ओवर गेंदबाजी की है और 46 रन देकर केएल राहुल का विकेट लिया है। वोक्स की चोट ने इंग्लैंड की चिंता बढ़ा दी है, जिसे कुछ प्रमुख खिलाड़ियों की सेवाएं नहीं मिल रही हैं, जिनमें कप्तान बेन स्टोक्स भी शामिल हैं, जो कंधे की चोट से इस मैच में नहीं खेल रहे हैं। एटकिंसन ने पहले दिन 19 ओवरों में दो विकेट लिए और वह वोक्स की अनुपस्थिति में जिम्मेदारी संभालने के लिए आश्वस्त दिखे। उन्होंने कहा कि निश्चित रूप से मैं अच्छा महसूस कर रहा हूं।

लक्ष्य, मन्नेपल्ली सेमीफाइनल में, सात्विक-चिराग बाहर

- मन्नेपल्ली ने चीन के हू झे को और लक्ष्य ने भी चीन के शुआन चेन झू को दी मात

मकाऊ, एजेंसी

मकाऊ ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट

लक्ष्य सेन

तरुण मन्नेपल्ली

भारत के स्टार खिलाड़ी लक्ष्य सेन और उदीयमान तरुण मन्नेपल्ली ने कड़े मुकाबलों में जीत दर्ज करके शुक्रवार को मकाऊ ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष एकल के सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

विश्व में 47वें स्थान पर काबिज 23 वर्षीय मन्नेपल्ली ने 87वें स्थान पर काबिज चीन के हू झे को 75 मिनट तक चले मुकाबले में 21-12, 13-21, 21-18 से हराया। वहीं राष्ट्रमंडल खेल के चैंपियन दूसरी वरीयता प्राप्त लक्ष्य ने चीन के शुआन चेन झू को 21-14, 18-21, 21-14 से मात दी। अब लक्ष्य का सामना इंडोनेशिया के पांचवीं वरीयता प्राप्त अल्वी फरहान से होगा जबकि मन्नेपल्ली की टक्कर मलेशिया के जस्टिन होह से होगी। मन्नेपल्ली ने पहली बार किसी बीडब्ल्यूएफ सुपर 300 टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाई है। इससे पहले वह फरवरी में जर्मन ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे थे।

सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी क्वार्टर फाइनल में मलेशिया के चूंग होन जियान और हेकल मुहम्मद से 14-21, 21-13, 20-22 से हारकर बाहर हो गई। चार साल पहले पुलेला गोपीचंद अकादमी से जुड़ने वाले मन्नेपल्ली ने पिछले दौर में हांगकांग के शीर्ष वरीयता प्राप्त ली चेउक यिउ को हराया था। राष्ट्रीय खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाले मन्नेपल्ली पहले गेम में एक समय 4-7 से पीछे चल रहे थे, लेकिन उन्होंने 12-9 से बढ़त बना ली। इसके बाद उन्होंने 15-11 से लगातार छह अंक बनाकर गेम अपने नाम कर दिया। दूसरे गेम में हू ने 6-2 से आगे होने के बाद दबदबा बनाए रखा और गेम अपने नाम किया। तीसरे और निर्णायक गेम में मन्नेपल्ली ने 5-0 की बढ़त बनाई और 19-15 तक अपनी बढ़त बनाए रखी। भारतीय खिलाड़ी ने तीन अंक गंवा दिए। मन्नेपल्ली ने हालांकि धैर्य बनाए रखा और हू के बैकहैंड कॉर्नर पर सटीक पुश लगाकर जीत पक्की की। मन्नेपल्ली ने आठ साल की उम्र में तेलंगाना के खम्मम में बैडमिंटन खेलना शुरू किया था। दसवीं कक्षा के बाद वह हैदराबाद आ गए थे।

लक्ष्य को विश्व रैंकिंग में 77वें स्थान पर काबिज चेन को हराने में काफी मेहनत करनी पड़ी। उन्होंने पहले गेम में अच्छा प्रदर्शन करके 9-4 और फिर 15-8 की बढ़त बना ली। इसके बाद चेन ने दूसरे गेम में शानदार वापसी करके मुकाबले को निर्णायक गेम तक खिंचा। लक्ष्य ने तीसरे गेम में फिर दबाव बनाया और 7-1 की बढत बनाने के बाद पीछे मुड़कर नहीं देखा।

न्यूजीलैंड ने जिम्बाब्वे को तीन दिन के अंदर नौ विकेट से रौंदा

बुलावायो, एजेंसी

जीत का जश्न मनाते न्यूजीलैंड के खिलाड़ी।

न्यूजीलैंड ने दो मैचों की शृंखला के शुरुआती टेस्ट में शुक्रवार को जिम्बाब्वे को नौ विकेट से शिकस्त दी। दोनों देशों के बीच नौ साल के अंतराल पर खेले जा रहे टेस्ट में जिम्बाब्वे की टीम पुछल्ले बल्लेबाजों के योगदान से 165 रन बनाकर पारी की हार टालने में सफल रही।

न्यूजीलैंड को दूसरी पारी में जीत के लिए महज 8 रन का लक्ष्य मिला, जिसे उसने डेवोन कॉन्वे (4) का विकेट गंवा कर हासिल कर लिया। दोनों टीमों के बीच पिछला टेस्ट मैच भी इसी मैदान पर 2016 में खेला गया था जिसे न्यूजीलैंड ने 254 रन से जीता था। जिम्बाब्वे की पहली पारी महज 149 रन पर सिमट गयी थी। न्यूजीलैंड ने पहली पारी में 307 रन बनाये। पहली पारी में तीन विकेट लेने वाले नाथन स्मिथ चोट के कारण दूसरी पारी में गेंदबाजी के लिए उपलब्ध नहीं थे इसके बावजूद जिम्बाब्वे की दूसरी पारी 165 रन पर सिमट गयी। जिम्बाब्वे ने तीसरे दिन की शुरुआत दूसरी पारी में दो विकेट पर 31 रन से आगे से की और लंच तक उसने 114 रन पर छह विकेट गंवा दिये। टीम लगातार अंतराल पर विकेट गवांते रही। सीन विलियम्स (49) अर्धशतक से चूक गये लेकिन उनके अलावा जिम्बाब्वे का कोई भी बल्लेबाज क्रीज पर खड़ा नहीं रह पाया। कप्तान मिचेल सैंटनर ने दूसरी पारी में 27 रन देकर 4 विकेट लिए जबकि पहली पारी में 6 विकेट लेने वाले मैट हेनरी ने 51 रन देकर 3 विकेट लिए। तेज गेंदबाज विल ओ'राउरकी ने 28 रन देकर तीन विकेट लिये।

कोको गॉफ एक और संघर्षपूर्ण जीत से अंतिम 16 में पहुंचीं

मॉन्ट्रियल, एजेंसी

- रूस की वेरोनिका कुदेरमेतोवा को तीन सेट तक चले मुकाबले में हराया
- गॉफ का मुकाबला अब कनाडा की खिलाड़ी विक्टोरिया म्बोको से होगा

कोको गॉफ को फिर से अपनी सर्विस पर नियंत्रण बनाए रखने के लिए संघर्ष करना पड़ा, लेकिन 14 डबल-फॉल्ट करने के बावजूद वह रूस की वेरोनिका कुदेरमेतोवा को तीन सेट तक चले मुकाबले में हराकर नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट के अंतिम 16 में पहुंचने में सफल रही।

पिछले दौर में हमवतन अमेरिकी खिलाड़ी डेनियल कोलिंस के खिलाफ 23 डबल-फॉल्ट और तीसरे सेट के टाईब्रेकर से बचने के दो दिन बाद शीर्ष वरीयता प्राप्त गॉफ ने कुदेरमेतोवा को 4-6, 7-5, 6-2 से पराजित किया। गॉफ का मुकाबला अब कनाडा की 18 वर्षीय खिलाड़ी विक्टोरिया म्बोको से होगा, जिन्होंने चेक गणराज्य की की मैरी बोजकोवा को 1-6, 6-3, 6-0 से हराया।

अमेरिका की मैककार्टनी केसलर ने चौथी वरीयता प्राप्त रूस की मीरा एंड्रीवा को 7-6 (5), 6-4 से हराकर उलटफेर किया। अगले दौर में केसलर का सामना यूक्रेन की मार्टा कोस्त्युक से होगा। कोस्त्युक ने ऑस्ट्रेलिया की 15वीं वरीयता प्राप्त डारिया कसाटकिना को 3-6, 6-3, 7-6 (4) से हराया। यूक्रेन की दयाना यास्त्रेम्स्का ने आठवीं वरीयता प्राप्त एम्मा नवारो को 7-5, 6-4 से हराया। उनका सामना अब कज़ाकिस्तान की नौवीं वरीयता प्राप्त एलेना रयबाकिना से होगा, जिन्होंने रोमानिया की जैकलीन क्रिस्टियन को 6-0, 7-6 (5) से पराजित किया।

एक अन्य मैच में दसवीं वरीयता प्राप्त एलिना स्वितोलिना ने रूस की कामिला राखीमोवा को 7-5, 6-2 से हराया।

कोको गॉफ

नई नियुक्ति | गत 13 वर्षों में प्रतिष्ठित पद पर आसीन होने वाले पहले भारतीय बने

भारतीय फुटबाल टीम को मिले नए मुख्य कोच जमील

- जमील के सामने भारतीय टीम के प्रदर्शन में सुधार लाने की कठिन चुनौती

नई दिल्ली, एजेंसी

खालिद जमील को शुक्रवार को भारतीय राष्ट्रीय पुरुष फुटबॉल टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया और इस तरह से वह पिछले 13 वर्षों में इस प्रतिष्ठित पद पर आसीन होने वाले पहले भारतीय बन गए। राष्ट्रीय पुरुष टीम के मुख्य कोच का पद संभालने वाले अंतिम भारतीय सावियो मेडेइरा थे, जो 2011 से 2012 तक इस पद पर रहे। उनके सामने अब भारतीय टीम के प्रदर्शन में सुधार लाने की कठिन चुनौती होगी।

भारत का पिछले कुछ महीनो में प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। पूर्व भारतीय अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी और वर्तमान में इंडियन सुपर लीग की टीम जमशेदपुर एफसी के प्रभारी 48 वर्षीय जमील को अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) की कार्यकारी समिति ने इस पद के लिए चुना। भारतीय टीम का कोच बनने की दौड़ में जमील के अलावा भारत के पूर्व मुख्य कोच स्टीफन कॉन्स्टेंटाइन और स्लोवाकिया के मुख्य कोच रह चुके स्टीफन टारकोविच शामिल थे। अपने जमाने के दिग्गज स्ट्राइकर आईएम विजयन की अगुवाई वाली एआईएफएफ की तकनीकी समिति ने कार्यकारी समिति के अंतिम निर्णय के लिए तीन उम्मीदवारों को चुना था। एएफसी प्रो लाइसेंस डिप्लोमा धारक जमील स्पेन के मनोलो मार्केज़ का स्थान लेंगे, जो भारत के हाल में खराब प्रदर्शन के बाद अपने पद से हट गए थे।

खालिद जमील

एआईएफएफ अध्यक्ष कल्याण चौबे ने बैठक के बाद कहा कि एआईएफएफ कार्यकारी समिति ने खालिद जमील को नया मुख्य कोच चुना है, लेकिन उनका कार्यकाल अभी तय नहीं हुआ है। हम इस पर आपस में चर्चा के बाद फैसला करेंगे। हमें उनके वेतन पर भी चर्चा करनी है। चौबे ने कहा, जमील तीन साल का कार्यकाल चाहते थे। कुछ सदस्यों ने कहा कि यह एक या दो साल का हो सकता है। उनका कार्यकाल दो या तीन साल का हो सकता है। यह टीम के प्रदर्शन पर निर्भर करेगा।

एआईएफएफ अध्यक्ष ने यह स्पष्ट किया कि जमील राष्ट्रीय टीम के पूर्णकालिक मुख्य कोच होंगे और किसी अन्य क्लब से नहीं जुड़ेंगे। जमील के पूर्ववर्ती मनोलो ने अपने एक वर्ष के कार्यकाल के दौरान दोहरी भूमिका निभाई थी। जब राष्ट्रीय टीम के कोई मैच नहीं थे तब उन्होंने आईएसएल टीम एफसी गोवा की कमान संभाली थी। जमील की नई भूमिका में पहला काम सेंट्रल एशियन फुटबॉल एसोसिएशन (सीएएफए) नेशंस कप होगा, जो 29 अगस्त से ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान में खेला जाएगा। जमील लंबे समय से भारतीय फुटबॉल से जुड़े हुए हैं। उनके कोच के करियर की उनकी सबसे बड़ी उपलब्धि आइज़ॉल एफसी के साथ 2016-17 का आई-लीग खिताब जीतना था। तब इस क्लब ने मोहन बागान, ईस्ट बंगाल व बेंगलुरु एफसी जैसी टीमों को हराया था।

जमील को आईएसएल में कोचिंग का अच्छा खासा अनुभव

मुंबई के रहने वाले जमील को इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) में कोचिंग का अच्छा खासा अनुभव है। उनके कोच रहते हुए 2020-21 में नॉर्थईस्ट यूनाइटेड और 2024-25 में जमशेदपुर एफसी ने आईएसएल के प्ले ऑफ जगह बनाई थी। उन्हें अब भारतीय टीम के प्रदर्शन में सुधार लाना होगा। भारतीय टीम 10 जून को एएफसी एशियाई कप क्वालीफायर के एक मैच में निचली रैंकिंग वाली हांगकांग से 0-1 से हार गई थी और उस पर अब 2027 में होने वाली महाद्वीपीय प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई करने से चूकने का खतरा मंडरा रहा है। सीएएफए नेशंस कप के बाद भारत नौ और 14 अक्टूबर को सिंगापुर के खिलाफ एएफसी एशियाई कप क्वालीफाइंग दौर के मैच खेलेगा। जमील को उनकी नियुक्ति से पहले ही इस पद के लिए प्रबल दावेदार माना जा रहा था। उन्हें तकनीकी समिति के अध्यक्ष विजयन और उपाध्यक्ष शब्बीर अली जैसे दिग्गजों तथा पूर्व भारतीय कोच अमरांडो कोलासो का समर्थन हासिल था। कोलासो वर्तमान में चौबे के सलाहकार हैं।